हरिभूमि
रायपुर भूमि

ऐतिहासिक पुन्नी मेला आज से, खारुन तट पर तीन दिन चलेगा उत्सव

65 एकड़ का विशाल मेला 5 एकड़ की मड़ई जैसी जगह में सिमटा, इसके बावजूद भीड़ ठसाठस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

साल 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण से पहले खारुन नदी तट पर स्थित हाटकेश्वर नाथ की नगरी महादेव घाट पर 65 एकड़ एरिया में तीन दिनों तक चलने वाला पुन्नी मेला स्थल जब राजधानी बना तक 35 एकड़ के दायरे में था। 25 वर्षों में क्षेत्र की खाली जमीन भी बटांकन और जरूरतों भेंट चढ़ गई। आलम यह है कि अब महज पांच एकड़ एरिया में मेला सिमट गया है। इस वजह से आस्था केन्द्र में लगने वाले मेले में अफरा-तफरी की स्थिति बनती है। ⏭ शेष पेज 13 पर

लगातार घटता गया मेला स्थल का एरिया

मेला स्थल में हर साल खान-पान का साजो-सामान सजाने वाले पंकज गुप्ता ने बताया कि परिवार के लोग 1970 से पुन्नी मेला में दुकान लगाते आ रहे हैं। 25 साल पहले मेला का जो स्वरूप था, उसका दायरा तेजी से घटा है। पहले मेले में दुकान लगाने के लिए किसी प्रकार का शुल्क नहीं लगता था। अब तीन दिनों तक दुकान लगाने के ⏭ शेष पेज 13 पर

तंबू बनाकर तीन दिनों तक रुकते थे लोग

मेला स्थल पर दुकान लगाने वाले आकाश साहू ने बताया कि दूसरी पीढ़ी के रूप में खान-पान और मनिहारी सामान की दुकान हर साल पुन्नी मेला में लगाते हैं। अब जगह कम होने से दुकानें सीमित हुई हैं। आसपास जिनकी जमीन थी, उन्होंने जरूरत बढ़ने से मकान और दुकान बनवा लिए हैं। कई समाज का मेला स्थल के आसपास ही भवन आकार ले चुका है। इससे मेले का एरिया तेजी से घटा है। इससे अब एक दायरे में मेला लगने लगा है। पहले लोग बैलगाड़ी से आते और जगह-जगह तंबू बनाकर तीन दिनों तक रहते थे, अब इस तरह की स्थिति नहीं रह गई है।

सुविधा बढ़ाने और सीमांकन की मांग की गई

महंत ने बताया कि मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष पिकेश्वर साहू सहित पदाधिकारियों के साथ कई बार शासन-प्रशासन को ज्ञापन देते हुए मेला स्थल का सीमांकन करवाने और सुविधा बढ़ाने की मांग तो की गई, लेकिन अपेक्षा के अनुरूप सुविधा नहीं होने से दूर-दराज से आने वाले लोग वंचित रह जाते हैं। सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा बल लगाया जाता है। रात में पर्याप्त रोशनी का भी इंतजाम किया जाता है। इसके बाद भी सिमट चुके दायरे का मसौदा अभी तक नहीं सुलझ पाया है। राज्य बनने के बाद शासन द्वारा जमीन का बटांकन करने से मेला स्थल सिमट गया है।

खबर संक्षेप

झपटमार पुलिस के हत्थे चढ़े, राह चलते लोगों का मोबाइल, पर्स लूटते थे

रायपुर। राह चलती महिलाओं के साथ लोगों के मोबाइल लूट करने वाले दो झपटमारों को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जिन दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है, उन बदमाशों ने रायपुर, डोंगगढ़ सहित कई अन्य थाना क्षेत्रों में झपटमारी करने के साथ दोपहिया चोरी की एक दर्जन से ज्यादा घटना की है। पकड़े गए बदमाश आदतन अपराधी हैं। पकड़े गए बदमाश पूर्व में भी लूट, चोरी तथा मारपीट के आरोप में जेल जा चुके हैं। झपटमारी के आरोप में पुलिस ने गुढ़ियारी निवासी निरंजन बंजारे तथा शंकर शेट्टी को गिरफ्तार किया है। बदमाशों के कब्जे से पुलिस ने दो लेडीज पर्स, तीन मोबाइल, तीन चोरी की दोपहिया जब्त की है। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए एसएसपी के निर्देश पर अलग से टीम गठित की गई थी। टीम ने हाल के दिनों में जहां-जहां स्नैचिंग की घटना हुई थी, उन जगहों पर जाकर सीसीटीवी फूटेज की जांच की। सीसीटीवी फूटेज में मिले हुलिया के आधार पर पुलिस ने बदमाशों की पहचान कर गिरफ्तार किया।

मरीज की बिगड़ी तबीयत एयर एंबुलेंस रायपुर में लैंड

रायपुर। इलाज के लिए मरीज को लेकर सिलीगुड़ी से हैदराबाद जा रही एयर एंबुलेंस की रायपुर एयरपोर्ट में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। मरीज को आनन-फानन आंबेडकर अस्पताल भेजा गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, बाजार नक्सलबाड़ी निवासी 37 साल के अमित पिता तपन सिन्हा को गंभीर बीमारी की हालत में इलाज के लिए एयर एंबुलेंस के जरिए हैदराबाद ले जाया जा रहा था। बताया जाता है कि दोपहर डेढ़ बजे यात्रा के दौरान उसकी तबीयत बिगड़ी, जिसके बाद एयर एंबुलेंस को रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में लैंड कराना पड़ा। उसे प्रारंभिक जांच के बाद इलाज के लिए आंबेडकर अस्पताल भिजवाया गया, जहां उसे मृत घोषित किया गया। यात्रा के दौरान उसके साथ पत्नी और एक साथी भी था।

ई-रिक्शा ने बाइक को ठोंका, युवक की मौत

रायपुर। खमतराई थाना क्षेत्र में ई-रिक्शा की ठोकर लगने से एक बाइक चालक की मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार ई-रिक्शा सीजी 04 पीवी 7572 की ठोकर लगने से रविंद्र सोना की मौत हुई है। रविंद्र अपनी बाइक से आरवीएच कालोनी की ओर से डीआरएम आफिस जा रहा था। गलत दिशा से आ रहे ई-रिक्शा के चालक ने लापरवाही से तेज रफ्तार ई-रिक्शा चलाते हुए रविंद्र की बाइक को ठोकर मार दी। रविंद्र के सिर तथा शरीर के अन्य अंगों में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई।

हाईकोर्ट में सूदखोर भाइयों की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

हमारी स्मार्ट पुलिस 154 दिन से फरार चल रहे सूदखोर तोमर बंधुओं तक नहीं पहुंच सकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सूदखोरी, एक्सटार्सन, हत्या की कोशिश, मारपीट सहित कई गंभीर अपराध में फरार सूदखोर भाई वीरेंद्र तथा रोहित तोमर की पुलिस 154 दिन बाद भी पतासाजी नहीं कर पाई है। दोनों भाइयों की सोमवार को हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी है। इसके पूर्व स्थानीय कोर्ट दोनों भाइयों की संपत्ति अटैच करने आदेश दे चुकी है। साथ ही दोनों भाइयों की गिरफ्तारी के लिए एसएसपी ने इनाम घोषित किया है। रोहित तोमर के खिलाफ तेलीबांधा में मारपीट का अपराध दर्ज होने तथा पुरानी बस्ती में सूदखोरी का मामला दर्ज होने के बाद दो जून से वीरेंद्र तोमर तथा उसका भाई फरार हो गए। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने कई जगह छापेमारी करने के साथ उनके गुर्गों के साथ पूछताछ की, लेकिन पुलिस को दोनों आरोपियों के बारे में किसी तरह से कोई सुराग नहीं मिल पाया है। फरारी के दौरान आरोपी अपने बचाव के लिए सभी तरह के हथकंडे तथा कानूनी दांव पेंच अजमा चुके हैं।

हरिभूमि फॉलोअप

खास बातें

- दोनों भाइयों की गिरफ्तारी के लिए एसएसपी ने इनाम घोषित किया है
- आरोपी अपने बचाव के लिए सभी तरह के हथकंडे तथा कानूनी दांव पेंच अजमा चुके हैं

सूदखोर तोमर भाई कर्जदारों से दैनिक और साप्ताहिक के साथ मासिक उगाही करते थे

फरारी के दौरान कोर्ट में चालान

तोमर भाइयों के फरारी के दौरान पुरानी बस्ती थाने की पुलिस ने दो माह पूर्व कोर्ट में 22 सौ पन्नों का चालान पेश किया है। कोर्ट में पेश चालान में पुलिस ने शुभ्रा सिंह तोमर, भावना तोमर, दिव्यांश सिंह, बंटी सहारे और जीतेंद्र देवांगन को आरोपी बनाया है। वीरेंद्र तथा रोहित तोमर को फरार बताया गया है। इसीलिए पहली चार्जशीट में वीरेंद्र तथा रोहित का किसी तरह से उल्लेख नहीं है।

एक माह में सात एफआईआर

रोहित तोमर के खिलाफ जून को तेलीबांधा थाना में पहली एफआईआर मारपीट की दर्ज हुई है। प्रापर्टी डीलर दसमीत चावला ने रोहित के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसके बाद पुरानी बस्ती थाने में दोनों भाइयों के खिलाफ छह एफआईआर दर्ज की गई हैं। इस तरह पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर दोनों सूदखोर भाइयों के खिलाफ एक माह के भीतर सात एफआईआर दर्ज की। तोमर भाइयों के घर छापे के दौरान पुलिस ने 35 लाख कैश, 70 तोला सोना, 125 ग्राम चांदी जब्त की है। साथ ही चार महंगी गाड़ियां पुलिस ने जब्त की है।

पुलिस का यह कैसा सर्विलांस सिस्टम

हाईटेक ठगी सहित गंभीर अपराध को रिस्पांस टाइम में सुलझा लेने वाली पुलिस को रोहित तथा वीरेंद्र तोमर लगातार चुनौती दे रहे हैं। दोनों सूदखोर भाइयों के आगे पुलिस का सर्विलांस सिस्टम नाकारा साबित हो रहा है। नार्थ-ईस्ट जैसे जटिल राज्यों से अपराधी को गिरफ्तार कर लाने वाली राजधानी की हाईटेक, स्मार्ट पुलिस आखिर क्यों तोमर भाइयों को गिरफ्तार करने में असफल साबित हो रही है, इसे लेकर लोग पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर रहे हैं।

रोहित की पत्नी सहित तोमर परिवार के अन्य सदस्यों को हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने रायपुर में ब्लैकमेलिंग और सूदखोरी के केस में हिस्ट्रीशीटर रोहित तोमर की पत्नी सहित परिवार के अन्य सदस्यों को अग्रिम जमानत दे दी है। याचिका में आरोप लगाया गया था कि साधारण मारपीट के केस पर पुलिस आर्गेनाइज क्राइम में परिवार को फंसा रही है। दरअसल, रायपुर के तेलीबांधा और पुरानी बस्ती थाने में वीरेंद्र तोमर और उसके भाई रोहित तोमर पर एक्सटॉर्शन और सूदखोरी का केस दर्ज किया गया है। मामले में जब पुलिस ने उनके घर में दबिश दी थी, तब कैश, चेक और जमीनों के दस्तावेज मिले थे। पुलिस ने जांच के बाद दावा कि मामला आर्गेनाइज क्राइम से जुड़ा हुआ है। लिहाजा, पुलिस ने तोमर बंधुओं के खिलाफ अलग-अलग 7 एफआईआर दर्ज कर सख्ती से कार्रवाई शुरू कर दी। फरार रोहित तोमर को जब पुलिस ने पकड़ नहीं पाई, तब उसकी पत्नी भावना तोमर को हिरासत में लिया गया। इसके खिलाफ व परिवार के सदस्यों की तरफ से हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। इसमें कहा गया कि साधारण मारपीट के केस को पुलिस ने आर्गेनाइज क्राइम बना दिया है। इस मामले में ⏭ शेष पेज 13 पर

जुआ विवाद पर बड़े भाई के सामने छोटे भाई को मारा चाकू, अस्पताल में मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खम्हारडीह थाना क्षेत्र के कचना हाउसिंग बोर्ड बीएसयूपी कालोनी में रहने वाले एक युवक की बदमाश ने चाकू मारकर हत्या कर दी। हत्या का कारण जुआ विवाद में पैसों की जीत हार को लेकर बताया जा रहा है।

युवक की हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना रविवार शाम छह बजे की है। एक अन्य घटना में विधानसभा थाना क्षेत्र में बाइक सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने युवक पर चाकू से हमला कर मोबाइल लूट लिया। ⏭ शेष पेज 13 पर

जीतने के बाद जुआ फड़ छोड़ने से नाराज था

स्थानीय रहवासियों ने पुलिस को बताया है कि घटना दिनांक को सार्वजनिक मंच के पास विवेक तांडी, उसका भाई सुमीत और कृष्णा देवार सहित कुछ युवक जुआ खेल रहे थे। खेल के दौरान विवेक ने पैसे जीते, तो दोनों भाई जुआ की फड़ से उठकर घर की ओर चले गए। इसी दौरान कृष्णा देवार अपनी बाइक पर पहुंचा और दोनों भाइयों से दोबारा जुआ खेलने चलने दबाव बनाया। मना करने पर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। झगड़े के बीच कृष्णा ने चाकू से विवेक पर हमला करने की कोशिश की। विवेक ने चाकू छीनकर कृष्णा की ठोड़ी और हाथ में वार किया, इस दौरान कृष्णा ने फिर चाकू छीन लिया और विवेक के पेट में कई वार कर दिए। बीच-बचाव करने आए सुमित को भी कृष्णा ने हाथ में चाकू मारकर घायल कर दिया।

मोबाइल देने से इनकार करने पर चाकू से हमला

कोरबा से इस्पात कंपनी में काम करने आए एक युवक पर बाइक सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने चाकू से हमला कर घायल कर दिया है। पुलिस के अनुसार सत्यपाल सिंह कंवर राशन सामान लेने बाजार गया था। इस दौरान वह मोबाइल से किसी से बात कर रहा था। बाइक सवार तीन युवक सत्यपाल से पता पूछने के बहाने रुके। इसके बाद किसी से बात करने युवक सत्यपाल को अपना मोबाइल देने कहा। इनकार करने पर बदमाश ने सत्यपाल पर चाकू से हमला कर मोबाइल लूटा और मौके से फरार हो गए।

म्यूनिसिपल बांड में एसटीपी का टर्शरी प्लांट या सोलर प्रोजेक्ट की लिस्टिंग, निर्णय जल्द

- क्रिस्टल आर्किड के पास 60 करोड़ का कमर्शियल कांप्लेक्स प्रोजेक्ट पहले से फाइनल
- 100 करोड़ का बांड जारी करने पर प्रोत्साहन के रूप में मिलेंगे 13 करोड़ रुपए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर नगर निगम के 100 करोड़ के म्यूनिसिपल बांड में एसटीपी का टर्शरी प्लांट या सोलर प्लांट को प्रोजेक्ट में शामिल किया जा सकता है। इसे म्यूनिसिपल बांड के लिए सूचीबद्ध करने पर विचार चल रहा है, जल्द ही यह प्रोजेक्ट फाइनल होगा। प्लान के मुताबिक म्यूनिसिपल बांड का पहला प्रोजेक्ट शंकर नगर के क्रिस्टल आर्किड के पास 60 करोड़ की लागत से प्रस्तावित बहुमंजिला व्यावसायिक परिसर का निर्माण कराना है। इस प्रोजेक्ट को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है। अब दूसरे प्लान के रूप में खारुन नदी में 17 नाले-नालियों से मिलने वाले गंदे पानी के शुद्धिकरण के लिए लगाया गया एसटीपी का टर्शरी प्लांट के प्रोजेक्ट को लिया जा सकता है। 100 करोड़ रुपए का बांड जारी करने पर नगर निगम को अमृत योजना के तहत केंद्रीय शहरी मंत्रालय से प्रोत्साहन के रूप में 13 करोड़ रुपए की राशि मिलेगी।

रायपुर नगर निगम म्यूनिसिपल बांड जारी करने वाला छत्तीसगढ़ का पहला निकाय बनने जा रहा है, जबकि म्यूनिसिपल बांड जारी करने के मामले में देश का यह 12वां नगर निगम होगा, जिसने अपने आय के स्त्रोत बढ़ाने बांड को जरिया बनाया। म्यूनिसिपल बांड के लिए रायपुर को अनुमति मिलने से पहले इंदौर, राजकोट, अहमदाबाद, पुणे, पिंपरी चिंचवाड़, लखनऊ जैसे नगर निगम म्यूनिसिपल बांड जारी कर चुके हैं। विदित हो, राज्य शासन ने आय-व्यय की आडिट रिपोर्ट के आधार पर रायपुर नगर निगम को म्यूनिसिपल बांड बेचने की अनुमति 4 शर्तों के तहत दी है। प्रक्रिया में नगर निगम को हर 3 माह में सेबी के आडिट नियमों ⏭ शेष पेज 13 पर

इंस्ट्रीट्यूशनल बांड आम जनता नहीं कर पाएगी निवेश

प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि 100 करोड़ का म्यूनिसिपल बांड सिर्फ इंस्टिट्यूशनल बांड होगा जो कि केवल बांड में पैसा लगाने वाली कंपनियों को ही जारी करना है। आम लोगों के लिए यह म्यूनिसिपल बांड नहीं है।

सोलर या एसटीपी का टर्शरी प्लांट

म्यूनिसिपल बांड में शंकर नगर के क्रिस्टल आर्किड के पास बहुमंजिला कमर्शियल कांप्लेक्स प्रोजेक्ट फाइनल हो चुका है, दूसरे प्रोजेक्ट के रूप में एसटीपी का टर्शरी प्लांट या सोलर प्लांट पर विचार चल रहा है। इस पर निर्णय होते ही बांड जारी कर पैसा लेंगे।
- अंशुल शर्मा जूनियर, कार्यपालन अभियंता, नगर निगम रायपुर

मौसम में शुष्कता आने से तापमान में गिरावट शुरू रात में महसूस होगी ठंड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बादलों की मात्रा में कमी आने के बाद न्यूनतम तापमान में गिरावट होने लगी है, जिससे रात में ठंड महसूस होने लगी है। माना जा रहा है कि वातावरण में शुष्कता बढ़ने से बढ़ती ठंड महसूस होगी। पिछले चौबीस घंटे में राज्य में सबसे कम तापमान अंबिकापुर का रिकार्ड किया गया। वहीं सबसे अधिक तापमान दुर्ग, माना एवं राजनांदगांव का दर्ज किया गया।

- अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 16 से नीचे उतरा

राज्य के वातावरण में अभी पचास फीसदी से ज्यादा नमी है। दिन में धूप तेज होने के बाद यह आसमान में जाकर बादल का रूप ले रही है। सोमवार को दिन में तेज धूप थी, मगर शाम होने के बाद मौसम में बदलाव हुआ। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक चौबीस घंटे में रात के तापमान में थोड़ी गिरावट आई है, जिससे थोड़ी ठंड महसूस हुई है। आने वाले दिनों में मौसम में शुष्कता बढ़ने की उम्मीद है, जिसके बाद ठंड का प्रभाव और नजर आने की संभावना है। पिछले चौबीस घंटे में उत्तरी इलाके में ठंड का असर महसूस हुआ। अंबिकापुर और पेंड्रा जैसे इलाके में तापमान 16-17 डिग्री सेल्सियस के करीब रिकार्ड किया गया। वहीं दिन में दुर्ग, माना और राजनांदगांव का 32.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। अगले चौबीस घंटे में रात में ठंडकता का असर और बढ़ने की संभावना है।

स्कूलों को भेजे गए अकादमिक परफॉर्मेंस कार्ड इसके आधार पर वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी

स्कूलों का डेटा-आधारित मूल्यांकन, विषयवार बताई गई स्थिति

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने सत्र 2024–25 के लिए सभी संबद्ध स्कूलों का स्कूल अकादमिक परफॉर्मेंस रिपोर्ट कार्ड जारी कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, यह बोर्ड की ओर से पहली बार उठाया गया कदम है, जिसका उद्देश्य स्कूलों में डेटा-आधारित आत्ममूल्यांकन और साक्ष्य-आधारित अकादमिक योजना को बढ़ावा देना है। यह रिपोर्ट कार्ड कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में स्कूल के प्रदर्शन का विस्तृत विश्लेषण प्रदान करता है। इसमें प्रत्येक स्कूल के शैक्षणिक परिणामों की तुलना राज्य स्तर और संपूर्ण सीबीएसई बोर्ड औसत के साथ की गई है, ताकि स्कूल अपने मजबूत और सुधार योग्य क्षेत्रों की पहचान कर सकें।

- प्रत्येक स्कूल के शैक्षणिक परिणामों की तुलना राज्य स्तर पर

सीबीएसई के मुताबिक, यह रिपोर्ट स्कूलों को विषयवार प्रदर्शन की स्थिति बताने के साथ-साथ लड़के और लड़कियों के परिणामों के बीच के रुझानों को भी दर्शाती है। इससे स्कूलों को लैंगिक समानता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने में मदद मिलेगी। इस रिपोर्ट में न केवल शैक्षणिक उपलब्धियों बल्कि खेलकूद और अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियों में छात्रों स्कूल स्तर पर भागीदारी और प्रदर्शन को भी शामिल किया गया है। इसमें क्लस्टर और जोन स्तर पर प्राप्त उपलब्धियों की तुलना भी की गई है। परिणामों को बेहतर बनाने के लिए संभावनाओं का पता चलेगा।

विद्यालय करेंगे विश्लेषण

बोर्ड ने स्पष्ट किया कि इस पहल का उद्देश्य स्कूलों को उपयोगी और क्रियात्मक जानकारियां उपलब्ध कराना है, जिससे वे निरंतर सुधार और छात्रों के सीखने के परिणामों को बेहतर बना सकें। सीबीएसई ने सभी स्कूलों को सलाह दी है कि वे अपनी रिपोर्ट कार्ड का सावधानीपूर्वक विश्लेषण करें, प्रमुख फोकस क्षेत्रों की पहचान करें और निष्कर्षों को अपने वार्षिक शैक्षणिक योजनाओं में शामिल करें। प्राचार्य अपने-अपने स्कूल की रिपोर्ट कार्ड को सीबीएसई स्कूल लॉगिन पोर्टल पर अपने क्रेडेंशियल्स का उपयोग करके डाउनलोड कर सकेंगे।

12 दिनों में पूर्ण होगा मूल्यांकन

बोर्ड ने पहली बार परीक्षा से 110 दिन पहले डेटशीट जारी कर दी है। इसके साथ ही बोर्ड ने बताया कि पहली बार किसी विषय की परीक्षा पूरी होने के 10 दिन बाद मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। मूल्यांकन शुरू होने के बाद अगले 12 दिनों में इसे पूरा कर लिया जाएगा। उदाहरण के तौर पर 12वीं कक्षा में भौतिकी विषय की परीक्षा 20 फरवरी को तय है। ऐसे में इस विषय की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन तीन मार्च से शुरू होगा और 15 मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा। बोर्ड का कहना है कि पर्याप्त समय पूर्व समय-सारिणी जारी करने से छात्रों, अभिभावकों के साथ स्कूल प्रबंधन को भी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी का पूरा मौका मिलेगा।

राज्योत्सव स्थल के लिए 2 दिन निःशुल्क बस सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानीवासियों के लिए एक राहत भरी खबर है। शहर के आधा दर्जन इलाकों से नवा रायपुर के राज्योत्सव स्थल तक आने-जाने निःशुल्क बस सेवा की व्यवस्था रहेगी। 4 और 5 नवंबर को राज्य शासन के निर्देश पर आम नागरिकों को शहर से राज्योत्सव स्थल ले जाने और वापस लाने बस की सुविधा मिलेगी। इसके लिए लोगों को किसी प्रकार का बस किराया नहीं देना होगा। 5 नवंबर को शहरवासी भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एयरोबेटिक टीम के एयर शो का राज्योत्सव स्थल पहुंचकर भरपूर आनंद ले पाएंगे।

लोगों की सुविधा के लिए रायपुर रेलवे स्टेशन, भाठागांव बसस्टैण्ड, तेलीबांधा चौक, पचपेड़ीनाका, साइंस कॉलेज, कालीबाड़ी चौक से 4 एवं 5 नवम्बर को सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक निःशुल्क बस की व्यवस्था रहेगी।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

राज्यपाल को शिक्षा मंत्री ने दी योजनाओं की जानकारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका से सोमवार को राजभवन में स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने सौजन्य भेंट की। यह मुलाकात शिष्टाचार भेंट के रूप में हुई, जिसमें राज्य के शिक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान मंत्री गजेन्द्र यादव ने राज्यपाल को स्कूल शिक्षा विभाग की चल रही योजनाओं और नई पहल की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, डिजिटल लर्निंग और शिक्षक प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही, ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों तक शैक्षणिक संसाधन पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। राज्यपाल रमेन डेका ने मंत्री यादव को शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही किसी राज्य की प्रगति की नींव होती है और सरकार के प्रयासों से छत्तीसगढ़ के बच्चों को बेहतर भविष्य मिलेगा। भेंट के दौरान दोनों के बीच शिक्षा सुधार, विद्यालयीन संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण और छात्र कल्याण कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई।

रमन बोले- शीतकालीन सत्र के पहले दिन पुराने भवन में होगी विदाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने जानकारी दी है कि आगामी शीतकालीन सत्र दिसंबर के दूसरे सप्ताह में नए

विधानसभा भवन में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सत्र से सदन की कार्यवाही नए भवन में ही चलेगी। उन्होंने कहा, सत्र की शुरुआत के पहले दिन पुराने विधानसभा भवन में एक विदाई सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें अब तक की संसदीय परंपराओं, ऐतिहासिक योगदानों और यादों को सम्मानपूर्वक संजोया जा सके। पुराने विधानसभा भवन की उपयोगिता के सवाल पर डॉ. रमन ने कहा, भवन को किसी नेशनल रिसर्च इंस्टिट्यूट को दिया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह राज्य सरकार की संपत्ति है और अंतिम निर्णय वही लेगी।

नियद नेल्लानार योजना का क्षेत्रफल बढ़ाया : साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मीडिया से बातचीत के दौरान नियद नेल्लानार और प्रदेशभर में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बड़ी बात कही है। नियद नेल्लानार योजना का क्षेत्रफल अब बढ़ा दिया गया है। सुरक्षा कैंप से अब सिर्फ 5 किलोमीटर नहीं, बल्कि 10 किलोमीटर तक के क्षेत्र का विकास होगा। इसके साथ ही उन्होंने बड़ा बयान देते हुए कहा कि नक्सलवाद खत्म कर देना बड़ी बात नहीं है। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पर चर्चा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में हम एसआईआर का स्वागत करते हैं।

राज्योत्सव के बाद सीएम साय का धुंआधार दौरा, 6 को नुआपाड़ा, 10, 11 को जाएंगे गुजरात

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

खास खबर

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय नुआपाड़ा (ओडिशा) में हो रहे उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में सभा करने के लिए 6 नवंबर को जाएंगे। मुख्यमंत्री साय रायपुर से हेलीकाप्टर द्वारा नुआपाड़ा विधानसभा जाएंगे और वहां पर सभा करने के बाद वापस आएंगे।

प्रदेश के कुछ नेता भी वहां पर भाजपा प्रत्याशी के प्रचार प्रसार के लिए जुटे हुए हैं। बिहार में हो रहे विधानसभा चुनाव के साथ ही नुआपाड़ा में 11 नवंबर को उपचुनाव हो रहा है। यहां से भाजपा के प्रत्याशी जय ढोलकिया चुनाव लड़ रहे हैं। बीजेडी से स्नेहंगिनी छुरिया और कांग्रेस से घसियाराम माझी जैसे प्रमुख दलों के उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। अन्य प्रमुख दलों से रमाकांत हाटी (समाजवादी पार्टी), हेमंत तांडी (बहुजन मुक्ति पार्टी) और शुकाधर डड़सेना (ओडिशा जनता दल) भी चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव जीतने के लिए भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। ओडिशा में इस समय भाजपा की सरकार है।

साय की होगी सभा

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने बिहार और ओडिशा में हो रहे उपचुनाव के लिए छत्तीसगढ़ के नेताओं की भी जिम्मेदारी तय की है। एक तरफ जहां बिहार में भारी संख्या में भाजपा के नेता डटे हुए हैं, वहीं ओडिशा के उपचुनाव को भी भाजपा गंभीरता से ले रही है। ओडिशा में प्रचार करने के लिए भाजपा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की भी वहां पर सभा करने का फैसला किया है। श्री साय 6 नवंबर को वहां पर सभा लेने के लिए रायपुर से हेलीकॉप्टर द्वारा जाएंगे। श्री साय सभा लेने के बाद रायपुर लौटेंगे।

गुजरात के इनवेस्टर कनेक्ट में होंगे शामिल

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 10 और 11 नवंबर को गुजरात प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे अहमदाबाद में इनवेस्टर कनेक्ट में शामिल होंगे और स्टेचू आफ लिबर्टी में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। बताया गया है कि मुख्यमंत्री 10 नवंबर को गुजरात पंहुचेंगे। इस दौरान वहां स्टेचू आफ लिबर्टी में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद अगले दिन 11 तारीख को वे अहमदाबाद में होने वाले छत्तीसगढ़ सरकार के इनवेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम पूर्व में जुलाई अगस्त में संभावित था, लेकिन अपरिहार्य कारणों से यह नहीं हो पाया था। अब यह कार्यक्रम 11 तारीख को होगा।

बड़े उद्योगपतियों से वन टू वन

बताया गया है कि इनवेस्टर कनेक्ट के अंतगर्त ही वे गुजरात में बड़े उद्योगपतियों के साथ वन-टू वन मुलाकात करेंगे। इनवेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम राज्य में औद्योगिक निवेश बढ़ाने के सिलसिले में है। मुख्यमंत्री वहां बताएंगे कि छत्तीसगढ़ के औद्योगिक क्षेत्र में किस प्रकार के उद्योगों के लिए व्यापक संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री यहां छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति के प्रावधानों की जानकारी भी देंगे और निवेशकों के लिए दी जा रही सहूलियतों के बारे में बारे बताएंगे। मुख्यमंत्री की कोशिश होगी कि वे यहां अधिक से अधिक निवेश आमंत्रित कर सकें।

जिला खाद्य अधिकारी ने उचित मूल्य दुकानों के संचालकों की बैठक लेकर दी हिदायत

एंट्री कर राशन कार्ड जमा करने पर दुकान होगी सस्पेंड, गड़बड़ी मिलने पर खाद्य विभाग सख्त

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा के औचक निरीक्षण में कुछ उचित मूल्य की दुकानों में मिली गड़बड़ी के बाद जिला खाद्य विभाग ने अब दुकानदारों पर सख्ती करना शुरू कर दिया है। इस संबंध में खाद्य नियंत्रक भूपेंद्र मिश्रा ने रायपुर नगर निगम एवं बिरगांव नगर निगम क्षेत्र में संचालित राशन दुकानों का संचालन कर रही समितियों के प्रबंधक एवं विक्रेताओं की बैठक ली। रेडक्रास भवन में आयोजित बैठक में उन्होंने सभी को दो टूक कहा कि किसी भी दुकान में राशन कार्ड जमा किए पाए गए, तो उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि एक दुकान में हाल ही में एंट्री कराकर डेढ़ सौ से अधिक राशन कार्ड जमा पाए गए हैं। इस दुकान को सस्पेंड किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह गलती कोई भी दुकानदार करेगा, तो उसकी दुकान भी सस्पेंड की जाएगी।

- निरीक्षण में उचित मूल्य की दुकानों में मिली गड़बड़ी के बाद दिए सख्त निर्देश

जोरा की दुकान में जमा मिले थे डेढ़ सौ से अधिक राशन कार्ड

छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष के औचक निरीक्षण के दौरान जोरा स्थित 442001026 आईडी नंबर की शासकीय राशन दुकान में डेढ़ सौ हितग्राहियों के कार्ड जमा मिले थे। इन कार्डों के धारकों की ईपॉस मशीन में एंट्री कराने के बाद संचालक ने अपने दुकान में ही जमा कर रखा था। इस दुकान में 100 क्विंटल चावल का स्टॉक भी कम पाया गया था। इसके अलावा एक दुकान में 950 क्विंटल चावल एवं एक दुकान में 250 क्विंटल चावल कम पाया गया था। इसके अलावा एक दुकान बंद भी पाई गई थी। आयोग के अध्यक्ष ने निरीक्षण में पाई गई गड़बड़ियों को लेकर विभाग को इससे अवगत कराकर इन दुकानों के विरुद्ध कार्रवाई करने के साथ इस तरह की गड़बड़ियों पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए हैं।

गड़बड़ियों पर अंकुश लगाने विभाग ने संचालकों की बुलाई बैठक

उचित मूल्य की दुकानों में इस तरह की गड़बड़ियों पर अंकुश लगाने के लिए विभागीय अधिकारी ने दुकानदारों की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में सभी दुकानदारों को समय पर दुकान खोलने एवं बंद करने, वितरण करने, भंडारण की प्राप्ति लेने तथा एंट्री कराकर राशन कार्ड जमा नहीं करने के निर्देश दिए, साथ ही गड़बड़ी करने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई करने की चेतावनी दी।

स्टॉक शॉर्टेज मिलने पर एफआईआर

बैठक में अधिकारी ने दुकानदारों को यह भी कहा कि जांच में अगर स्टॉक शॉर्टेज मिला तो उसके विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन दुकानदारों ने पिछला शॉर्टेज चावल, शक्कर एवं नमक के बदले राशि जमा नहीं कराई है, वे जल्द से जल्द कर ले, नहीं तो उनके विरुद्ध एफआईआर कराई जाएगी।

दुकानों को सस्पेंड करेंगे

एंट्री कराकर कार्ड जमा कराने एवं स्टॉक कम पाए जाने के मामले में जोरा सहित अन्य राशन दुकानों को सस्पेंड करेंगे। बैठक में सभी दुकानदारों को निर्देश दिए गए हैं किसी भी दुकान में इस तरह की गड़बड़ी मिलेगी तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

- भूपेंद्र मिश्रा
खाद्य नियंत्रक, रायपुर

एसआईआर पर कल भाजपा की बड़ी बैठक, आएंगे शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री सभी मंत्री, विधायक, सांसद भी रहेंगे

- बैठक में सभी जिलों के अध्यक्ष भी बुलाए गए, देंगे नियम, कानून की पूरी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

प्रदेश में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची का विशेष गहन परीक्षण (एसआईआर) का प्रारंभ मंगलवार से किया जा रहा है। ऐसे में प्रदेश के भाजपा संगठन ने बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में एक बड़ी बैठक रखी है। इसमें भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश रहेंगे।

बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश के सभी मंत्री, विधायक, सांसदों के साथ ही सभी जिलों के अध्यक्ष बुलाए गए हैं। सभी को एसआईआर के नियम और कानून की जानकारी दी जाएगी। बैठक का मकसद जहां एक तरफ जनता की एसआईआर को लेकर मदद करना है, वहीं कांग्रेस पर हमला करने की रणनीति भी बनाना है। भाजपा के प्रदेश महामंत्री नवीन मार्कंडेय का कहना है, कांग्रेस एसआईआर के मामले में भ्रम फैलाने का काम कर रही है। उसके झूठ को जनता के बीच उजागर करने के लिए सभी को मार्गदर्शन दिया जाएगा। देश के एक दर्जन राज्यों में एसआईआर चुनाव आयोग द्वारा करवाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में भी इसको लेकर प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इस मामले में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने फैसला किया है कि जनता को एसआईआर को लेकर मदद की जाए। ऐसे में राज्यों में राज्य संगठनों की बैठक की जा रही है। इन बैठकों में राष्ट्रीय नेता आकर एसआईआर के बारे में पूरी जानकारी दे रहे हैं। रायपुर में पांच नवंबर को होने वाली बैठक में जानकारी देने का जिम्मा भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री और प्रदेश के संगठन प्रभारी शिव प्रकाश को दिया गया है। वे पांच नवंबर की सुबह को दिल्ली से रायपुर पहुंचेंगे और यहां पर बैठक लेंगे।

इनको बैठक में बुलाया

बैठक के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, सभी मंत्री, सारे विधायक और सांसदों के साथ भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, संगठन महामंत्री पवन साय सहित प्रदेश के सभी पदाधिकारी और भाजपा के 36 संगठन जिलों के अध्यक्षों को बुलाया गया है। सभी जो एसआईआर के बारे में विस्तार से बताया जाएगा, ताकि वे इसके बारे में खुद जान सके ताकि जनता की इस मामले में मदद कर सके। इसी के साथ इस मामले में कांग्रेस जो बात कर रही है, उनको लेकर शिव प्रकाश के साथ प्रदेश के नेताओं का मार्गदर्शन मिलेगा कि किस तरह से कांग्रेस द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम का खुलासा जनता के सामने करना है, ताकि जनता में कोई भ्रम न रहे।

धान खरीदी के लिए मार्कफेड ले रहा तैयारियों का जायजा

सभी सोसाइटियों में 15 नवंबर से होगी खरीदी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से राज्य में धान खरीदी का आगाज होगा। धान खरीदी को लेकर मार्कफेड अपनी ओर से तैयारी कर रहा है। धान खरीदी के लिए सभी सोसाइटियों में आवश्यक साधनों और सामाग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। सभी सोसाइटी में पंजीकृत किसानों से ही खरीदी की जाएगी। समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के लिए कृषकों का पंजीयन, बारदाना व्यवस्था, पीडीएस बारदानों का एकत्रीकरण, मिलर्स के पास उपलब्ध पुराने बारदानों का सत्यापन, उपार्जन केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए आवश्यक तैयारी शुरू हो गई है। कांटा-बांट का सत्यापन, एफएक्यू के मापदण्ड अनुसार धान की खरीदी, उपार्जन केन्द्रों में धान के उप किस्मों के पृथक स्टैकिंग कराना, पुराने धान की पहचान एवं उपयोग को रोकना। संवेदनशील खरीदी केन्द्रों का

चिन्हांकन, संवेदनशील एवं अति संवेदनशील केन्द्रों में धान उपार्जन, समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की मॉनिटरिंग। कस्टम मिलर्स के कार्य की सतत निगरानी, कोचियों एवं बिचौलियों द्वारा अवैध धान खपाने की गतिविधि पर रोक। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

इलेक्ट्रॉनिक तराजू से धान खरीदी

सभी केन्द्रों में कम्प्यूटर, प्रिंटर, यूपीएस, इंटरनेट सुविधा, 'बायोमेट्रिक', 'मोष्चर मीटर' की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाये। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक तराजू से ही धान खरीदी किये जाने के निर्देश है। तथा सुरक्षा की दृष्टि से भण्डारण को 'डबल डेनेज' के लिए भी उन्होंने निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

'वोट चोर-गद्दी छोड़' अभियान, कांग्रेस ने 20 लाख से अधिक हस्ताक्षर भेजे दिल्ली

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने भाजपा पर वोट चोरी के आरोपों को लेकर चलाए जा रहे 'वोट चोर-गद्दी छोड़' अभियान को नए चरण में पहुंचा दिया है। प्रदेशभर से जुटाए गए करीब साढ़े 20 लाख से अधिक हस्ताक्षर फॉर्म दिल्ली रवाना किए गए। कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने वाहन को हरी झंडी दिखाकर हस्ताक्षर अभियान के दस्तावेज दिल्ली भेजे। पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने

कहा, भाजपा ने "वोट चोरी कर सत्ता हथियाने का खेल" रचा है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने देश के सामने यह उजागर किया कि भाजपा और चुनाव आयोग के बीच गठजोड़ है। बैज ने मांग की कि बीएलओ को घर-घर जाकर मतदाता सूची की जांच करनी चाहिए।

राज्योत्सव अब लूट का जरिया बन गया है : बैज

राज्योत्सव को लेकर दीपक बैज ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, राजधानी से 30 किलोमीटर दूर आयोजन कर जनता को राज्योत्सव से दूर रखा गया। न पानी की व्यवस्था है, न शौचालय की सुविधा। जिलों में भी यही हाल है। राज्योत्सव अब लूट और भ्रष्टाचार का जरिया बन चुका है।

मंत्री श्यामबिहारी पर कांग्रेस का पलटवार

मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के इस बयान पर कि प्रदेश की आबादी का 10 प्रतिशत भी हस्ताक्षर नहीं हुआ, दीपक बैज ने जवाब दिया कि भाजपा नेता अपना विभाग ठीक से संभाल नहीं पा रहे। अगर ध्यान देते, तो नकली दवाइयों की बिक्री नहीं होती और जनता को बेहतर इलाज मिल पाता। उन्होंने कहा, भाजपा के पास अब जनता के मुद्दों पर जवाब नहीं, इसलिए वह कांग्रेस के आंदोलनों पर बयानबाजी कर रही है।

पीएम आवास शहरी 2.0 के लिए 11 हजार 282 मकान मंजूर, गृह प्रवेश पर दिए जाएंगे 32 हजार 850 रुपए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकाय यानी शहरी क्षेत्रों में रहने वाले गरीब लोगों के लिए यह खबर सुकून देने वाली है। दरअसल राज्य में इन लोगों के लिए 11 हजार 282 आवास मंजूर कर लिए गए हैं। यही नहीं, जो लोग 18 महीने में खुद का मकान बनाकर गृह प्रवेश कर लेंगे, उन्हें मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना के तहत 32 हजार 850 रुपए उनके बैंक खाते में दिए जाएंगे।

Pradhan Mantri Awas Yojana - Urban 2.0

राज्य शहरी विकास अभिकरण सूडा ने इस संबंध में प्रदेश के सभी नगर निगम आयुक्त, सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका एवं नगर पंचायत को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के बीएलसी घटक के तहत ये आवास बनाए जाने हैं। राज्य स्तरीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति और केंद्रीय स्वीकृति और निगरानी समिति की बैठकों में बीएलसी घटक के तहत 141 परियोजनाओं में कुल 11 हजार 282 नवीन आवास निर्माण करने की स्वीकृति दी गई है। यानी ये मकान राज्य के 141 नगरीय निकाय क्षेत्र में बनाए जाने हैं। सभी के लिए स्वीकति 15 अक्टूबर के आसपास दी गई है। केंद्र देगा कितनी राशि, राज्य कितनीइस परियोजना के लिए केंद्र सरकार ने केंद्रांश के रूप में 16923 लाख रुपए मंजूर किए हैं। राज्य सरकार का अंश 11 282 लाख रुपए दिया जाएगा। इसी योजना के तहत मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना के तहत प्रति हितग्राही 32 हजार 850 रुपए के मान से राज्य सरकार 3706.137 लाख देगी।

सम्मान निधि के लिए ये करना होगा

मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना हेतु राशि पाने के लिए लाभार्थी आधारित निर्माण (बीएलसी) घटक अन्तर्गत ऐसे हितग्राही, जिनके द्वारा निर्धारित 18 माह की समय अवधि में अपने आवास का निर्माण पूर्ण करते हुए गृह प्रवेश किया जाएगा. उन्हें मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना अन्तर्गत राशि 32 हजार 850 प्रति आवास हितग्राहियों के खाते में सीधे हस्तांतरित की जावेगी। शर्त ये भी है कि आवंटित राशि का 70 प्रतिशत उपयोग के बाद निर्धारित प्रारूप में उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्रेषित किये जाने के बाद अनुदान की आगामी किस्त जारी की जावेगी।

ये हैं योजना के दिशा निर्देश

हितग्राहियों के आवास निर्माण के लिए भवन अनुज्ञा केवल नगरीय निकायों द्वारा जारी किया जाएगा एवं इसकी एक प्रति राज्य शहरी विकास अभिकरण में प्रेषित किया जाना अनिवार्य होगा अन्यथा योजना अंतर्गत राशि जारी नहीं की जावेगी। भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप हितग्राही 30 वर्ग मीटर से 45 वर्ग मीटर के कारपेट क्षेत्रफल का आवास निर्माण करने हेतु सक्षम होगा। नगरीय निकाय द्वारा प्रदान किये जाने वाले भवन अनुज्ञा में प्रस्तावित आवास का कारपेट क्षेत्रफल दर्ज किया जावेगा। हितग्राही को भवन अनुन्ना में दर्ज कारपेट क्षेत्रफल अनुसार निर्माण किया जाना अनिवार्य होगा। . मिशन की मार्गदर्शिका अनुसार 5A फार्म के अनुकूल हितग्राहियों का जातिगत आधार पर वर्गीकरण (अजजा,अजा, अपिव,सामान्य) किया जाएगा।

कब-कब मिलेगी कितनी राशि

इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए प्रथम किश्त की राशि आपको एसएनए-स्पर्श के माध्यम से प्रदान की जाएगी। . हितग्राहियों को अनुदान के रूप में प्रति आवास कुल राशि रू. 2.50 लाख (केन्द्रांश 1.50 लाख + राज्यांश 1.00 लाख) उनके आवासों की प्रगति अनुसार चार किस्तों में जारी किया जाएगा फाउण्डेशन स्तर पर 63,हजार रुपए, लिंटल स्तर पर 37 हजार, रूफ स्तर पर 65 हजार, पूर्ण स्तर पर 35 हजार दिए जाएंगे।

समक्ष श्रीमान पब्लिक नोटरी, रायपुर छ.ग.
शपथ पत्र

मैं मुकेश कुमार सेठ, उम्र 48 वर्ष, पिता- दिनेश प्रसाद सेठ, निवासी- गांधी नगर, मुर्रा भट्ठी, गुढ़ियारी, रायपुर छ.ग. निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूं :-

1. यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य एवं सही है।
2. यह कि, मेरे नाम से एचडीएफसी लाईफ पालिसी है जिसका पालिसी क्र. 14603455 है उक्त पालिसी में मेरा नाम MUKESH KUMAR दर्ज है जबकि मेरे आधार कार्ड क्र. 8902 7795 8785 मे मेरा नाम MUKESH KUMAR SETH दर्ज है।
3. यह कि, MUKESH KUMAR एवं MUKESH KUMAR SETH ये दोनो नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे स्वयं के नाम है इन दोनो नाम के संबंध में भविष्य में किसी प्रकार की वाद विवाद की स्थिति में मैं स्वयं जिम्मेदार रहूंगा।
4. यह कि यह शपथ पत्र उपरोक्त कथनो के समर्थन में सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है।

सत्यापन :-

मैं शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूं कि शपथ पत्र की कंडिका 1 से लेकर 4 तक के कथन मेरी जानकारी में सत्य एवं सही है जिसे मैंने आज दिनांक को पढकर, सही होना पाकर सत्यापित किया।

रायपुर छ.ग.
दिनांक :- 01/11/2025

शपथकर्ता
मुकेश कुमार सेठ

// ईश्तहार //

पत्र क्रं /24905/ न. पा. नि. जोन क्रं 10/2025
नामांतरण प्र.क्र. 24905

रायपुर, दिनांक 31-10-2025

वार्ड का नाम- 54,कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR652R00034 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती HIRADHAR SAHU पिता / पति श्री/श्रीमती GHASIYA RAM SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती LOKESH KUMAR PANDEY पिता/पति श्री/श्रीमती RAVI SHANKER PANDEY ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"

श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर) जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुख्यमंत्री को बृजमोहन का पत्र, एयर शो के लिए रायपुर से निःशुल्क बस सेवा की मांग

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखाकर 5 नवंबर को राज्य स्थापना के रजत जयंती अवसर पर आयोजित भारतीय वायुसेना के भव्य एयर शो में रायपुर शहर की आम जनता एवं विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क बस सेवा उपलब्ध कराने की मांग की है। ।

श्री अग्रवाल ने कहा, एयर शो का आयोजन नया रायपुर स्थित संेध लेक (सत्य सांई हॉस्पिटल के पास) में किया जा रहा है, जहां तक पहुंचने के लिए फिलहाल कोई नियमित सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध नहीं है। ऐसे में शहर की आम जनता एवं स्कूली बच्चों को

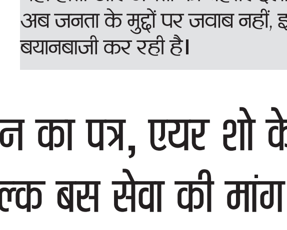

एयर शो स्थल तक पहुंचने में कठिनाई हो सकती है। उन्होंने आग्रह किया है कि रायपुर शहर के स्कूलों, कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों सहित आम नागरिकों के लिए नया रायपुर तक आने-जाने हेतु निःशुल्क बस सेवा की विशेष व्यवस्था की जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग भारतीय वायुसेना के शौर्य और कौशल का साक्षात अनुभव कर सकें।

खरीदारों को समय पर मिले मकान-फ्लैट : रेरा

रायपुर। छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने घर खरीदारों के हित में महत्वपूर्ण जानकारी जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि किसी परियोजना की विस्तार अवधि और आधिपत्य तिथि दोनों में अंतर होता है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

मलौद में देवउवनी एकादशी मनाई गई

सिलयारी। देवउठन की रात गौरी-गौरा पूजन व विवाह हुआ। रविवार को पारंपरिक बाजे- गाजे की धुन मे भव्य शोभायात्रा के साथ विसर्जन यात्रा निकली।इसमे मोहल्ले के लोगों ने परंपरानुसार भगवान शिव-पार्वती के विवाह की रस्मे निभाई। मलौद, बरतोरी, तरेसर गांवों गौरा-गौरी चौक धुम रही।इस देवउठनी एकादशी के पर्व , समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

रजत जयंती वर्ष पर 25 किमी की सायकिल यात्रा निकाली

अभनपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती वर्ष पर नवा रायपुर साइक्लिंग ग्रुप ने 25 किमी की साइक्लिंग यात्रा निकाली। इस दौरान साइकिल चालकों ने स्वस्थ छत्तीसगढ़, पर्यावरण संरक्षण और एकता का संदेश दिया। यात्रा सेक्टर-30 से शुरू होकर राज्योत्सव स्थल, होते हुए डहरिया चाय दुकान के पास एयरपोर्ट रोड तक गई और सेक्टर-27 में एक पेड़ मां के नाम लगाकर समाप्त हुई।कार्यक्रम का संचालन निर्मला और बिंदु द्वारा किया गया, जबकि पौधारोपण पर्यावरण संरक्षक पवन तिवारी ने किया। इस अवसर पर ज्योति, रश्मि, डॉ. वर प्रसाद कोला, नागनाथ सीआरपीएफ, संजय कदम बीएसएफ, तिजराम वर्मा, वीरा रेड्डी, अमित सहित कई सदस्य शामिल हुए।

समोदा में 5 को पुन्नी मेला की तैयारी

आरंग। महानदी के तट पर बसे नगर पंचायत समोदा में इस वर्ष भी पुन्नी मेला धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। मेला 5 नवम्बर को होगा, जिसमें रात्रि 10 बजे से छत्तीसगढ़ी नाचा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मेले से एक दिन पूर्व 4 नवम्बर को भव्य डीजे धुमाल शोभायात्रा के रूप में निकाला जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण और युवक-युवतियाँ शामिल होंगे। पूरे नगर में उल्लास और उत्साह का माहौल रहेगा। ग्राम सभा अध्यक्ष देवनारायण साहू ने बताया कि पुन्नी मेला समोदा क्षेत्र की पारंपरिक और सांस्कृतिक पहचान है। हर वर्ष की तरह इस बार भी मेला सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता का प्रतीक बनेगा।

सफाई सुपरवाइजरों की बैठक

रायपुर। नगर निगम जोन 8 जोन अध्यक्ष प्रीतम ठाकुर ने सोमवार को महोबाजार स्थितजोन कार्यालय में सफाई सुपरवाइजरों की बैठक ली। बैठक में जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल ,जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन सहित 7 वार्डों के सफाई सुपरवाईजर उपस्थित रहे।

ग्रामीण बैंक ने साक्षरता कार्यक्रम में डिजिटल पेमेंट की जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ धरसींवा

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, शाखा धरसींवा द्वारा नाबार्ड के सहयोग से ग्राम बरात नारा में एक वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों में बैंकिंग सेवाओं, वित्तीय योजनाओं तथा डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाखा प्रबंधक श्री नवीन शर्मा ने की। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को बताया कि आज के दौर में वित्तीय साक्षरता ग्रामीण विकास की नींव है। बैंकिंग सेवाओं जैसे जनधन खाता, किसान क्रेडिट कार्ड, स्वयं सहायता समूह , बीमा योजनाएं, तथा डिजिटल पेमेंट माध्यम आदि की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत उपस्थित जनों को भ्रष्टाचार के विरुद्ध सजग रहने, ईमानदारी एवं पारदर्शिता को जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया गया। बैंक अधिकारियों ने बताया कि डिजिटल लेनदेन करते समय OTP या बैंक डिटेल किसी से साझा न करने, फिशिंग कॉल से सावधान रहने, और सुरक्षित मोबाइल ऐप का ही उपयोग करने की सलाह दी। श्री नवीन शर्मा ने कहा कि "डिजिटल बैंकिंग से समय और श्रम दोनों की बचत होती है, लेकिन इसके साथ सतर्कता भी आवश्यक है। बैंक का उद्देश्य है कि प्रत्येक ग्रामीण परिवार वित्तीय रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बने। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, महिलाएं, स्व-सहायता समूह की सदस्याएं, तथा युवाओं ने भाग लिया और बैंक अधिकारियों से अपने सवाल पूछे। कार्यक्रम का संचालन इंदु फाउंडेशन ने किया तथा अंत में उपस्थित ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया गया।

आयोजन : रीवा परिक्षेत्र साहू समाज का शपथ ग्रहण सम्पन्न

समाज की उन्नति शिक्षा एवं एकता के साथ जिम्मेदारी से काम करने पर होगी : देवनाथ

हरिभूमि न्यूज ▸▸ आरंग

- नई जिम्मेदारियों के साथ सामूहिक प्रगति का संकल्प

रीवा परिक्षेत्र साहू समाज का शपथ ग्रहण समारोह सोमवार को ग्राम कुकरा में गरिमामय माहौल में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में देवनाथ साहू उपस्थित रहे तथा उन्होंने समाज में एकता, शिक्षा और संगठन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज की उन्नति तभी संभव है जब हम सब मिलकर आगे बढ़ने का संकल्प लें, किसी को पीछे न छोड़ें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हिरामन साहू ने नवचयनित पदाधिकारियों को जिम्मेदारियों के साथ पारदर्शिता एवं सेवा भाव से कार्य करने की प्रेरणा दी।

इस दौरान परिक्षेत्र के नवनिर्वाचित अध्यक्ष थानसिंग साहू ने शपथ ग्रहण करते हुए कहा मुझे जो विश्वास और दायित्व सौंपा गया है, उसे समाज के मान-सम्मान और हित में पूरी निष्ठा के साथ निभाऊंगा। संगठन के विस्तार, युवाओं को जोड़ने और सामाजिक कार्यक्रमों को गति देना मेरी प्राथमिकता रहेगी। समारोह के दौरान सामाजिक एकता और सामूहिक प्रगति का संकल्प दोहराया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि बतौर कृष्णा महेश साहू, सभापति-जनपद सदस्य आरंग, पद्मिनी साहू जनपद सदस्य आरंग, शुभांशु साहू जनपद सदस्य आरंग, प्रेमलाल साहू प्रशासनिक अधिकारी, सोहन लाल साहू पूर्व अध्यक्ष तहसील साहू संघ आरंग, फागुलाल साहू अध्यक्ष तहसील साहू संघ एवं समस्त पदाधिकारीगण, अविनाश साहू अध्यक्ष आरंग परिक्षेत्र, परसराम साहू अध्यक्ष समोदा परिक्षेत्र, नारायण साहू अध्यक्ष कोरासी, डॉ. गोविन्द साहू अध्यक्ष भानसोज परिक्षेत्र, डॉ. पुरुषोत्तम साहू अध्यक्ष नरदहा परिक्षेत्र, परमानंद साहू अध्यक्ष सेरीखेड़ी परिक्षेत्र, बलदाऊ साहू अध्यक्ष तामासिवनी परिक्षेत्र, अनिता थानसिंग साहू पूर्व सभापति जिला पंचायत रायपुर, हेमलता डोमेन्द्र साहू पूर्व अध्यक्ष जनपद पंचायत आरंग, घसियाराम साहू सरपंच ग्राम पंचायत रीवा, भेषणलाल साहू (गोविंदा) सरपंच ग्राम पंचायत भोथली, शांतिबाई (यशवंत साहू) सरपंच प्रतिनिधि कोटनी, राजेश साहू सरपंच ग्राम पंचायत कुहेरा, जितेन्द्र साहू सरपंच प्रतिनिधि ग्राम पंचायत सेंध, सकुन सियाराम साहू सरपंच ग्राम पंचायत कयाबांधा, जितेन्द्री लीलाराम साहू सरपंच ग्राम पंचायत कोसमखुंटा, नंदलाल डहरिया सरपंच ग्राम पंचायत कुकरा, सुरेश कुमार साहू उपसरपंच ग्राम पंचायत कुकरा सहित परिक्षेत्र के सभी पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

समाज की पहचान एकता से बनती है

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित पवन साहू ने अपने उद्बोधन में कहा समाज की पहचान उसकी एकता, शिक्षा और सामाजिक सहयोग से होती है। मीडिया सदैव सकारात्मक कार्यों को मंच प्रदान कर समाज को मजबूती देने का कार्य करता रहेगा। कार्यक्रम में रीवा परिक्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए प्रतिनिधियों, महिलाओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नवचयनित पदाधिकारियों का फूल माला व गुलाल लगाकर स्वागत किया गया। अंत में ग्राम कुकरा साहू समाज के अध्यक्ष शिरीष साहू ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों और उपस्थित समाजबंधुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा आप सबकी उपस्थिति और सहयोग ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया। हम सभी मिलकर समाज को नई ऊँचाइयों पर ले जाने का प्रयास जारी रखेंगे। कार्यक्रम का सफल संचालन समाज के वरिष्ठजनों एवं युवा टीम द्वारा किया गया।

खोरपा के छात्रों के माडल राज्य विज्ञान मेला के लिए चयनित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ अभनपुर

- हेमंत साहू ने स्वास्थ्य एवं सूरक्षा विषय पर मॉडल प्रस्तुत किया

शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय शंकरनगर रायपुर में जोन स्तरीय राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी एवं पश्चिम भारत विज्ञान मेला का आयोजन संपन्न हुआ। आयोजन में पीएमश्री सेजेस खोरपा के विद्यार्थियों ने भाग लेते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा 9 की कु. वेनू साहू ने सतत कृषि विषय पर, कक्षा 10 की कु. प्राची पटेल ने अपशिष्ट प्रबंधन पर, गोविंद पाल ने मनोरंजन गणितीय मॉडल पर तथा हेमंत साहू ने स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विषय पर मॉडल प्रस्तुत किया। दिव्यांग श्रेणी में कु. रेशमी पटेल एवं मानसी पटेल ने मॉडल प्रस्तुत कियावहीं शाला के विज्ञान क्लब की टीम कु. सरस्वती प्रजापति, एकता साहू, एंजल निषाद, दीपराज देवांगन, गगन साहू ने भी शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। कार्यक्रम में कु. रेशमी पटेल, मानसी पटेल तथा हेमंत साहू के मॉडल का चयन राज्य स्तरीय विज्ञान मेला के लिए किया गया है। इस अवसर पर शाला के शिक्षकगण श्रीमती पारुल अग्रवाल, श्रीमती ज्योति चौहान, अर्चना महतो, श्रीमती रितुषा जेम्सी, सौरभ देवांगन,वेदप्रकाश साहू ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। विद्यालय की इस सफलता पर प्राचार्य श्रीमती सोमा बनिक, सेजेस अध्यक्ष रामसिग साहू, सरपंच मीना चम्मन ध्रुव, अर्जुन धीवर, कृष्णकांत नामदेव, बुधारु साहू, प्रदीप साहू, जामबाई साहू, मंगलू साहू एवं रतन ध्रुव ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को बधाई दी।

गुजरा स्कूल के शिविर में किया स्वास्थ्य परीक्षण

आरंग। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गुजरा में चिरायु दल द्वारा विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्राचार्य भानुप्रताप डहरिया के मार्गदर्शन में तथा प्रभारी गंगाधर बिंझाडेकर सहित शिक्षकों के सहयोग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर चिरायु टीम से डॉ. अब्रार आलम एवं उनकी स्वास्थ्य टीम उपस्थित रही, जिन्होंने विद्यार्थियों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण एवं सिकलिंग सोलुबिलिटी टेस्ट किया। विद्यार्थियों के वजन, ऊँचाई, दृष्टि, दाँत, त्वचा एवं रक्त संबंधी परीक्षण भी किए गए। टीम ने विद्यार्थियों को स्वच्छता, पोषण एवं नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में जानकारी दी। डॉ. आलम ने बताया कि विद्यालयीन बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण आवश्यक है ताकि प्रारंभिक अवस्था में किसी भी बीमारी का पता लगाकर उसका उपचार किया जा सके। स्वस्थ शरीर ही अध्ययन और विकास की मजबूत नींव है। प्राचार्य भानुप्रताप डहरिया ने कहा कि ऐसे शिविर विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं तथा समाज में 'स्वस्थ बालक – स्वस्थ भारत' के संकल्प को साकार करते हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रभारी गंगाधर बिंझाडेकर ने चिरायु टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय परिवार हमेशा ऐसे जनकल्याणकारी आयोजनों में सहयोग करता रहेगा। विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक स्वास्थ्य जांच में भाग लिया और उपयोगी सलाह प्राप्त की।

आकाश ने कुश्ती में जीता सोना राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए हुआ चयन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ आरंग

भिलाई के सेक्टर-3 में आयोजित सीनियर कुश्ती प्रतियोगिता में ग्राम गुजरा निवासी युवा पहलवान आकाश चंद्राकर ने 125 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। अपने दमदार दांव-पेच और उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर आकाश ने न केवल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया, बल्कि आगामी राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता, जो अहमदाबाद में आयोजित होगी, के लिए भी चयनित होकर क्षेत्र और राज्य का नाम रोशन किया है। गोल्ड जीत की खबर मिलते ही ग्राम गुजरा सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों एवं खेल प्रेमियों ने आकाश को शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कोच चिरंजीवी साहू ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आकाश चंद्राकर नियमित रूप से राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं। उनका यह प्रदर्शन न केवल उनके परिश्रम का परिणाम है, बल्कि छत्तीसगढ़ राज्य के लिए भी गर्व की बात है। आकाश ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच, परिवार और ग्रामवासियों के सहयोग को देते हुए कहा कि वे राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राज्य का नाम ऊँचा करने का पूरा प्रयास करेंगे।

पिपरौद व थनौद साहू संघ के चुनाव में विधायक समर्थकों ने बाजी मारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ अभनपुर

पुरे छत्तीसगढ में साहू समाज का चुनाव का दौर चला रहा है . सामाजिक व्यक्ति इसे रुचि भी ले रहे जहां प्रदेश का चुनाव समन्वय से बना वहीं तहसील अभनपुर के परिक्षेत्र चुनाव में पेनल तैयार कर चुनाव हो रहे हैं । अभनपुर के सभी राजनीतिक व्यक्ति भी इस चुनाव मे हस्तक्षेप रहता है चुनाव मे बढ़चढ़ कर रूचि लेते है और अपने पैनल को जीताने के लिए प्रयास करते है क्योंकि सामाजिक शक्ति का महत्व विधानसभा मे दिखता है इसलिए नेताओ की खास रूचि सामाजिक चुनाव मे रहती है। तहसील साहू संघ के अन्तर्गत आने वाले पिपरौद परिक्षेत्र एवं थनौद परिक्षेत्र के चुनाव में विधायक इन्द्रकुमार साहु समर्थित प्रत्याशियों बाजी मार ली है। साहू समाज परिक्षेत्र पिपरौद अध्यक्ष पारसमणी साहू, उपाध्यक्ष श्रीमति भूमिका साहू, उपाध्यक्ष हेमन्त साहू, संगठन सचिव शिवकुमर साहू, संगठन सचिव श्रीमति भोज कुमारी साहू विजयी रही वहां परिक्षेत्र साहू समाज थनौद अध्यक्ष पद पर तुलाराम साहू, उपाध्यक्ष राकेश साहू, महिला उपाध्यक्ष श्रीमति डामिन साहू, संगठन सचिव श्रीमति कुलेश्वरी साहु एवं संगठन सचिव पद पर मोहित साहू विजयी हुये । सभी विजयी प्रत्याशी विधायक इन्द्रकुमार साहु से मिले विधायक ने सभी को जीत की बधाई एवं शुभकामनाएं दी । इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष खेलू राम साहू, तामासिवनी मंडल अध्यक्ष तोषण साहू, निर्मल साहू, परदेशी राम साहू,राघवेंद्र साहू, ईश्वर साहू व समाज के सभी वरिष्ठ जनों ने बधाई दी।

विधायक इन्द्रकुमार साहू की अनुशंसा पर स्वीकृति मिली

अभनपुर की ग्राम पंचायतों में विविध कार्यों के लिए 188.50 लाख मंजूर

हरिभूमि न्यूज ▸▸ अभनपुर

विधानसभा क्षेत्र अभनपुर के विभिन्न ग्राम पंचायतों में वर्ष 2025-26 के लिए कुल 188.50 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्यों की विधायक इन्द्रकुमार साहू की अनुशंसा पर स्वीकृति मिली है। साथ ही मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना और जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय रायपुर से भी कई प्रमुख कार्य स्वीकृत किए गए हैं जिसमे चबूतरा निर्माण (मिनीमाता चौक वार्ड क्रमांक 1) ग्राम भिलाई 3 लाख,ग्राम पंधी रंगमंच निर्माण 5 लाख,कामगार शेड निर्माण ग्राम भलेरा 6 लाख, सी.सी. रोड निर्माण (ललित घर से मुक्तिधाम तक) ग्राम पाहंदा 10 लाख,रंगमंच निर्माण ग्राम खपरी 5लाख,सी.सी. रोड (अजय घर से रामानंद घर तक) अकोलीखुर्द 3 लाख,सी.सी. रोड (धरसा रोड से ठाकुर देव मार्ग तक) अकोलीखुर्द 3 लाख,सामुदायिक भवन चितावर तालाब के पास) ग्राम डगनिया 4 लाख,कामगार शेड निर्माण शीतला तालाब ग्राम चांपाझर 7 लाख,रंगमंच निर्माण ग्राम पटेवा 3 लाख,रंगमंच निर्माण बजरंग चौक ग्राम कुर्रा 5 लाख,कामगार शेड निर्माण शीतला तालाब ग्राम चिपरीडीह 5 लाख,आहाता निर्माण महिला भवन ग्राम तर्री 3 लाख,प्रार्थना शेड निर्माण शापूमा विद्या.ग्राम दुलना 6 लाख,कामगार शेड निर्माण ग्राम परसदा सोंठ 5 लाख,सामुदायिक भवन पीपर चौक ग्राम सोंठ 3 लाख,कामगार शेड निर्माण चंडी तालाब के पास ग्राम पिपरौद 5 लाख,कामगार शेड निर्माण ग्राम घोंठ 5 लाख,कामगार शेड निर्माण ग्राम सोनेसिल्ली 3 लाख,कामगार शेड निर्माण ग्राम आलेखुटा 5 लाख,सीसी रोड निर्माण जवईबांधा 2.50 लाख,रंगमंच निर्माण गांधी चौक टोकरो 4 लाख,कामगार शेड निर्माण सनातन मंच के पास ग्राम केन्द्री 4 लाख,प्रार्थना शेड निर्माण ग्राम सिवनी 5 लाख,सामुदायिक भवन निर्माण नायकबांधा 5 लाख,रंगमंच सह कक्ष निर्माण सिवनी 5 लाख,कामगार शेड निर्माण धुसेरा 5 लाख,कामगार शेड निर्माण सह पेवर ब्लॉक ग्राम देवारभाठा 2 लाख,कामगार शेड निर्माण सिंगारभाठा 5 लाख,रंगमंच निर्माण ग्राम सलौनी 5 लाख,रंगमंच निर्माण सारखी 5 लाख,सीसी रोड सह नाली निर्माण कोपेडीह 2 लाख,कामगार शेड निर्माण उल्बा 3 लाख,रंगमंच निर्माण भाठापारा बेलर 3 लाख,कामगार शेड निर्माण लमकेनी 5 लाख,रंगमंच निर्माण गौठान मे टेकारी 3 लाख,आहात निर्माण टेकारी 5 लाख,प्रार्थना शेड निर्माण कन्हेरा 5 लाख,कामगार शेड निर्माण जुलुम 5 लाख,रंगमंच निर्माण कठिया 4 लाख,अंडरग्रांउड नाली निर्माण व पेवर ब्लॉक नवागांव(क)5 लाख,रंगमंच निर्माण ग्राम तोरला 2 लाख,चबुतरा निर्माण व पेवर ब्लॉक घोरभट्टी 5 लाख,रंगमंच निर्माण ग्राम उमरपोटी 5 लाख,सामुदायिक भवन निर्माण ग्राम मंदलोर 20 लाख,कामगार शेड निर्माण ग्राम तूता 5 लाख,सामुदायिक भवन थनौद 5 लाख,सीसी रोड निर्माण मानिकचौरी 6 लाख,सीसी रोड निर्माण धुसेरा 5 लाख,सामुदायिक भवन तर्री 7 लाख,सामुदायिक भवन निर्माण कुरूं 10 लाख, मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना अंतर्गत शेड निर्माण रवेली 5.20 लाख,सामुदायिक भवन उल्बा 6.50 लाख,रंगमंच निर्माण टोकरो 5.20 लाख की स्वीकृति मिली है। उक्त विकास कार्यो की स्वीकृति मिलने पर क्षेत्र के सरपंच,पंच व ग्रामवासियो ने विधायक श्री साहू के प्रति आभार व्यक्त करते बधाई प्रेषित किया है।

एनएच 30 के उन्नयन के लिए 20 करोड़ स्वीकृत

अभनपुर। नगर पालिका अभनपुर की बहुप्रतिक्षित मांग पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग 30 को फोरलेन उन्नयन कार्य लंबाई 2.80 किलोमीटर निर्माण कार्य के लिए 20 करोड़ की राशि की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। विगत 10 वर्षो से इस गौरवपथ के लिए प्रयास किया जा रहा था कई बार प्रशासकीय स्वीकृति के बाद भी निर्माण कार्य मे कई रूकावटे के चलते नगर का सबसे महत्वपूर्ण निर्माण कार्य नही हो पा रहा था। विधायक इन्द्रकुमार साहू ने जनता से किये गये वादे के अनुसार गौरव पथ निर्माण कार्य के लिए लगातार प्रयास पर शासन द्वारा फोरलेन सडक बनाने की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्वीकृति से पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग 30 फोरलेन मे तब्दील होगा साथ ही रेलवे अंडरब्रिज के पास एक और अंडर ब्रिज का निर्माण होगा जिससे नगरवासियो को आये दिन जाम से लगातार हो रही परेशानियो से मुक्ति मिलेगी यह अंडरब्रिज निर्माण को और गहरा कर इसकी उंचाई बढ़ाने का प्रावधान रखा गया है जिससे एबुंलेस व फायरब्रिगेड जैसे वाहनो का आसानी से आवागमन हो सके,इस निर्माण कार्य की स्वीकृति से नगरवासियो मे हर्ष का माहौल है।

65 एकड़ का विशाल मेला...

दूर-दराज से रोजी-रोटी कमाने के लिए स्टाल सजाने वाले भी कम हो गए।

महादेवघाट में लगने वाला पुन्नी मेला करीब 35 साल पहले 65 एकड़ एरिया में फैला होता था। तब दूर-दराज से लोग तीन दिनों तक उत्सव का हिस्सा बनने और पुण्य स्नान करने के लिए परिवार सहित बैलगाड़ी में आते थे। लोग तंबू लगाकर बनाते खाते और प्रतिदिन आस्था की डुबकी लगाते थे। कुछ इसी तरह की पुरानी यादों को साझा करते हुए महंत सुरेश गिरी गोस्वामी ने बताया कि समय के साथ मेला स्थल का दायरा भी जरूरतों की भेंट चढ़ा। जब छत्तीसगढ़ राज्य बना तब मेला स्थल का दायरा करीब 35 एकड़ था, वह शासन द्वारा किए गए बटांकन की वजह से अब सिर्फ पांच एकड़ ही मेला स्थल के रूप में बचा है। इसमें भी कई तरह के निर्माण होने से कम जगह ही बची है। इसमें मेला लगने से पहले और दूसरे दिन आस्था का सैलाब उमड़ने पर अफरा-तफरी की स्थिति बनती है।

लगातार घटता गया मेला...

लिए कीमत चुकानी पड़ती है। इतना ही नहीं, व्यापार को लेकर होड़ भी बढ़ गई है। आपाधापी के बाद भी लोग मेले में खान-पान का स्वाद तो लेते हैं, लेकिन जो माहौल पहले था। उस तरह की स्थिति अब नहीं रह गई है।

पेज 11 के शेष...

रोहित की पत्नी सहित तोमर परिवार के अन्य...

रोहित के खिलाफ केस दर्ज किया गया लेकिन, इसके बाद पुलिस ने परिवार के सदस्यों को टारगेट किया। जिन लोगों ने 8-10 साल पहले कर्ज लिया था। उन्हें बुला-बुलाकर परिवार के सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी की गई। याचिका में याचिकाकर्ताओं पर फर्जी केस दर्ज करने का आरोप लगाते हुए अग्रिम जमानत देने का आग्रह किया गया। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा की बेंच में हुई। कोर्ट ने सुनवाई के बाद याचिकाकर्ताओं को अग्रिम जमानत दे दी है।

जुआ विवाद पर बड़े भाई के...

सुमित तांडी ने कृष्णा देवार के खिलाफ अपने भाई विवेक की हत्या करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सुमित ने पुलिस को बताया है कि घटना दिनांक को वह अपने छोटे भाई के साथ घर के लिए सामान लेने बाजार जा रहा था। इस दौरान रास्ते में कृष्णा मिला। कृष्णा ने विवेक को अपने साथ चलने के लिए कहा। इनकार करने पर कृष्णा, विवेक तथा उसके बड़े भाई के साथ गाली-गलौज करने लगा। गाली-गलौज का विरोध करने पर कृष्णा ने जेब से चाकू निकालकर पेट में वार कर दिया। बीच-बचाव करने सुमित गया, तो बदमाश ने उस पर भी चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल विवेक को उपचार के लिए आंबेडकर अस्पताल ले जाया गया, जहां देर रात उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति कृष्णा द्वारा विवेक तथा सुमित पर चाकू से हमला करने की जानकारी मिलने पर बीएसयूपी कालोनी में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। कालोनी के रहवासी कृष्णा की गिरफ्तारी के साथ ही उसे कालोनी वासियों के सुपुर्द करने पुलिस से मांग कर रहे थे। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने स्थानीय रहवासियों को कृष्णा को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने आश्वासन दिया। इसके बाद स्थानीय लोग शांत हुए।

म्यूनिसिपल बांड में...

और शर्तो का पालन करना होगा। दूसरी शर्त ये है कि नगर निगम द्वारा जारी किए जाने वाले म्यूनिसिपल बांड के लिए राज्य शासन कोई गारंटी नहीं देगा, यानी बांड से जुड़ी सभी वित्तीय देनदारियां पूरी तरह रायपुर नगर निगम की होगी। इसी तरह राज्य शासन द्वारा किसी भी प्रकार वायबिलिटी गैप फंडिंग नही दी जाएगी।

खबर संक्षेप

झेरिया यादव समाज का दीपावली मिलन, जनवरी में परिचय सम्मेलन

रायपुर। छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज का दीपावली मिलन आयोजित किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि महानगर इकाई एवं जिला तथा महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय प्रदेश स्तरीय सामाजिक सम्मेलन, आदर्श सामूहिक विवाह, युवक-युवती परिचय सम्मेलन, सामाजिक विभूतियों का सम्मान, मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, निशुल्क 21 जोड़ों का आदर्श विवाह कराया जाएगा। यह कार्यक्रम रायपुरा महादेवघाट स्थित सामाजिक भवन में जनवरी माह में रखा गया है। यह जानकारी शहर अध्यक्ष सुंदरलाल यादव ने देते हुए बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज के प्रदेशाध्यक्ष जगनीक यादव होंगे। विशिष्ट अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष भगत सिंह यादव, जीआर यादव, मनोज यादव, आरडी यादव, रंजीत यादव आदि शामिल होंगे।

मि. रायपुर विद्या और मि. छत्तीसगढ़ बने मयंक

रायपुर। रायपुर जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन की ओर से पहली बार महापौर ट्रॉफी राजधानी के बूढ़ेश्वर मंदिर भवन में आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि नगर निगम पार्षद मनोज वर्मा एवं अजय साहू ने सभी बॉडी बिल्डर को पुरस्कृत किया। छग बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के महासचिव मानिक ताम्रकार एवं अध्यक्ष दुर्गेश साहू ने बताया कि प्रतियोगिता में मि रायपुर एवं मि छग के प्रतिभागी हिस्सा लिए प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक इंडिया फेडरेशन के रेफरी अनुज सोनी, दुर्गेश साहू, सोहेल विनाट, प्रदीप क्षत्रिय, संजू दास, माता शरण साहू थे। प्रतियोगिता में मि. रायपुर विद्या तांडी और मि. छग मयंक पटेल एवं मिस छग अंशु कटारिया चुने गए, जबकि मि. रायपुर मेन्स फिजिक में भरत मंडावी, मि. छग मेन्स फिजिक बस्तर के अंकित विश्वास को मिला। मास्टर में रहमत अली बने, दिव्यांग में आसवन सोनवानी को खिताब से नवाजा गया।

निधन

वीरेंद्र सिंह हूंजन

रायपुर। शांति नगर निवासी सरदार वीरेंद्र सिंह हूंजन (77) का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 4 नवंबर को सुबह 10.30 बजे उनके निवास स्थान से देवेंद्र नगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी।

सुनीला दास

रायपुर। बागबहरा निवासी सुनीला दास (70) का 3 नवंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार बागबहरा मसीही कब्रिस्थान में किया गया। वे पादरी हेमंत तिमोथी की सास, मंजू तिमोथी, विमल दास, दीपक दास व सुरेश दास की माता थीं।

नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधि क्यों बचते हैं सामान्य सभा से, दो माह में कराने का नियम भी नहीं मान रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकायों में चुने हुए जन प्रतिनिधियों, मेयर, अध्यक्ष, सभापति वगैरह अपने निकायों में ही लोकतांत्रिक व्यवस्था का पालन नहीं कर रहे हैं। दरअसल निकायों के लिए नियम है कि इन्हें हर दो महीने में एक बार सामान्य सभा की बैठक करवानी है, लेकिन सरकार को खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि इस नियम का पालन नहीं हो रहा है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही खड़ा होता है कि आखिर क्यों निकायों के चुने हुए पदाधिकारी सामान्य सभा करवाने से बच रहे हैं।

अब कमिश्नरों, सीएमओ को जारी हुआ आदेश

ये है मामला

सामान्य सभा की बैठकें नियम से न कराने का मसला दरअसल इसलिए सामने आया है, क्योंकि राज्य सरकार के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने खुद इस बात को पकड़ा है कि सामान्य सभा कराने के मामले में नियम का पालन नहीं किया जा रहा है।

क्यों नहीं करते सवालों का सामना

राज्य के नगरीय निकायों में सामान्य सभा के दौरान पक्ष विपक्ष के पार्षद अपनी बाते, समस्याएं और क्षेत्र से जुड़ी शिकायतें रखते हैं। अब निकायों में विधानसभा की तरह लिखित में सवाल लेने की प्रक्रिया भी शुरु हो गई है। सामान्य सभा में सवाल उठाने से मामले, विषय सामने आते हैं, निगम के चुने हुए प्रतिनिधियों को जवाब देना होता है, आश्वासन देना होता और समस्याओं की सुनवाई करनी होती है। यह इनका जिम्मा भी है, लेकिन देखने में आ रहा है कि चुने हुए प्रतिनिधि ही जन समस्याओं को दरकिनार कर सामान्य सभा से बचने की कोशिश करते हैं। सवाल ये उठता है कि आखिर क्यों ये लोग सवालों का सामना नहीं करना चाहते हैं।

अब जारी हुआ ये आदेश

इस मामले को लेकर संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास के संचालक ने राज्य के सभी नगर निगम आयुक्त, सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत के लिए पत्र जारी किया है। संचालक ने कहा है कि छत्तीसगढ़ नगर निगम अधिनियम तथा छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम में यह स्पष्ट प्रावधान किया गया है कि कामकाज के लिए प्रत्येक दो माह में कम से कम एक बार निगम, परिषद, सम्मिलन(सामान्य सभा) करेगी। लेकिन देखने में ये आ रहा है कि अधिकांश निकाय इस प्रावधान का पालन नहीं कर रहे हैं। निर्धारित समयावधि में सामान्य सभा नहीं होने से अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय के अभाव में योजनाओं का क्रियान्वयन करने में अनावश्यक विलंब होता है। संचालक ने सभी आयुक्तों, सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश देयिा है समयावधि के भीतर सामान्य सभा की बैठक करवाना सुनिश्चित करें।

अफसरों ने बता दिया दायरे में नहीं

टीला रेत खदान के जांच प्रतिवेदन में गोलमाल 500 मीटर में पुल का निर्माण कार्य जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले के गोबरा नवापरा क्षेत्र में नवीन रेत खदान के रूप में घोषित किए गए ग्राम टीला-ए के लिए बनाए गए प्रतिवेदन में बड़ा गोलमाल हुआ। इस स्थान को नवीन रेत खदान घोषित करने के लिए खनिज विभाग ने क्षेत्र के प्रभारी निरीक्षक, पटवारी तथा राजस्व अधिकारी को जांच प्रतिवेदन तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी थी। इनमें से पटवारी ने अपनी जांच रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि खदान के 500 मीटर के दायरे में निर्माणाधीन पुल का निर्माण कार्य चल रहा है, वहीं राजस्व अधिकारी एवं खनिज विभाग के निरीक्षक ने अपने प्रतिवेदन में 500 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार के एनीकट या पुल निर्माण कार्य या होने का उल्लेख नहीं किया है। इस तरह पटवारी के प्रतिवेदन को नजरअंदाज करते हुए इस स्थान को नवीन रेत खदान घोषित कर दिया गया है।

इन बिंदुओं की जांच आधार पर प्रतिवेदन तैयार

छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण के नियम के तहत जांच प्रतिवेदन बनाने के लिए बिंदु तय है। इसके तहत प्रस्तावित क्षेत्र खसरा नंबर रकबा, नक्शा सहित चिन्हांकित खदान के 300 मीटर के दायरे में कोई भी रिहायशी बस्ती या स्कूल नहीं होना चाहिए। 500 मीटर के दायरे में एनीकट, पुल या किसी प्रकार का निर्माण संबंधी कार्य नहीं होना चाहिए। खदान से मुख्य मार्ग तक हाईवा गाड़ी निकलने के लिए मार्ग होना चाहिए।

चेक कराता हूं

मुझे इसकी जानकारी नहीं है। अगर प्रतिवेदन तैयार करने में कोई गड़बड़ी हुई है, तो इसे चेक करवाता हूं।

- **रवि सिंह**, एसडीएम अभनपुर

देखना पड़ेगा

नियमों के तहत जांच कर प्रतिवेदन तैयार किया है। इसमें अगर कोई भूल हुई है तो देखकर बता पाऊंगा।

- विक्रांत सिंह राठौर, तहसीलदार, गोबरा नवापरा

जांच प्रतिवेदन

नियम के तहत जांच प्रतिवेदन तैयार किया है। नवीन खदान के 500 मीटर के दायरे में एनीकट, पुल नहीं है।

- **जागृत गायकवाड़**, खनिज निरीक्षक रायपुर

नवीन 7 खदानें घोषित इनमें दो टीला में

खनिज विभाग ने रायपुर जिले में नवीन 7 रेत खदान घोषित किया है, जिनकी रिवर्स ऑक्शन से नीलामी होनी है। इन नवीन खदानों में गोबरा नवापारा क्षेत्र के ग्राम टीला-ए तथा टीला-बी शामिल है। ग्राम टीला के दोनों नवीन खदान घोषित करने से पहले प्रशासन ने विभाग के माध्यम से जांच प्रतिवेदन मंगाए थे। प्रतिवेदन तैयार करने के लिए विभाग ने क्षेत्र के हल्का पटवारी, राजस्व अधिकारी तथा खनिज विभाग के निरीक्षक को जिम्मेदारी सौंपी थी। सभी ने जांच के आधार पर प्रतिवेदन तैयार किया है, जिसके बाद विभाग ने इन प्रतिवेदनों के आधार पर प्रस्ताव बनाकर प्रशासन को भेजा, जिसके बाद प्रशासन ने इन खदानों के लिए निविदा जारी करने की मंजूरी दी है।

ट्रायल के रूप में टीला-ए की नीलामी, मंगाए गए आवेदन

प्रशासन से मंजूरी मिलने के बाद विभाग ने ट्रायल के रूप में ग्राम टीला-ए नवीन खदान की नीलामी के लिए ऑनलाइन आवेदन मंगाए गए हैं, जिसकी प्रक्रिया जारी है। विभाग पहली बार ऑनलाइन पद्धति से नवीन खदानों की नीलामी करने जा रहा है, इसलिए एक नवीन खदान की नीलामी से इसका ट्रायल किया जा रहा है। इस नीलामी को सफलता मिलने के बाद अन्य नवीन खदानों की नीलामी की प्रक्रिया विभाग करेगा।

डायबिटिक की सरकारी सप्लाई वाली टेबलेट के उपयोग पर रोक

गुणवत्ताहीन होने की मिली शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- ड्रग हाउस से जारी हुआ निर्देश, चार दिन पहले एंटीबायोटिक ड्रग हुई थी क्वारंटीन

सरकारी अस्पतालों में सप्लाई होने वाली दवाओं के गुणवत्ताहीन होने की शिकायतों का सिलसिला थम नहीं रहा है। इस बार डायबिटिक की समस्या को नियंत्रित करने दी जाने वाली गोलियों के एक बैच के उपयोग पर रोक लगाई गई है। इस दवा के गुणवत्ताहीन होने की शिकायत मिली थी। इसके पहले एक एंटीबायोटिक दवा को होल्ड कराया गया था। सीजीएमएससी दो दर्जन दवाओं की विभिन्न बैच के उपयोग पर रोक लगा चुका है, मगर इसके बाद कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है।

सरकारी अस्पतालों में सीजीएमएससी के माध्यम से भेजी जाने वाली दवाओं की गुणवत्ता पर विभिन्न तरह के गंभीर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। इन दवाओं की सामने आने वाली विभिन्न शिकायतों के बाद इसके उपयोग को रोकने आदेश जारी किया जा रहा है। सोमवार को हेलर लैब द्वारा सप्लाई की गई मेटफॉर्मिन 500 मिलीग्राम और ग्लिमिप्राइड 2 मिलीग्राम सस्टेन्ड रिलीज नामक टेबलैट की एमजीसी-506 बैच के उपयोग को रोकने का आर्डर जारी किया गया है। इस दवा की क्वालिटी को लेकर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कचना से शिकायत सामने आई थी। इसके चार दिन पहले दवा निगम ने एंटीबायोटिक दवा ओर्निडजोल टैबलेट (ड्रग कोड - SP1978) के उपयोग को अस्पतालों में रोका था। दवाईयों के लगातार अमानक होने के मामले सामने आ रहे हैं। सीजीएमएससी इन दवाओं के उपयोग पर तो रोक लगा रहा है, मगर सप्लायर कंपनियों के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई नहीं कर रहा है।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं : जायसवाल

स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने इस मामले में कहा कि किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिकायत मिलने पर दवाओं के उपयोग पर सख्ती के साथ रोक लगाई जा रही है। इसके साथ ही संबंधित कंपनियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। सीजीएमएससी के सिस्टम में जो खामियां थीं, उन्हें दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।

डॉयल-112 से पहुंचाई जा रही 12 प्रकार की मदद

डॉयल में मदद मांगने रोजाना औसतन सात हजार कॉल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नवा रायपुर में आयोजित राज्योत्सव मेला में आपातकालीन सेवा उपलब्ध कराने वाली संस्था डॉयल-112 ने भी अलग से स्टॉल लगाया है। सेवा के सात वर्ष पूरे होने पर डायल-112 ने आंकड़े जारी कर बताया है कि पिछले सात वर्षों में डायल-112 ने लोगों को किस प्रकार से आपातकालीन मदद की है। इसके अलावा डायल-112 ने लोगों को इमरजेंसी सेवा का कब तथा कैसे उपयोग किया जाए, इस बारे में जागरूक किया है। डायल-112 के अधीक्षक अविनाश ठाकुर के दिशा निर्देश पर स्टाल लगाया गया है। डायल-112 सेवा की डीएसपी स्वाति मिश्रा के अनुसार राज्य में डायल-112 सेवा की शुरुआत सितंबर 2018 को की गई। राज्य के 33 जिलों में से 17 जिलों में वर्तमान में डायल-112 की सेवा उपलब्ध है, जिसे जल्द ही सभी जिलों में लागू किया जाएगा। जिन जिलों में डायल-112 की सेवा संचालित हो रही है, उन जिलों में वर्तमान में औसतन सात हजार के करीब लोग आपातकालीन सेवा के लिए कॉल कर रहे हैं।

सात साल में मदद के लिए पौने दो करोड़ कॉल

डायल-112 सेवा शुरू होने के बाद से लेकर अब तक सात साल में एक करोड़ 70 लाख लोगों ने कॉल कर मदद मांगी है। इस लिहाज से हर वर्ष 24 लाख 28 हजार से ज्यादा लोगों के पास डॉयल-112 आपतकालीन सेवा उपलब्ध करा रही है। हर माह दो लाख से ज्यादा लोगों तक डायल-112 के माध्यम से मदद पहुंच रही है।

इन सेवाओं के लिए इतने कॉल

- सहायता योग्य कॉल (सीएफएस) - 45 लाख 66 हजार 500
- प्रकरणों की संख्या जिसमें पुलिस ईआरव्ही रवाना की गई - 34 लाख 93 हजार 283
- अग्नि संबंधी प्रकरणों में प्रदाय की गई कुल सहायता की संख्या - 60 हजार 264
- चिकित्सा संबंधी प्रकरणों में प्रदाय की गई कुल सहायता की संख्या - 19 लाख 94 हजार 669
- महिला संबंधित प्राप्त शिकायत एवं अपराध की संख्या - 2 लाख 92 हजार 448
- बच्चों से संबंधित प्राप्त शिकायत एवं अपराध की संख्या - 21 हजार 314
- रोड एक्सीडेंट में डायल-112 द्वारा प्रदाय की गई सहायता की संख्या - 4 लाख 27 हजार 463
- महिलाओं को परेशानी एवं असुरक्षा महसूस करने पर सुरक्षित स्थान अथवा घर तक पहुंचाने की सेवा - 2 हजार 57
- आत्महत्या के प्रकरण में दी गई सेवा - 51 हजार 899
- प्रसव प्रकरण में ईआरव्ही द्वारा महिलाओं को अस्पताल पहुंचाने के लिए की गई सहायता - 1 लाख 72 हजार 419
- गर्भवती माताओं को ईआरवी द्वारा अस्पताल पहुंचाने के दौरान वाहन में जन्मे नवजात शिशुओं की संख्या - 539

मोक्षित की धूल फांक रही मशीनों के संचालन के लिए सामने आए कई दावेदार, 10 तक दावा आपत्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मोक्षित कार्पोरेशन की धूल फांक रही सीबीसी मशीन को पुनः उपयोग में लाने सीजीएमएससी द्वारा की जा रही कवायद एक कदम आगे बढ़ गई है। रीएजेंट एवं कंज्यूमेबल्स सामग्री की सप्लाई के साथ रखरखाव के लिए दर्जनभर कंपनियों ने निविदा जमा की है। तीन कंपनियों की अलग-अलग सामग्री की निविदा दरों को अनुमोदित किया गया है। इस आधार पर 10 नवंबर तक दावा आपत्ति मंगाई गई है।

मोक्षित घोटाले का हिस्सा बनी लगभग 38 करोड़ की सीबीसी मशीन में जम धूल हटाकर उसे उपयोग में लाने के लिए सीजीएमएससी द्वारा पिछले महीने टेंडर जारी किया गया था। शुरूआत में माना जा रहा था कि विवादों में घिरी और लंबे समय से बंद पड़ी इन मशीनों पर किसी सप्लाई एजेंसी की दिलचस्पी नहीं होगी। अनुमान के विपरीत इन मशीनों के संचालन के लिए रीएजेंट सहित अन्य सामग्री को सप्लाई करने और मशीनों के रखरखाव के लिए दर्जनभर कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाते हुए टेंडर में हिस्सा लिया। इनमें से तीन कंपनियों द्वारा सामग्री की सप्लाई के लिए निविदा में दी गई दर को सीजीएमएससी के अफसरों ने तकनीकी मूल्यांकन में सही मानते हुए अनुमोदन किया है। इस आधार पर योग्य-अयोग्य फर्मों की सूची जारी कर दावा-आपत्ति की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। 10 नवंबर तक ऑनलाइन माध्यम से की जाने वाली दावा-आपत्ति के निराकरण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके बाद टेंडर की अन्य प्रक्रिया पूरी कर एल-1 कंपनी तय कर उन्हें इन मशीनों के संचालन की जिम्मेदारी दी जाएगी।

कार्यवाही प्रक्रियाधीन

संबंधित मशीनों को उपयोग में लाने का प्रयास किया जा रहा है। टेंडर जारी करने के बाद योग्य कंपनी को एल-1 घोषित करने के लिए विभिन्न प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती है। टेक्निकल मूल्यांकन के बाद दावा-आपत्ति भी वही प्रक्रिया है।

- **रितेश अग्रवाल**, एमडी, सीजीएमएससी

मोक्षित कंपनी के कर्ता-धर्ता ने दवा निगम और स्वास्थ्य विभाग के तत्कालीन अफसरों के साथ मिलीभगत कर ऊंचे दामों में सीबीसी मशीन की सप्लाई प्रदेश के 768 स्वास्थ्य केंद्रों में की थी। भुगतान अटकने पर सप्लायर कंपनी ने रीएजेंट देना बंद कर दिया था, इसके बाद मशीनें डंप हो गईं।

टेंडर में सामने आई कुछ दर

सूत्रों के अनुसार जिन तीन कंपनियों की दर अनुमोदित की गई है। उनमें 700 एमएल के रीएजेंट पैक की दर 5 फीसदी जीएसटी के 15540 रुपए, एचबीए-1 सी टेस्ट किट बीस किट की पैकिंग की दर जीएसटी समेत 2718 रुपये, वैक्यूम ट्यूब सोडियम साइट्रेट 100 टेस्ट के पैक जीएसटी समेत 10 रुपये 76 पैसा तय किया गया है। इसके अलावा अन्य कंज्यूमेबल्स की निविदा दरों को भी अनुमोदित किया गया है।

विकल्प से चल रहा काम

स्वास्थ्य केंद्रों में बंद पड़ी इन मशीनों की वजह से जरूरतमंद मरीजों की पर्याप्त संख्या में जांच नहीं हो पा रही है। ज्यादातर सेंटर से सैंपल टेस्ट के लिए हमर लैब भेजे जा रहे हैं अथवा वहां मौजूद दूसरी कंपनी की मशीनों के भरोसे टेस्ट हो रहा है। इन मशीनों के पुनः प्रारंभ होने से मरीजों के जांच और उपचार व्यवस्था में तेजी आएगी। सीजीएमएससी के अफसरों को इसे ध्यान में रखते हुए टेंडर प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने की आवश्यकता है।

राज्योत्सव में जेल विभाग की प्रदर्शनी, फोटो ऑडियो, विजुअल से बता रहे इतिहास

रायपुर। नवा रायपुर स्थित राज्योत्सव स्थल पर हैंगर नंबर 1 के स्टॉल नंबर 21 में जेल विभाग का स्टॉल लगाया गया है। इस स्टॉल में छत्तीसगढ़ की जेलों के इतिहास तथा गतिविधियों को फोटो-डिस्प्ले तथा आडियो-विजुअल प्रकार से आकर्षक तरीके से प्रदर्शित किया गया है। जेल विभाग के स्टॉल पर अब तक 50 हजार से अधिक का फुटफॉल हुआ है। आम जनता अत्यंत ही रुचि से स्टॉल का भ्रमण कर रही है और जेल विभाग की गतिविधियों की सराहना कर रही है। जेन-जी युवाओं को कनेक्ट करने के उद्देश्य से जेल विभाग के स्टॉल में आम जनता के लिए एक सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया है। युवाओं द्वारा उत्साहपूर्वक सेल्फी लेकर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपलोड किया जा रहा है। जेल विभाग के स्टॉल पर शहीद वीरनारायण सिंह की शहादत को नमन करते हुए ब्रिटिश हुकूमत द्वारा जारी उनकी गिरफ्तारी तथा फांसी के आदेश को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही भारत के महान कवि स्व. माखनलाल चतुर्वेदी द्वारा बिलासपुर जेल में वर्ष 1921 में रचयित देशभक्ति की कविता पुष्प की अभिलाषा का विवरण प्रदर्शित किया गया है।

गरियाबंद में पकड़ा गया था मामला

नकली सिरप बेचने वाला दवा कारोबारी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गरियाबंद के मेडिकल एंड जनरल स्टोर्स में नकली सिरप बेचने वाले दवा कारोबारी को खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। जांच के दौरान सिरप में जिस फर्म का उल्लेख किया गया था, उसने इसके निर्माण से इनकार कर दिया था। मामले की जांच और नकली दवा के जरिये आम जीवन से खिलवाड़ के मामले में दवा कारोबारी सीताराम साहू को गिरफ्तार किया गया है।

पिछल महीने से चलाए जा रहे दवा दुकानों के जांच अभियान के दौरान गरियाबंद की टीम ने कुलेश्वर मेडिकल एंड जनरल स्टोर्स से बेस्टो-कफ नामक सिरप का सैंपल लिया था। सिरप को जांच के लिए लैब भेजा गया, जहां उसकी रिपोर्ट अमानक मिली थी। इस दवा में फार्मूला, बैच नंबर, निर्माण और एक्सपायरी तारीख का भी उल्लेख नहीं था। सिरप में चिपके लेबल के आधार पर निर्माता कंपनी से संपर्क किया, तो बड़ा खुलासा हुआ और यह जानकारी सामने आई कि कंपनी वह दवा बनाती ही नहीं है। इसके बाद मामले को सीधे-सीधे नकली दवा से जोड़ा गया और दवा कारोबारी सीताराम साहू को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 के प्रावधानों के अंतर्गत गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में एफडीए की टीम अब तक यह स्पष्ट नहीं कर पाई है कि इस नकली सिरप का निर्माण आखिर कहां किया गया था। बाजार में इस दवा की खपत कितनी है और इसका दायरा केवल गरियाबंद था अथवा इसकी सप्लाई अन्य ग्रामीण इलाकों में भी की गई है।

पेज 11 के शेष

65 एकड़ का ...

दूर-दराज से रोजी-रोटी कमाने के लिए स्टाल सजाने वाले भी कम हो गए। महादेवघाट में लगने वाला पुन्नी मेला करीब 35 साल पहले 65 एकड़ एरिया में फैला होता था। तब दूर-दराज से लोग तीन दिनों तक उत्सव का हिस्सा बनने और पुण्य स्नान करने के लिए परिवार सहित बैलगाड़ी में आते थे। लोग तंबू लगाकर बनाते खाते और प्रतिदिन आस्था की डुबकी लगाते थे। कुछ इसी तरह की पुरानी यादों को साझा करते हुए महंत सुरेश गिरी गोस्वामी ने बताया कि समय के साथ मेला स्थल का दायरा भी जरूरतों की भेंट चढ़ा। जब छत्तीसगढ़ राज्य बना तब मेला स्थल का दायरा करीब 35 एकड़ था, वह शासन द्वारा किए गए बटांकन की वजह से अब सिर्फ पांच एकड़ ही मेला स्थल के रूप में बचा है। इसमें भी कई तरह के निर्माण होने से कम जगह ही बची है। इसमें मेला लगने से पहले और दूसरे दिन आस्था का सैलाब उमड़ने पर अफरा-तफरी की स्थिति बनती है।

लगातार घटता गया ...

लिए कीमत चुकानी पड़ती है। इतना ही नहीं, व्यापार को लेकर होड़ भी बढ़ गई है। आपाधापी के बाद भी लोग मेले में खान-पान का स्वाद तो लेते हैं, लेकिन जो माहौल पहले था। उस तरह की स्थिति अब नहीं रह गई है।

रोहित की पत्नी ...

रोहित के खिलाफ केस दर्ज किया गया लेकिन, इसके बाद पुलिस ने परिवार के सदस्यों को टारगेट किया। जिन लोगों ने 8-10 साल पहले कर्ज लिया था। उन्हें बुला-बुलाकर परिवार के सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी की गई। याचिका में याचिकाकर्ताओं पर फर्जी केस दर्ज करने का आरोप लगाते हुए अग्रिम जमानत देने का आग्रह किया गया। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा की बेंच में हुई। कोर्ट ने सुनवाई के बाद याचिकाकर्ताओं को अग्रिम जमानत दे दी है।

जुआ विवाद पर ...

सुमित तांडी ने कृष्णा देवार के खिलाफ अपने भाई विवेक की हत्या करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सुमित ने पुलिस को बताया है कि घटना दिनांक को वह अपने छोटे भाई के साथ घर के लिए सामान लेने बाजार जा रहा था। इस दौरान रास्ते में कृष्णा मिला। कृष्णा ने विवेक को अपने साथ चलने के लिए कहा। इनकार करने पर कृष्णा, विवेक तथा उसके बड़े भाई के साथ गाली-गलौज करने लगा। गाली-गलौज का विरोध करने पर कृष्णा ने जेब से चाकू निकालकर पेट में वार कर दिया। बीच-चाव करने सुमित गया, तो बदमाश ने उस पर भी चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल विवेक को उपचार के लिए आंबेडकर अस्पताल ले जाया गया, जहां देर रात उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति-कृष्णा द्वारा विवेक तथा सुमित पर चाकू से हमला करने की जानकारी मिलने पर बीएसयूपी कालोनी में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। कालोनी के रहवासी कृष्णा की गिरफ्तारी के साथ ही उसे कालोनी वासियों के सुपुर्द करने पुलिस से मांग कर रहे थे। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने स्थानीय रहवासियों को कृष्णा को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने आश्वासन दिया। इसके बाद स्थानीय लोग शांत हुए।

म्यूनिसिपल बांड में ...

और शर्तो का पालन करना होगा। दूसरी शर्त ये है कि नगर निगम द्वारा जारी किए जाने वाले म्यूनिसिपल बांड के लिए राज्य शासन कोई गारंटी नहीं देगा, यानी बांड से जुड़ी सभी वित्तीय देनदारियां पूरी तरह रायपुर नगर निगम की होगी। इसी तरह राज्य शासन द्वारा किसी भी प्रकार वायबिलिटी गैप फंडिंग नही दी जाएगी।

खबर संक्षेप

बिजली दर वृद्धि के विरोध में आम आदमी पार्टी का धरना आज

रायपुर। आम आदमी पार्टी द्वारा बिजली दर की वृद्धि के विरोध में मंगलवार को राजधानी के नलघर चौक पर दोपहर 1 बजे धरना प्रदर्शन किया जायेगा। इस मौके पर प्रदेश संगठन महासचिव उत्तम जायसवाल के नेतृत्व में रायपुर जिले के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में धरना प्रदर्शन में शामिल होंगे तथा प्रदेश में बिजली दर में मनमानी बढ़ोतरी के विरोध में एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। आम आदमी पार्टी प्रदेश के सभी जिलों में 4 नवंबर को धरना प्रदर्शन कर आम जनता को बिजली बिल बढ़ोतरी से हो रही परेशानी को लेकर आवाज बुलंद करेगी। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू का कहना है, प्रदेश की भाजपा सरकार आम जनता की परेशानी को नज़र अंदाज कर रही है छत्तीसगढ़ की जनता अनाप -शनाप बिजली के बिलों से त्रस्त हो चुकी है। इन परेशानियों को ध्यान में रखते हुए मंगलवार को धरना प्रदर्शन कर एसडीएम को सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा जायेगा। प्रदेश संगठन महासचिव उत्तम जायसवाल ने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर गलत डाटा पेश कर रही है।

सफाई सुपरवाइजरों की बैठक

रायपुर। नगर निगम जोन 8 जोन अध्यक्ष प्रीतम ठाकुर ने सोमवार को महोबाजार स्थितजोन कार्यालय में सफाई सुपरवाइजरों की बैठक ली। बैठक में जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल ,जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन सहित 7 वार्डों के सफाई सुपरवाईजर उपस्थित रहे। इस मौके पर वार्डो के वर्तमान सफाई व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही इसकी निगरानी पर जोर देते हुए सफाई व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिए।

खेल महोत्सव की तैयारी पर चर्चा

रायपुर। महात्मा गांधी सदन के सभागार सोमवार को रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव के आयोजन की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक रखी गई। बैठक में निर्देशित किया गया कि दस जोन के जोन कमिश्नर, स्कूल प्रबंधन ,खेल संगठन अधिक से अधिक खिलाडियों को इस खेल महोत्सव के आयोजन में भाग लेने प्रेरित करें। इसके साथ ही अधिक से अधिक ऑफ लाईन फार्म भरवाया जाए। बैठक में जोन अध्यक्ष अंबर अग्रवाल, अपर आयुक्त विनोद पांडे, उपायुक्त मोनेश्वर शर्मा, जसदेव सिंह बाबरा सहित सभी जोन के जोन कमिश्नर मौजूद रहे।

हमर क्लीनिक में चोरी की कोशिश, रिपोर्ट दर्ज

रायपुर। उरला थाने में एक हमर क्लीनिक के ग्रामीण हेल्थ ऑफिसर ने अज्ञात चोर के खिलाफ क्लीनिक में चोरी की कोशिश करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। क्लीनिक के आरएचओ डोमलाल साहू ने शिकायत दर्ज कराई है। डोमलाल ने पुलिस को बताया है कि अज्ञात चोर क्लीनिक के मेन गेट में लगा ताला तोड़कर अंदर प्रवेश कर गया। इसके बाद चोर क्लीनिक के अंदर दाखिल होकर चोरी की नीयत से टेबल की दराज सहित आलमारी खोलकर रखे सामान को बिखेरकर चला गया।

लॉजिस्टिक हब को मिला उद्योग का दर्जा, राज्य सरकार ने बनाई नई नीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- बस्तर, सरगुजा के लिए खास रियायत

छत्तीसगढ़ सरकार ने नए लॉजिस्टिक हब को उद्योग का दर्जा दिया है। खास बात ये है कि सरकार ने इस नवोदित उद्योग के लिए राज्य लॉजिस्टिक हब नीति 2025 भी तैयार कर ली है। इसके तहत आकषर्क प्रोत्साहन भी दिए जाएंगे। यही नहीं, बस्तर और सरगुजा में लॉजिस्टिक पार्क, हब की स्थापना पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान दिया जाएगा एवं अधिकतम सीमा भी 10 प्रतिशत से अधिक भी होगी। राज्य सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग ने छत्तीसगढ़ राज्य लॉजिस्टिक निवेश प्रोत्साहन नियम 2025 तैयार किया है। ये नियम लागू भी हो गए हैं।

बस्तर, सरगुजा को ये लाभ

लॉजिस्टिक पार्क को उद्योग का दर्जा प्रदान किया जाएगा तथा आकर्षक प्रोत्साहन दिए जाएंगे। बस्तर एवं सरगुजा संभाग में लॉजिस्टिक पार्क,हब की स्थापना पर 10 प्रतिशत अतिरिक्तअनुदान प्रदान किया जाएगा एवं अधिकतम सीमा भी 10 प्रतिशत अधिक होगी। यदि आवेदक को परियोजना की स्थापना हेतु भारत सरकार से स्वीकृति प्राप्त है एवं भारत सरकार से स्वीकृत अनुदान यदि राज्य शासन द्वारा स्वीकृत अनुदान से अधिक है तो अधोसंरचना लागत अनुदान की पात्रता नहीं होगी, किन्तु यदि भारत सरकार द्वारा स्वीकृत अनुदान की राशि राज्य शासन के अनुदान से कम है तो अंतर की राशि अधोसंरचना लागत अनुदान राशि के रूप में दी जाएगी।

खास खबर

आकर्षक प्रोत्साहन पैकेज भी मिलेगा

इस तरह मिलेगा अनुदान, ये होगी पात्रता

स्टाम्प शुल्क से पूर्ण छूट। छूट की प्रक्रिया वाणिज्यिक कर (पंजीयन) विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार होगी। भूमि के पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की प्रति पूर्ति। भू-पुनर्निर्धारण कर (डायवर्सन शुल्क) में पूर्ण छूट। छूट की प्रक्रिया राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार होगी।

परियोजना के लिए ये होंगी शर्तें

इस नीति के तहत बने नियम के मुताबिक कोई भी व्यक्ति, साझेदारी, कंपनी, सीमित दायित्व साझेदारी, प्रमोटर, राज्य के एफपीओ, स्व सहायता समूह आवेदन कर सकेंगे। आवेदक को आवेदन स्वीकृत होने पर ही पात्रता होगी। परियोजना के लिए एप्रोच रोड की न्यूनतम चौडाई इस प्रकार होनी चाहिए। लॉजिस्टिक पार्क के लिए क्षेत्रफल 15 से 75 एकड़ तक होने पर एप्रोच रोड की चौड़ाई 12 मीटर, 75 एकड़ से अधिक होने पर 18 मीटर, लॉजिस्टिक हब, मल्टी मोडल, लॉजिस्टिक पार्क, ड्राई पोर्ट, इनलैंड, कंटेनर डिपो, एयर कार्गो, टर्मिनल, गति शक्ति, टर्मिनल ट्रांसपोर्ट हब, फ्रेट स्टेशन के लिए 5 से 10 एकड़ पर 10 मीटर, 10 से 50 एकड़ तक के लिए 12 मीटर, 50 एकड़ से अधिक के लिए 18 मीटर चौडी सड़क की अनिवार्यता रखी गई हैं।

परियोजना की स्थापना की शर्तें

सम्बंधित परियोजना हेतु भूमि का व्यपवर्तित कराना आवयक होगा। आवेदक को परियोजना की स्थापना,संचालन हेतु यथा लागू भारत सरकार,राज्य शासन के सम्बंधित विभागों,एजेंसी द्वारा सम्मति,अनापत्ति प्राप्त करना होगा। सक्षम प्राधिकारी से परियोजना का अभिन्यास अनुमोदन करवाना होगा। परियोजना का न्यूनतम 60 प्रतिशत क्षेत्र संबंधित प्रयोजन हेतु उपयोग करना आवश्यक होगा। शेष क्षेत्र सहायक गतिविधियों यथा, कमर्शियल स्पेस, लेबर क्वार्टर, एटीएम, सार्वजनिक अपशिष्ट जल प्रबंधन, सीवरेज जल प्रबंधन संयंत्र हेतु उपयोग करना होगा। लॉजिस्टिक पार्क के प्रकरणों में जारी स्वीकृति आदेश के परिपालन में वेयर हाउस कोल्ड स्टोरेज की स्थापना हेतु भूमि का आबंटन करना। परियोजना की स्थापना, स्वीकृति आदेश जारी होने के पश्चात समिति द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर करना होगा, यह अवधि उद्योग आयुक्त, संचालक उद्योग द्वारा दो बार 12-12 माह के लिए बढ़ाई जा सकेंगी। आवेदक को राज्य शासन के संबंधित विभागों के नियमों का पालन करना होगा।

रायपुर में प्रदर्शन की अनुमति नहीं, महासमुंद में 5 जिलों के कर्मचारी जुटे

सहकारी समिति के कर्मचारी और कंप्यूटर आपरेटर बेमियादी हड़ताल पर, 4 सूत्रीय मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश में एक ओर जहां 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने जा रही है, वहीं दूसरी ओर प्रदेशभर की 2058 सहकारी समितियों के हजारों कर्मचारी और कंप्यूटर आपरेटर हड़ताल पर चले गए हैं। छत्तीसगढ़ के पांच संभागों में 15 हजार सहकारी समिति कर्मचारी और 2729 धान खरीदी कंप्यूटर आपरेटरों ने 4 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन शुरू कर दिया है।

रायपुर में संभाग स्तरीय धरना प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिलने पर संभाग के 5 जिलों के सहकारी समिति कर्मचारी और कंप्यूटर आपरेटरों ने महासमुंद के लोहिया चौक पर धरना दिया। इसमें महासमुंद, रायपुर, बलौदाबाजार, धमतरी और गरियाबंद के कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। धरना प्रदर्शन के दौरान सहकारी समिति के कर्मचारियों ने जमकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ और धान खरीदी कंप्यूटर आपरेटर महासंघ के संयुक्त आव्हान पर अपने 4 सूत्रीय मांगों को लेकर सहकारी समिति के कर्मचारी 3 से 11 नवंबर तक संभाग स्तरीय आंदोलन कर शासन का ध्यान अपने लंबित मांगों के प्रति आकर्षित कराने जुटे हैं। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी है कि मांग पूरी नहीं होने पर प्रदेश भर में धान खरीदी का बहिष्कार विरोध जताएंगे।

धान खरीदी की तैयारी पर पड़ सकता है असर

हड़ताल से इन कामों पर पड़ सकता है असर
- *0 राशन वितरण*
- *0 समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारी*
- *0 माइक्रो एटीएम संबंधी कार्य, बचत बैंक*
- *0 एग्री स्टेक धान पंजीयन संबंधी कार्य*

प्रमुख मांग इस तरह

- धान खरीदी वर्ष 2023-24 और 2024-25 में धान खरीदी के बाद संपूर्ण सूखत राशि समितियों को प्रदान की जाए
- धान खरीदी में विलंब के लिए प्रत्येक सप्ताह संपूर्ण धान परिवहन सुनिश्चित करने की मांग
- समर्थन मूल्य में धान खरीदी में शार्टेज,प्रोत्साहन, कमीशन और सुरक्षा व्यय बढ़ाया जाए, तथा मध्यप्रदेश की तर्ज पर उचित मूल्य विक्रेताओं को
- 3 हजार प्रतिमाह मानदेय दिया जाए
- आउटसोर्सिंग से कंप्यूटर आपरेटर के नियोजन को विलोपित कर सालों से कार्य कर रहे धान खरीदी कंप्यूटर आपरेटरों का विभाग तय कर नियमितीकरण की मांग इसके अलावा सहकारी समितियों के कर्मचारियों को वेतन देने प्रतिवर्ष प्रत्येक समितियों को 3-3 लाख रुपए का प्रबंधकीय अनुदान राशि देने की मांग की जा रही है।

वेतन कटौती से नाराज हैं धान खरीदी कंप्यूटर आपरेटर

प्रदेश भर के धान खरीदी कंप्यूटर आपरेटर अपने 3 सूत्रीय मांगों को लेकर संभाग स्तरीय आंदोलन में शामिल हैं। वे 3 नवंबर से प्रदेश के सभी संभागों में सहकारी समिति कर्मचारी के साथ अपने लंबित मांगों को लेकर विरोध जता रहे हैं। संघ के प्रदेश अध्यक्ष ऋषिकांत मोहरे ने बताया कि प्रदेश के 2058 धान उपार्जन सहकारी समितियों में कार्यरत 2729 कंप्यूटर आपरेटर वेतन कटौती से बेहद नाराज हैं। हमारी प्रमुख मांग 12 माह के वेतन की पूर्व व्यवस्था को तुरंत बहाल करने, वेतन कटौती के निर्णय को तत्काल वापस लेने और विभाग तय कर संविलयन करने की मांग है। छत्तीसगढ़ धान खरीदी सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र कुमार साहू ने कहा है प्रदेश के सहकारी समितियो के कर्मचारियों की हड़ताल से 15 नवंबर से शुरू हो रहे समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य प्रभावित हो सकता है। हमने राज्य शासन को पहले भी अपने लंबित मांगो को पूरा कराने ज्ञापन दिया था, पर इस पर ध्यान दिया गया। इससे सहकारी समिति के कर्मचारियों और धान खरीदी कंप्यूटर आपरेटरों में आक्रोश व्याप्त है। मांग पूरी नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

नवा रायपुर सीबीडी स्टेशन के पास संदिग्ध परिस्थिति में मिली लाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- बॉडी छह से सात दिन पुरानी माना पुलिस जांच में जुटी
- हत्या कर साक्ष्य छिपाने चेहरा जलाए जाने की आशंका

नवा रायपुर स्थित सीबीडी रेलवे स्टेशन जाने वाले मार्ग पर झाड़ियों में संदिग्ध परिस्थिति में सोमवार को एक युवक की लाश मिली है। लाश छह से सात दिन पुरानी होने की आशंका जताई जा रही है। लाश पूरी तरह से सड़ चुकी है। लाश की स्थिति देख आशंका जताई जा रही है कि हत्या करने के बाद किसी ने साक्ष्य छिपाने लाश का चेहरा जलाने की कोशिश की है।

पुलिस के अनुसार लाश छह से सात दिन पुरानी है। मृतक की उम्र 30 से 35 वर्ष के करीब है। मृतक के हाथ को जानवरों ने बुरी तरह से नोच लिया है। मृतक की अब तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। शिनाख्ती के लिए पुलिस आसपास के थानों में मिसिंग पर्सन की जानकारी जुटाने के साथ फोटो संबंधित थानों की पुलिस के पास भेजी है। उल्लेखनीय है कि जहां लाश मिली है, वह व्यस्त इलाका है, पूरे समय लोगों की आवाजाही होती रहती है। इसके अलावा राज्योत्सव तथा प्रधानमंत्री के रायपुर प्रवास को देखते हुए नवा रायपुर को छावनी में तब्दील कर दिया गया था। बावजूद इसके पुलिस को सीबीडी रेलवे स्टेशन के पास लाश होने की जानकारी नहीं मिल पाई। माना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नशे की हालत में घर में घुसकर तोड़फोड़

रायपुर। सिविल लाइंस थाने में एक महिला ने एक व्यक्ति के खिलाफ नशे की हालत में घर में घुसकर तोड़फोड़ करने तथा मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। राजा तालाब निवासी निशा चौधरी ने रोहन चौधरी के खिलाफ तोड़फोड़ तथा मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। निशा ने पुलिस को बताया कि सोमवार शाम 7 बजे के करीब रोहन ने उसकी अनुपस्थिति में शराब के नशे में घर में घुसकर बच्चों के साथ गाली-गलौज कर तोड़फोड़ की। बच्चों से जानकारी मिलने पर निशा घर लौट रही थी। तब रास्ते में रोहन ने निशा के साथ मारपीट की।

बीएलओ करेंगे मतदाता परिचय पत्र का सत्यापन, आज से घर-घर पहुंचेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- सीईओ यशवंत ने दी जानकारी

छत्तीसगढ़ में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत 4 नवंबर से घर-घर गणना चरण की शुरुआत होगी। प्रक्रिया में बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता परिचय पत्र का सत्यापन करेंगे। प्रथम चरण के साथ आगे की प्रकियाओं को लेकर सोमवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार ने संवाददताओं से जानकारी साझा की है। उन्होंने छत्तीसगढ़ में एसआईआर को लेकर जानकारी दी कि प्रथम चरण की प्रक्रिया जारी है। जिनका नाम साल 2003 के एसआईआर में है, उन्हें दस्तावेज देने की जरूरत नहीं है। केवल 5-6 प्रतिशत मतदाताओं को ही दस्तावेज देने की जरूरत होगी। उन्होंने बताया कि असुविधा होने पर बीएलओ मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950 पर कॉल रिक्वेस्ट के माध्यम से मदद ले सकते हैं।

2003 को आधार मानकर मिलान

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में विगत एसआईआर की मतदाता सूची वर्ष 2003 को आधार मानकर मिलान किया गया है। बीएलओ ने वर्तमान में केवल अपने मतदान केंद्र के मतदाताओं का मिलान किया है, जो कि 71 प्रतिशत के करीब है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय, छत्तीसगढ़ के अधिकारियों ने बताया कि 2003 के बाद से आज पर्यंत कई मतदाता अन्यत्र शिफ्ट हुए हैं। मतदान केन्द्रों का परिसीमन भी हुआ है।

असुविधा होने पर हेल्प लाइन नंबर करेगा मदद : *भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर के दौरान विभिन्न नवाचारों के माध्यम से मतदाताओं को सुविधा प्रदान करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है. किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950 पर संपर्क किया जा सकता है।*

एक माह चलेगा सत्यापन

एसआईआर के लिए मतदाता सूची को मुद्रण एवं प्रशिक्षण कार्य के बाद घर-घर जाकर सत्यापन कार्य एक माह चलेगा। 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक बीएलओ करेंगे। सत्यापन पूरा होने के बाद मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन 9 दिसंबर को किया जाएगा। दावे और आपत्तियों के लिए 9 दिसंबर से 8 जनवरी 2026 तक का समय तय किया गया है। सुनवाई और सत्यापन के बाद 9 दिसंबर से 31 जनवरी तक नोटिस चरण तय किया गया है। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी को होगा।

प्रदेश में कैट ट्रांसपोर्ट इकाई का होगा विस्तार

- सभी जिला इकाइयों में होगा कैट ट्रांसपोर्ट का गठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में कैट ट्रांसपोर्ट इकाई का विस्तार किया जाएगा। सभी जिला इकाइयों में कैट ट्रांसपोर्ट का गठन होगा। शहर के चारों ओर स्थित ट्रांसपोर्टरों को इसमें जोड़ने की तैयारी है। सोमवार को संस्था के वाइस चेयरमैन अमर पारवानी की अध्यक्षता में पंडरी स्थित कैट के प्रदेश कार्यालय में ट्रांसपोर्ट के पदाधिकारियों की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड भारत सरकार के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमैन विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि कैट ट्रांसपोर्ट के पदाधिकारियों के साथ सोमवार को बैठक हुई। इसमें ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुड़े विषयों पर सारगर्भित चर्चा हुई है। श्री पारवानी ने बताया कि कैट के सभी जिला इकाइयों में कैट ट्रांसपोर्ट का गठन किया जायेगा। उन्होने कहा कि विगत दिनों छत्तीसगढ़ शासन के जीएसटी आयुक्त पुष्पेंद्र कुमार मीणा से सौजन्य मुलाकात कर ई-वे बिल नियमों में आवश्यक एवं व्यावहारिक सुधारों की मांग को लेकर पत्र सौंपा था। पत्र में ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस की भावना के अनुरूप प्रदेश के व्यापारियों एवं उद्योगपतियों की ओर से दो प्रमुख मांगें रखी गईं । इसमें एक ही जिले के भीतर माल परिवहन पर ई-वे बिल से पूर्ण छूट देने और आवश्यक वस्तुएं जैसे पुस्तकें, नोटबुक, शैक्षणिक सामग्री, ताज़ा फल-सब्जियां, डेयरी उत्पाद, खाद्य सामग्री, चिकित्सा उपकरण, कृषि निवेश व उपकरण पर राज्य में परिवहन पर ई-वे बिल से पूर्ण छूट दिए जाने की मांग की गई।

ये रहे उपस्थित

बैठक में कैट एवं कैट ट्रांसपोर्ट के पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इनमें अमर पारवानी, विक्रम सिंहदेव, परमानंदजैन, सुरिंदर सिंह, नवीन शर्मा, राजेश शर्मा, मनीराम वर्मा, जयदेव शर्मा एवं विजेन्द्र शर्मा शामिल हैं।

पहली बार नियम बदलने की तैयारी में तकनीकी विवि, खिलाड़ी छात्रों के लिए फिर से होगी परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- राज्य स्तरीय स्पर्धा के अंतर्गत कई खेलों में सीएसवीटीयू को मिले गिनती के प्रतिभागी
- परीक्षा से चूके तो नहीं मिलता खिलाड़ी छात्रों को दूसरा मौका

हरिभूमि सरोकार

स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि खिलाड़ी छात्रों के लिए अपने नियमों में बदलाव की तैयारी कर रहा है। ऐसे खिलाड़ी छात्र जो परीक्षा में इस कारण उपस्थित नहीं हो सके, क्योंकि उसी दिन उनके मैच थे, उन्हें परीक्षा दिलाने एक और मौका दिया जाएगा। अब तक यह व्यवस्था नहीं थी। यदि कोई छात्र किसी परीक्षा में खेल प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेने के कारण शामिल नहीं हो पाता है, तो उसे अनुपस्थित मानकर परिणाम जारी किए जाते हैं। अब इन खिलाड़ी छात्रों के लिए दोबारा परीक्षा की व्यवस्था की जा रही है, ताकि विद्यार्थियों में खेल संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सके। 2005 के पहले तक इंजीनियरिंग छात्रों को यह सुविधा मिलती थी। वर्ष 2005 के पूर्व तक इंजीनियरिंग महाविद्यालय पं.रविशंकर शुक्ल विवि से संबद्ध थे। उस वक्त खिलाड़ी छात्रों के लिए पृथक परीक्षाएं होती थीं। 2005 में स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि का निर्माण हुआ और इंजीनियरिंग महाविद्यालय इसके अंतर्गत आ गए। इसके बाद सीएसवीटीयू की नियमावली में नहीं होने के कारण खिलाड़ी छात्रों को यह विशेष सुविधा मिलनी बंद हो गई। अब अन्य विवि की तरह सीएसवीटी भी खिलाड़ी छात्रों को राहत देने नीति निर्माण में जुटा हुआ है। इसके लिए ड्राफ्ट तैयार किए जा रहे हैं। कार्यपरिषद की मंजूरी मिलने के बाद ही इसे लागू किया जाएगा।

अन्य विवि में पहले ही नियम

पं.रविशंकर शुक्ल विवि सहित प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों में पहले से ही यह व्यवस्था है। किसी भी राज्य अथवा राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा में भाग लेने के दौरान यदि कोई छात्र परीक्षा से वंचित रह जाता है तो विश्वविद्यालय ऐसे छात्रों के लिए पुनः परीक्षा आयोजित करते हैं। हालांकि इसके लिए छात्रों को नियमतः आवेदन करना होता है और मांगे गए दस्तावेज देने होते हैं। ना केवल प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों में, बल्कि माध्यमिक शिक्षा मंडल, सीबीएसई सहित अन्य शिक्षा बोर्ड भी अपने खिलाड़ी छात्रों को यह सुविधा देते हैं।

नहीं पहुंचे थे छात्र

स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि द्वारा राज्यभर के इंजीनियरिंग छात्रों के लिए खेल स्पर्धा आयोजित की जा रही है। कई स्पर्धाओं में गिनती के ही छात्र हिस्सा लेने पहुंच रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली परीक्षाएं सामान्यतः दिसंबर-जनवरी में होती है। इसी दौरान छात्रों की सेमेस्टर परीक्षाएं भी आयोजित की जाती हैं। विवि से चयनित होने के बाद भी राष्ट्रीय स्पर्धाओं के दौरान परीक्षा व मैच की तारीखों में टकराव की आशंका से भी छात्रों की भागीदारी कम होती है। सीएसवीटीयू के खेल निदेशक किशोर भारद्वाज के अनुसार, विवि प्रबंधन इस दिशा में कार्य कर रहा है कि किस तरह से खेलों में छात्रों की गतिविधियां बढ़ाई जाएं। इसके लिए कई व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

चैंबर प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन से की मुलाकात

- दुर्ग इकाई के शपथ ग्रहण में मुख्य अतिथि के रूप में किया आमंत्रित
- नए विधानसभा भवन लोकार्पण की दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के नेतृत्व में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से उनके निवास स्थान में मुलाकात की। इस मौके पर उन्हें चैंबर के दुर्ग इकाई के आगामी शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित होने का न्योता दिया। चैंबर के आमंत्रण को विधानसभा अध्यक्ष ने सहर्ष स्वीकार करते हुए आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी।

चैंबर के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने कहा, नए विधानसभा भवन लोकार्पण और राज्योत्सव के माध्यम से छत्तीसगढ़ की धरती पर विकास का नया अध्याय जुड़ गया है, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14,263.57 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास कर प्रदेश वासियों को अभूतपूर्व सौगात दी। इन परियोजनाओं के माध्यम से बुनियादी ढांचे, ऊर्जा, परिवहन, व्यापार, उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण विकास को नई गति और दिशा मिलेगी। श्री थौरानी ने कहा कि नवीन विधानसभा भवन लोकतंत्र का पवित्र मंदिर है। यह भव्य भवन विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह के नेतृत्व में लोकतंत्र की मर्यादा, विकास, विश्वास और संकल्प का प्रतीक बनेगा, साथ ही जनसेवा और सुशासन का नया अध्याय लिखेगा।

इस अवसर पर चैंबर सलाहकार-संजय रूंगटा, उपाध्यक्ष-शिव चंद्राकर, मंत्री-दीपक चोपड़ा, जवाहर लाल जैन, दुर्ग इकाई अध्यक्ष अनूप गटागट, चेयरमैन- किशोर जैन, सदस्य मनोज अग्रवाल, पोषण साहू, आशीष सक्सेरिया एवं विपुल साहू प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

online Booking:-www.tripuryatra.com

13 नवंबर, 18 दिसंबर, 2025, 02 जनवरी, 06 फरवरी, 28 मार्च, 10 अप्रैल, 08 मई, 15 मई, 22 मई, 05 जून 2026 (10 दिन)
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
नेपाल विदेश यात्रा
लुम्बिनि (भगवान बुद्ध का जन्म स्थान), काठमांडू (बूढ़ा नीलकंठ, बुद्ध स्तूप)
माँ मनोकामना देवी, पशुपतिनाथ, जनकपुर (सीता मैया का जन्म स्थान),
पोखरा (गुप्तेश्वर महादेव,डेविड फॉल विंध्यवासिनी मंदिर, फेवालेक),
राशिः-स्लीपर 13,500/-, 3 एसी 22,500/-, 2 एसी 25,500/-[+ 5% GST]
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
संपर्क करें:-7354-411411

21 दिसंबर 2025 11 दिन की यात्रा
By Train-रिजर्वेशन कोच
रामेश्वरम धाम यात्रा
तिरूपति बालाजी, श्री रामेश्वरम, कन्याकुमारी,
श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, त्रिवेन्द्रमपुरम केरला,
मदुरै-माँ मिनाक्षी देवी, पद्मनादम् स्वामी, सुन्द्रेश्वर महादेव,
राशिः स्लीपर-18501/- ऑफर 17,501/-, 3AC-29,501/-ऑफर 27,501/-
स्वामी तीर्थ यात्रा
संपूर्ण छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र राज्य में सबसे कम दरों पर तीर्थ यात्रा
91111-11866
Head Office : सिटी सेंटर मॉल ग्राउण्ड फ्लोर पावर हाउस रोड कोरबा (छ.ग.)

हरिभूमि लाइव

रायपुर, मंगलवार 04 नवंबर 2025

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

लाइव इवेंट

अमेरिका के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में देखी गई छत्तीसगढ़ की फिल्म भीम चिंताराम

रायपुर। अमेरिका में आयोजित प्रतिष्ठित अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में छत्तीसगढ़ की फिल्म ने भारत का मान बढ़ाया है। इस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के लिए दुनियाभर के 154 देशों से कुल 2,974 फिल्मों की प्रविष्टियां प्राप्त हुईं, जिनमें से केवल चुनिंदा फिल्मों का चयन किया गया।

पांच चरणों की कठोर चयन प्रक्रिया के बाद भारत की आठ फिल्मों को इसमें स्थान मिला और इन्हीं में छत्तीसगढ़ की "भीम चिंताराम" फिल्म भी शामिल है। यह डॉक्यूमेंट्री फिल्म एस. अंशु धुरंधर द्वारा निर्देशित है और यह राज्य के समाजसेवी व जननायक दाऊ चिंताराम टिकरिहा के जीवन पर आधारित है। फिल्म के निर्माण में तीन वर्षों का गहन अनुसंधान और 245 लोगों के साक्षात्कार शामिल हैं, जो इसे एक सशक्त और प्रामाणिक दस्तावेज बनाते हैं।

समाज में संस्कारों के महत्व को समझाने का प्रयास

इस फिल्म का प्रदर्शन 2 नवम्बर को स्टेटन आइलैंड, न्यूयॉर्क स्थित सेंटर ऑफ द आर्ट प्रमोमिंग आर्ट थिएटर में किया गया। अंतरराष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ की यह प्रस्तुति राज्य के लिए गौरव का क्षण साबित हुई है। बता दें कि दाऊ चिंताराम टिकरिहा पर एक फिल्म बनी है। नाम 'छत्तीसगढ़ के भीम चिंताराम' है। इस फिल्म में उनकी जीवनी के जरिए शरीर के लिए कसरत की तरह समाज में संस्कारों के महत्व को समझाने का प्रयास किया गया है। इसी के साथ उनकी जीवनी पर आधारित एक पुस्तक भी लिखी गई है। फिल्म में चिंताराम के अनुशासन और जीवन शैली लोगों को सकरात्मक ऊर्जा देती है।

सिटी इवेंट

शांति शिखर तनावग्रस्त लोगों को कराएगा शांति की अनुभूति

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के नए भवन एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड- शांति शिखर में सोमवार को संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका ब्रह्माकुमारी जयंती दीदी और अतिरिक्त महासचिव ब्रह्माकुमार मृत्युंजय भाई का दिव्य उद्बोधन हुआ। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी जयंती दीदी ने माउण्ट आबू मुख्यालय की ओर से रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी को चांदी का कलश भेंट किया। स्टेज पर देश-विदेश से आए सदस्यों सहित शांति शिखर के निर्माण में सहयोगी लोगों का सम्मान भी किया गया। अपने आशीर्वचन में अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका ब्रह्माकुमारी जयंती दीदी ने कहा कि इस समय दुनिया में अनेक समस्याएं हैं। परिस्थितियों से प्रभावित होकर लोग तनावग्रस्त हो रहे हैं। शांति की तलाश में भटक रहे ऐसी अशांत आत्माओं को यह भवन गहन शांति की अनुभूति कराएगा। यहां पर परमात्म प्रेरणा से इतना विशाल और सुंदर आडिटोरियम बना है तो इसके पीछे कोई विशेष प्रयोजन जरूर होगा। सबको यहां से परमात्मा शिवबाबा की पहचान मिलेगी। उन्हें शांति की अनुभूति होगी। तपस्वी ब्रह्माकुमार-कुमारियों ने अपना तन-मन-धन लगाकर इसे बनाया है, जिसके कारण इस भवन के एक-एक पत्थर में प्रेम, शांति और पवित्रता के प्रकम्पन भरे हुए हैं। इसीलिए यहां पहुंचने पर बहुत ही सुखद अनुभूति होती है।

संकल्पों से मिलती है सिद्धि

इस अवसर पर अतिरिक्त महासचिव ब्रह्माकुमार मृत्युंजय भाई ने कहा कि रायपुर सेवा केंद्र के भाई-बहनों ने तन, मन और धन इस सुंदर भवन में लगाकर अपना पुण्य जमा किया है। हम राजयोग के साधक और तपस्वी हैं। तपस्वी लोगों की वाणी वरदान बन जाती है। इसलिए कहते हैं संकल्पों से सिद्धि मिलती है। दृष्टि से सृष्टि बनती है। हमारी दृष्टि में इतनी पवित्रता हो कि हम नई सृष्टि बना सकें। कार्यक्रम का संचालन इंदौर की ब्रह्माकुमारी अनिता दीदी ने किया। माउण्ट आबू से आए बीके भानू और युगरत्न भाई ने गीत गाए। रायपुर के बाल कलाकारों ने यज्ञ की विरासत नामक नृत्य नाटक प्रस्तुत कर भावविभोर कर दिया।

तीसरे दिन स्थानीय कलाकारों के साथ बॉलीवुड सिंगर ने बनाया यादगार

छत्तीसगढ़ी लोकरंग में रंगा मंच, सिंगर भूमि के रिमिक्स गानों पर झूमे दर्शक

पद्मश्री उषा बारले

गायक राकेश शर्मा

सिंगर भूमि त्रिवेदी

राज्योत्सव के तीसरे दिन छत्तीसगढ़ की लोककला और बॉलीवुड की धुन का बेहतरीन संगम देखने को मिला। जहां स्थानीय कलाकारों ने प्रदेश की समृद्ध संस्कृति को मंच पर जीवंत किया, वहीं बॉलीवुड सिंगर भूमि त्रिवेदी की धमाकेदार प्रस्तुति ने शाम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत पद्मश्री उषा बारले की पंडवानी से हुई, जिसमें उन्होंने महाभारत के द्रौपदी चीरहरण प्रसंग को छत्तीसगढ़ी शैली में प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुति ने दर्शकों को लोककला और परंपरा से गहराई से जोड़ा। इसके बाद गायक राकेश शर्मा और उनकी टीम ने सूफी और रोमांटिक गीतों से मंच को सजाया।

रायपुर। राज्योत्सव की अंतिम प्रस्तुति में मशहूर सिंगर भूमि त्रिवेदी ने अपनी शानदार आवाज से समां बांध दिया। जैसे ही भूमि ने मंच पर कदम रखा, उन्होंने रांझण दे यार बुल्लेया... गाकर शुरुआत की, जिससे दर्शकों में उत्साह भर गया। इसके बाद उन्होंने राज्य की रजत जयंती की शुभकामनाएं दीं और फिर अपने एक से बढ़कर एक बॉलीवुड हिट गानों की प्रस्तुति दी। उड़ी उड़ी जाए, राम चाहे लीला चाहे, जुगनी जुगनी और तेरे हवाले कर दिया.., जैसे गीतों पर दर्शक झूम उठे। भूमि ने नॉन-स्टॉप हिट्स की झड़ी लगा दी। कहते हैं खुदा ने.., जीया धड़क धड़क.., और जब कोई बात बिगड़ जाए.., लग जा गले.., जैसे क्लासिक गानों को अपने अंदाज में गाकर महफिल को यादगार बना दिया। इसके साथ ही उन्होंने गुजराती फोक और गरबा स्टाइल में भी गाने गाए, जिससे लोग स्टेज के पास नाचते नजर आए। उनकी परफॉर्मेंस ने राज्योत्सव के समापन को एक संगीतमय और यादगार अनुभव बना दिया।

छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुति दिल छू गई

गायिका निशा ने तुझसे नैना मिलाई के, दमादम मस्त कलंदर.., और चल तेरे इश्क में पड़ जाते हैं.., जैसे गीतों के साथ-साथ आंखें तेरी कितनी हसीन.., चोला माटी के राम.., और तोरे रद्दा ला बनवा देव माता बंजारी.., जैसे छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुति दी, जो दर्शकों के दिलों को छू गई। शाम को बॉलीवुड सिंगर भूमि त्रिवेदी की प्रस्तुति ने पूरे माहौल को ऊर्जा से भर दिया। हर प्रस्तुति पर दर्शक झूमते नजर आए।

सिंगर बनने मुंबई आना है तो योद्धा बनकर आएं, धैर्य से ही मिलेगी सफलता

राज्योत्सव के तीसरे दिन गायिका भूमि त्रिवेदी ने अपनी प्रस्तुति से पहले हरिभूमि से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने सिंगिंग से लेकर अपने एक्टिंग कॅरियर तक के अनुभव साझा किए। भूमि ने युवाओं को संगीत के क्षेत्र में आगे बढ़ने के टिप्स भी दिए और रायपुर से जुड़ी अपनी यादें ताजा कीं।

सिंगिंग की पढ़ाई के बाद युवा मुंबई जाने की सोचते हैं, क्या यह फैसला सही है?

- अगर आपने अपने सपनों को पूरा करने का दृढ़ निश्चय कर लिया है तो जरूर मुंबई आइए और मेहनत कीजिए। लेकिन ध्यान रखें, मुंबई मायानगरी है, यहां योद्धा बनकर आना पड़ता है। धैर्य ही यहां सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। जब असफलता मिले तो रुकिए नहीं, फिर से उठिए और मेहनत कीजिए, सफलता जरूर मिलेगी।

लोगों का म्यूजिक टेस्ट बदल रहा है, पारंपरिक गरबा भी नए अंदाज़ में सुनने को मिल रहा है। इस बदलाव को आप कैसे देखती हैं?

- हर चीज में बदलाव आना स्वाभाविक है। अगर कोई सिंगर किसी पुराने गाने को नए अंदाज में गाता है और लोग उसे पसंद करते हैं तो वह गाना हिट हो जाता है। संगीत में बदलाव से लोग और अच्छे गाने सुन पा रहे हैं, इसलिए यह बदलाव सकारात्मक है।

छत्तीसगढ़ से आपका जुड़ाव काफी पुराना है, कोई यादगार लम्हा साझा करें?

- मैं अब तक यहां सात से अधिक बार लाइव परफॉर्म कर चुकी हूं। जब मैंने शाहरुख खान की फिल्म रईस में 'उड़ी उड़ी जाए' गाना गाया था तो इस गाने की पहली मंचीय प्रस्तुति 2017 में रायपुर में ही दी थी। लोगों ने इसे बेहद पसंद किया था, इसलिए रायपुर से यह गाना और मेरी यादें दोनों जुड़ गईं।

सिंगिंग में ऑटो ट्यून के बढ़ते इस्तेमाल से अब असली और नकली आवाज़ के बीच फर्क महसूस होता है, इस पर आपकी राय?

- आज के श्रोता बहुत समझदार हो चुके हैं। उन्हें पता चल जाता है कि कौन-सा गाना रियल है और कौन-सा ऑटो ट्यून से बना है। जब कोई गाना मोबाइल या टीवी पर सुनते हैं और वही लाइव सुनते हैं तो फर्क साफ़ महसूस होता है। असली आवाज हमेशा दिल को छू जाती है।

इधर... फरा, चीला, ठेठरी-खुरमी जैसे देसी स्वाद के स्टॉलों में लंबी कतार

राज्योत्सव के दौरान देर रात तक स्टॉलों में लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। रात 1 बजे तक लोग खरीदारी में जुटे रहे। खासकर हथकरघा की साड़ियां, पारंपरिक कपड़े, लकड़ी की कलाकृतियां और घर की सजावटी वस्तुएं लोगों को खासा लुभा रही थीं। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ी पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लेने भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। फरा, चीला, ठेठरी-खुरमी जैसे देसी स्वाद के स्टॉलों में लंबी कतारें देखने को मिलीं। राज्योत्सव की रौनक ने इसे सिर्फ सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक जीवंत लोक मेले में तब्दील कर दिया।

कार्नर न्यूज

भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम के सदस्यों ने विद्यार्थियों से बातचीत की

हवाई करतब साहस-एकाग्रता और धैर्य की परीक्षा मन लगाकर मेहनत करें तो कोई लक्ष्य असंभव नहीं

रायपुर। नवा रायपुर में एयर शो के लिए पहुंची सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम ने शहर के स्कूली बच्चों से मुलाकात की। सोमवार को साइंस कॉलेज स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम ने स्कूली बच्चों से आत्मीय मुलाकात की। यह मुलाकात न केवल ज्ञानवर्धक रही, बल्कि देशभक्ति और प्रेरणा से भरपूर भी थी। भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम के सदस्य ऑडिटोरियम पहुंचे, जहां उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत की। बच्चों में टीम के पायलटों और तकनीकी विशेषज्ञों को देखकर जबरदस्त उत्साह था। सभागार में तालियों की गड़गड़ाहट के बीच बच्चों ने उत्साह से उनका स्वागत किया। टीम के सदस्यों ने बच्चों को बताया कि कैसे सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम अनुशासन, सटीकता और टीमवर्क के माध्यम से आकाश में अद्भुत करतब करती है। उन्होंने समझाया कि हवाई करतब केवल कौशल का प्रदर्शन नहीं, बल्कि साहस, एकाग्रता और धैर्य की परीक्षा भी होती है। टीम ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि हर उड़ान एक जिम्मेदारी है न केवल भारतीय वायुसेना के प्रति, बल्कि पूरे राष्ट्र के गौरव के प्रति भी।

'एरोबैटिक शो' में वायुसेना के शौर्य का साक्षी बनने स्टूडेंट्स को किया इनवाइट

कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों और अभिभावकों ने कहा कि यह संवाद बच्चों के लिए अविस्मरणीय रहा। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अब भारतीय सशस्त्र बलों को नए दृष्टिकोण से देख रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में सूर्यकिरण टीम ने सभी विद्यार्थियों को 5 नवंबर को नवा रायपुर में आयोजित 'एरोबैटिक शो' में शामिल होकर भारतीय वायुसेना के शौर्य का साक्षी बनने का आमंत्रण दिया।

टीम के सदस्यों से बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे

उड़ान के दौरान टीम के पायलटों के बीच कितनी दूरी रहती है, मौसम का क्या प्रभाव पड़ता है और हवा में बने "हार्ट" या "एरोहेड" जैसे फॉर्मेशन कैसे बनाए जाते हैं। टीम के सदस्यों ने मुस्कुराते हुए हर सवाल का जवाब सरल और प्रेरक अंदाज में दिया। सूर्यकिरण टीम के सदस्यों ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल हवाई प्रदर्शन तक सीमित नहीं है, बल्कि नई पीढ़ी में देशभक्ति, अनुशासन और समर्पण की भावना जगाना भी है। उन्होंने बच्चों से कहा "हमारी उड़ान तभी सार्थक है, जब आपकी आंखों में भी उड़ने का सपना जग जाए।"

सिटी लाइव

एनआईटी में 'आदिवासी नायक' विषय पर प्रश्नोत्तरी स्पर्धा और पौधारोपण अभियान

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में जनजातीय गौरव वर्ष-2025 मनाया जा रहा है। इसकी शुरुआत 1 नवंबर से की गई है, जो आगामी 15 नवंबर तक चलेगा। इसके अंतर्गत संस्थान में विविध सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम किए जा रहे हैं। सोमवार को इसी कड़ी में जनजातीय गौरव वर्ष के उपलक्ष्य में "आदिवासी नायक" विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो. एनवी रमना राव एवं उनकी सहधर्मी, ज्योतिबाला मंथी शामिल हुई। इस दौरान पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। आदिवासी नायक विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में जहां बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं संस्थान परिवार के सदस्यों ने भाग लेकर जनजातीय नायकों के गौरवपूर्ण इतिहास को जानने की अपनी जिज्ञासा प्रदर्शित की। वहीं पौधारोपण में भी संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. एनवी रमना राव ने पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और उपस्थित सभी से पर्यावरण संरक्षण एवं हरित परिसर निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आव्हान किया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य भारत के जनजातीय समुदायों की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं तथा उनके अमूल्य योगदान के प्रति जागरूकता और सम्मान को बढ़ावा देना है।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर विशेष आयोजन भी

जनजातीय गौरव वर्ष को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेष रूप से मनाया जाएगा। इस दौरान संस्थान परिसर में अनेक आकर्षक एवं सहभागितापूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, कहानी लेखन, चित्रकला प्रतियोगिता, इनक्यूबेशन गाइडेंस व्याख्यान, पर्यावरण विषयक प्रतियोगिता, नाटक एवं नुक्कड़ नाटक, जनजातीय नृत्य, संगीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, आदिवासी कला कार्यशाला तथा संगोष्ठी का आयोजन शामिल है।

लाइव इवेंट

आनंदमय जीवन जीने के लिए आठ नवंबर से नया दृष्टिकोण शिविर

रायपुर। राजधानी रायपुर में पिछले 26 दिनों से भारत के अलग-अलग राज्यों से आए असाधारण ऊर्जा से भरे हुए कुछ युवा सुबह-सुबह विभिन्न उद्यानों में जाते हैं और दोपहर में बैठकें भी करते हैं। शाम को शहर में होने वाले सामाजिक समारोहों में शहरवासियों को एक बहुत ही नेक काम के लिए आमंत्रित करने का दायित्व निभा रहे हैं। देश-विदेश में 400 से अधिक सफल शिविरों का आयोजन करने के वाले सन टू ह्यूमन फाउंडेशन द्वारा इस बार भी शंकर नगर स्थित बीटीआई ग्राउंड में 8 से 13 नवंबर तक चलने वाले नए दृष्टिकोण वाला शिविर में निशुल्क शामिल होने के लिए आग्रह करते हैं। स्वस्थ शरीर, शांत मन और आनंदमय जीवन के लिए लोगों को सजग करने तय तिथि से पांच दिनों तक सुबह 6 से 8 बजे शिविर का हिस्सा बनने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने का आग्रह कर रहे हैं। यह जानकारी सोमवार को प्रेस क्लब में पत्रकारवार्ता में डॉ. किरणमयी नायक और परम मैत्री मां ने दी।

आज सवा 6 बजे मौन ऊर्जा यात्रा

शिविर में भाग लेने वाले हजारों लोगों ने 10-20 ही नहीं, 30 किलो तक अतिरिक्त वजन कम करके उच्च रक्तचाप, अस्थमा, माइग्रेन, मधुमेह, कब्ज जैसी बीमारियों से छुटकारा पाया है। शारीरिक और मानसिक स्तर पर भी लाभ प्राप्त किए है। थायराइड और हृदय की समस्या, अवसाद और दवाओं को अलविदा कह चुके हैं। शहर में 8वीं बार होने वाले शिविर के लिए अभी तक लगभग 5000 लोगों ने पंजीयन करा लिया है। उन्होंने बताया कि शिविर में ज्यादा से ज्यादा लोग शामिल हों, इसके लिए 4 नवंबर को सुबह सवा 6 बजे मरीन ड्राइव पर मौन ऊर्जा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। इसमें शामिल होने वालों से शिविर का लाभ प्राप्त करने वाले लोग अनुभव भी साझा करेंगे।

इवेंट लाइव

पंथी-सुआ नृत्य, गौरा-गौरी, करमा ददरिया की आज सजेगी महफिल

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल इस साल भी संत ज्ञानेश्वर सभागृह में मंगलवार शाम 6 बजे भव्य छत्तीसगढ़ राज्योत्सव मनाने जा रहा है। इसमें पंथी, सुआ नृत्य, गौरा-गौरी और करमा, ददरिया जैसी अनेक प्रस्तुतियों की श्रृंखला सजेगी। छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य मंच पर देखने को मिलेंगे। इसके लिए आयोजन प्रभारियों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने सोमवार को रिहर्सल किया। कार्यक्रम की प्रभारी गीता दलाल ने बताया कि महाराष्ट्र मंडल की महिला केंद्र की टीम, संत ज्ञानेश्वर स्कूल के विद्यार्थी और टीचर्स के साथ पर्यावरण समिति की ओर से छत्तीसगढ़ी लोकनृत्यों की प्रस्तुति दी जाएगी। अर्पणा देशमुख ने बताया कि चौबे कालोनी केंद्र की महिलाएं इस अवसर पर गौरा-गौरी नृत्य पेश करेंगी। इसकी प्रैक्टिस पूरी टीम ने महाराष्ट्र मंडल के लॉन एरिया में की। परितोष डोनगांवकर ने बताया कि कार्यक्रम में खास बात यह होगी कि इसका संचालन छत्तीसगढ़ी में किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ी बेस्ड होगा आयोजन, सजेगा मंच

अतिथियों का स्वागत, भाषण, कार्यक्रम का संचालन भी छत्तीसगढ़ी में किया जाएगा। पर्यावरण समिति के सदस्य छत्तीसगढ़ की संस्कृति को दिखाती 'सुग्घर छत्तीसगढ़' प्रस्तुत करेंगे। इसमें संस्कृति और संस्कार एक ही गीत पर नजर आएंगे। विद्यार्थियों ने भी छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य पेश करने खुद को अपडेट किया। अर्पिता बेडेकर की टीम 'विद्या के अंजोर' छत्तीसगढ़ी नाटक पेश करेंगी। साथ ही मंडल द्वारा संचालित दिव्यांग बालिका विकास गृह की बेटी महालक्ष्मी साहू छत्तीसगढ़ी गीत पर नृत्य पेश करेंगी। राज्य गीत 'अरपा पैरी के धार...' के साथ शुरू होने वाले इस छत्तीसगढ़ी राज्योत्सव का संचालन स्कूल की शिक्षिका रचना और सरिता तिवारी करेंगी।

● खारुन में कई पीढ़ियों से नाव चलाने वाले नाविकों ने समय के साथ व्यवसाय का तरीका बदला तो बढ़ी पूछपरख

नौका विहार में रील्स बनाने का बढ़ा क्रेज, नाविकों ने करवाया साज-श्रृंगार तो मिलने लगा कश्मीर जैसा लुक

एक दौर ऐसा भी था, जब नदियों के एक छोर से दूसरे छोर तक आने-जाने के लिए लोग नौका (डोंगी) का उपयोग करते थे। खारुन नदी को पार करने के लिए भी पहले नौका का इस्तेमाल किया जाता था। समय के साथ पुल-पुलिया की सुविधा बढ़ने के बाद अब नौका विहार करना लोगों के शौक का हिस्सा बनने लगा है। महादेवघाट तट पर लक्ष्मण झूला बनने के बाद पर्यटन के लिहाज से नाविक भी नौका का साज-श्रृंगार कराने पर लाख-डेढ़ लाख तक खर्च कर रहे हैं। इससे परिवार के साथ लोग नौका विहार का लुत्फ लेने लगे हैं। अब रील्स बनाने के लिए बुकिंग का क्रेज बढ़ने से रोजी-रोटी का जरिया 65 नाविकों को मिला है। इनके प्रयास से पर्यटकों को कश्मीर में नौका विहार जैसा लुक मिल रहा है।

आस्था के साथ मिलने लगा है बेहतर माहौल

लोकनाथ ढीमर ने बताया कि लक्ष्मण झूला बनने से पहले करीब 35 लोगों के पास ही डोंगी और डोंगा हुआ करता था, जिसे लोग रोजी -रोटी के लिए सामान्य तौर पर उपयोग करते थे। तब 5 से 10 रुपए एक चक्कर घुमाने का प्रति व्यक्ति से शुल्क लिया जाता था। अब 65 से ज्यादा युवा नाविक इसे रोजगार का रूप देते हुए आत्मनिर्भर भी हुए हैं। अब परिवार के साथ हाटकेश्वर महादेव का दर्शन करने आने वाले श्रद्धालु भी नौका विहार का लुत्फ उठाते हैं। इससे ग्राहकी के साथ बेहतर माहौल भी बनने लगा है। लोगों का सुबह से शाम तक आवागमन होने से खानपान की सुविधा भी बढ़ी है।

रायपुर। शहरी परिवेश में एक तय रुटीन में जीवन जीने वाले लोग तीज-त्योहार ही नहीं, खाली समय बिताने के लिए सुकून की आस लिए आउटर इलाके में पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हो चुके स्पाट की ओर रुख करने लगे हैं।

महादेवघाट का कायाकल्प होने के बाद से यहां भ्रमण के लिए आने वालों की संख्या बढ़ी है और खारुन नदी में नौका विहार के लिए बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं, बुजुर्ग पहुंचते हैं। यहां रंगबिरंगी रोशनी से सजी नौका अंधेरा होने से पहले तक लोगों को कश्मीर में नौका विहार का एहसास देती है। लोग आधा किलोमीटर एरिया में गीत-संगीत के माहौल में सुखद एहसास के लिए 50 से 100 रुपए शुल्क देते हैं। ये कहना है साज-श्रृंगार के साथ नौका चलाने का ट्रेंड शुरू करने वाले अशोक ढीमर का। उन्होंने बताया कि मई 2019 में जब महादेवघाट पर लक्ष्मण झूला बनकर तैयार हुआ तो मनोरंजन के लिहाज से आने वाले लोगों का सिलसिला भी बढ़ा। इसे देखते हुए कश्मीर में जिस तरह साज-सज्जा के साथ नौका का संचालन वहां नाविकों द्वारा किया जाता है, कुछ उसी तरह का लुक देने का प्रयोग किया। इसे देखकर वर्तमान में संचालित 65 नौका में से ज्यादातर नाविकों ने बदलाव किया है।

रील्स बनाने करते हैं आधे घंटे की बुकिंग

सोशल मीडिया प्लेटफार्म का क्रेज युवाओं में बढ़ने से नौका विहार शौक का हिस्सा बनने लगा है। रील्स बनाने का चलन भी बढ़ने लगा है। इसके लिए लोग आधे घंटे के लिए 500 से एक हजार में बुकिंग कराते हैं। शाम ढलने से पहले शौकिया तौर पर घूमने वालों की आवाजाही ज्यादा रहती है। रील्स बनाने वाले लोग पहले से ही संपर्क करने के साथ ही समय भी तय करते हैं। इससे आय का जरिया पहले से बेहतर हुआ है। नाविकों ने बताया कि पुन्नी मेला में ग्राहकी बढ़ने की उम्मीद है। इसे देखते हुए नाविकों ने साज-सज्जा में भी बदलाव किया है।

नाव के साज-सज्जा पर डेढ़ लाख खर्च

नाविक अब अपनी नाव को अलग-अलग लुक देने के लिए साज-सज्जा पर डेढ़ लाख तक खर्च करने लगे हैं। अशोक ढीमर, अनिल और गेंदलाल ने नाव को अर्टिफिशियल फूलों, रंगीन लाइटों से सजाने के साथ ग्राहकों को बैठने के लिए कॉर्पेट भी लगवाया है। इसके साथ ही म्यूजिकल साउंड सिस्टम और बैटरी भी लगवाई है। उन्होंने बताया कि इस तरह की नई पहल का अच्छा रिस्पांस ग्राहकी के रूप में भी मिलता है। इसे रोजगार की तरह चलाने वाले युवा आपसी तालमेल से ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए साज-सज्जा पर पैसे खर्च करने लगे हैं।

शादी-ब्याह से लेकर हर वेकेशन पर सोने-चांदी की जगह आर्टिफिशियल ज्वेलरी से सजने-संवरने का बढ़ा ट्रेंड

रायपुर। सोने-चांदी के बढ़ते दामों के चलते महिलाओं का रुझान अब आर्टिफिशियल ज्वेलरी की ओर तेजी से बढ़ा है। अब शादी-ब्याह, त्योहार और रोजमर्रा की जिंदगी में महिलाएं सस्ती, स्टाइलिश और चमकदार ज्वेलरी पहन रही हैं। शहर में महिलाओं का फैशन अब आर्टिफिशियल ज्वेलरी के दम पर चमक रहा है। शादी, त्योहार या ऑफिस, हर जगह महिलाएं स्टाइल और आत्मविश्वास दिखा रही हैं। सोने के दाम आसमान छू रहे हैं, लेकिन आर्टिफिशियल ज्वेलरी भी उतनी ही खूबसूरत है। इसे हर आउटफिट के साथ मैच करना भी आसान है। यह कम दाम, ज्यादा डिजाइनर, ऑनलाइन, आसानी और फैशन के हिसाब से बदलने योग्य है। राजधानी के गोलबाजार में आर्टिफिशियल ज्वेलरी शोरूम के संचालिका नेहा गुप्ता का कहना है, सोना इतना महंगा हो चुका है कि लोगों के बजट से बाहर हो चुका है।

ऐसे में डिजाइनर, स्टाइलिश और बजट के अंदर आर्टिफिशियल ज्वेलरी वुमन्स के लिए हर स्पेशल डे पर उनकी खूबसूरती को चार-चांद लगाने के लिए उपलब्ध करा रहे हैं। आर्टिफिशियल ज्वेलरी की हर रेंज शहर की वुमन्स के लिए हर वोकेशन के हिसाब से शोरूम में कलेक्शन रख रहे हैं। इसी तरह सदर रोड के कई ज्वेलरी शोरूम में भी सोने-चांदी के आभूषणों की तर्ज पर रॉयल लुक वाली आर्टिफिशियल ज्वेलरी में नेकलेस, ईयर रिंग, अंगूठी, कंगन की डिमांड बढ़ी है।

महंगे आभूषण रस्मो-रिवाज तक सिमटे

सोने-चांदी की ज्वेलरी अब पहले की तरह हर वर्ग हायर नहीं कर पा रहा है, इस वजह से उनका विकल्प आर्टिफिशियल ज्वेलरी है। कामकाजी व मध्यमवर्गीय वुमन्स के पहुंच से बाहर निकल गई है। वहीं कॉलेज की छात्राएं भी अब आर्टिफिशियल ज्वेलरी ही कैरी कर रही हैं। सोने-चांदी के आभूषण शादी के समय दूल्हा-दुलहन को रिवाज के तौर पर पहनाए जाने तक सिमटकर रह गए हैं, उसमें भी वजन व बजट में कटौती की जा रही है।

खूबसूरती और रॉयल लुक के लिए परफेक्ट ऑप्शन

गोलबाजार पहुंचीं एक महिला ग्राहक ने बताया कि सोने के दाम आसमान छू रहे हैं। महिलाओं को जेवर पहनने का बहुत शौक होता है। ऐसे में आर्टिफिशियल ज्वेलरी कम दाम में मिलती है और देखने में उतनी ही खूबसूरत है। आर्टिफिशियल ज्वेलरी एक तो सस्ती, दूसरा हर आउटफिट के साथ मैचिंग करती है। आर्टिफिशियल ज्वेलरी महिलाओं को सस्ता, स्टाइलिश और आत्मविश्वास भरा विकल्प दे रही है। हर चीज पसंद की ले सकते हैं, जो कि सोने की तरह की है। शादियों में हर महिला सोने-चांदी के आभूषण पहनना पसंद करती है, लेकिन सोना इन दिनों प्रति तोला लाख रुपए के पार पहुंच चुका है। वहीं आर्टिफिशियल ज्वेलरी उनके शौक पूरे करने व खूबसूरती, रॉयल लुक के लिए परफेक्ट ऑप्शन साबित हुई है।

संसार में उसी का जीवन सफल जिसने अपना मरना संवार लिया

रायपुर। श्री दूधाधारी मठ सत्संग भवन में जारी संगीतमय श्रीराम कथा के दूसरे दिन सोमवार को व्यासपीठ पर विराजमान अवधपुरी धाम से आए हुए अनंत श्री विभूषित स्वामी सियाराम शरण दास महाराज ने श्रोताओं को कथा सुनाते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में गुरु के वाक्यों पर विश्वास होना चाहिए। मठ के प्रमुख, राजेश्री महंत रामसुंदर दास विगत 30 वर्षों से अपने गुरुदेव राजेश्री महंत वैष्णव दास महाराज की स्मृति में श्री दूधाधारी मठ महोत्सव का आयोजन करते आ रहे हैं। हमारे सनातन धर्म में कहा गया है बंदे गुरु परंपराम, परंपरा शब्द का यही सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। ध्यान रहे, यदि गुरु के प्रति सच्ची निष्ठा हो तो परमात्मा ही गुरु बनकर आ जाते हैं। महाराज ने कहा कि संसार परमात्मा का क्रीड़ास्थल है, हम सभी भगवान के उपकरण मात्र हैं। तपस्या के बल पर ही सृष्टि टिकी हुई है, ब्रह्माजी महान तपस्वी हैं।

एक-दूसरे के प्रति हृदय में स्नेह का भाव

प्रसंग में महाराज ने बताया कि यह देश त्यागियो, बैरागियों और संन्यासियों का है। पाश्चात्य संस्कृति से जुड़े देशों में सिर्फ व्यापार होता है। भारत परिवार वादियों का देश है, यहां व्यापार नहीं, एक-दूसरे के प्रति हृदय में स्नेह का भाव होता है। यहां अनुकूल पत्नी की प्राप्ति के लिए और अनुकूल पति की प्राप्ति के लिए भी तप किया जाना चाहिए। माता पार्वती ने भारतवर्ष की बालिकाओं को यह संदेश दिया है कि प्रेम कर सकती हैं, किसी को पसंद कर सकती हैं, लेकिन जब तक पिता हाथ में कुश लेकर पानी ग्रहण न करें, तब तक कन्यादान नहीं हो सकता।

घर में बच्चे के जन्म पर ऐसे यूनिक और खूबसूरत नाम की तलाश कर रहे हैं

नव दंपति पैरेंट्स में बच्चों के प्रकृति से जुड़े मीनिंगफुल नाम रखने का ट्रेंड, सूर्य, धरती, नदी, हरियाली के अर्थ पहली पसंद

कार्नर न्यूज

रायपुर। शहर के नव दंपति पैरेंट्स में अपने बच्चों के नाम प्रकृति से जोड़कर मीनिंगफुल नाम रखने का ट्रेंड चलन में आया है। इसे प्रकृति के प्रति लोगों में आई जागरूकता से जोड़कर देखा जा रहा है। नव दंपति घर में बच्चे के जन्म पर ऐसे यूनिक और खूबसूरत नाम की तलाश कर रहे हैं, जो प्रकृति से प्रेरित लगे। पुरानी बस्ती के रहने वाले भावेश शर्मा और अपराजिता शर्मा एक बेटे के माता-पिता बने हैं। नए पैरेंट्स बने दंपति ने बेटे का नाम हिरव रखा है। इस नाम का पृथ्वी की हरियाली होता है। दंपति ने बताया कि वे दोनों ही छात्र जीवनकाल से ही प्रकृति प्रेमी हैं। शादी के बाद अब दोनों मिलकर पेड़-पौधे, बागवानी को हॉबी में शमिल किए हैं। साथ ही शहर के बाग-बगीचों में समय निकालकर पौधे भी रोपते हैं। प्रकृति को हरा-भरा देखने और उसमें योगदान देने हमेशा आतुर रहते हैं। प्रकृति के प्रति लगाव के चलते दंपति ने पहले ही सोच रखा था कि हमारा बेबी होगा तो उनका नाम प्रकृति से जुड़ा हुआ होगा। जब बेटा हुआ और उनके नाम का पहला अक्षर हि आया तो हमने हिरव रखा, जिसका अर्थ पृथ्वी की हरियाली है। प्रकृति से जुड़े नाम लड़कों से लेकर लड़कियों तक के लिए बेस्ट है, जो कभी भी नहीं होते हैं आउट आफ ट्रेंड। इसमें नेचर में आप सूरज, पेड़-पौधे, धरती, आकाश किसी भी चीज को शामिल कर सकते हैं। कुछ एक नाम आपको कॉमन लग सकते हैं, लेकिन जब बात मीनिंगफुल नेम्स की हो, तो ये नाम वाकई सबको पसंद आएंगे। हालांकि नाम रखने से पहले घर के बड़े-बूढ़ों से भी डिस्कस कर लें। लोग कहते हैं कि जैसा नाम वैसा काम, तो बच्चों के नाम ऐसे रखें, जिससे पॉजिटिविटी झलके।

ये मीनिंगफुल नाम बन रहे पहली पसंद

प्रकृति से जुड़े नवजात शिशुओं में लड़की व लड़कों के मीनिंगफुल नाम, जो आ पैरेंट्स के पहली पसंद बन रहे हैं। उन नामों में अहान नाम का अर्थ दिन है, यह यूनिक नाम लड़के के लिए चुन सकते हैं। वहीं अरनयम का अर्थ जंगल, जो लड़के के लिए यह काफी यूनिक नाम है। अवनि-पृथ्वी, लड़की के लिए यह भी एक बेहतरीन नाम है। सहर-सुबह का समय, इसे भी लड़के के लिए चुना जा सकता है। इसके अलावा माहेन-पृथ्वी, निखित-पृथ्वी, गंगा, भूपेंद्र-धरती, अकीला-धरती, भूमिका-धरती, कुमुदा-धरती की खुशी, पृथा- धरती की बेटी, उर्वी-नदी, अर्नव-समुद्र, अहीम-पानी, अशनीर-पवित्र जल, चेलन-गहरा पानी, जलेश-पानी का स्वामी, मेहुल-बारिश, नीर-साफ पानी, आरूवी-झरना, बिंदू-बारिश की बूंद, फुरत-मीठा पानी, कावेरी नदी, नमीरा- स्वादिष्ट पानी, तोया का अर्थ पानी आदि तरह के प्रकृति से जुड़े नाम ट्रेंड कर रहे हैं।

ट्विंस बेटियों का नाम रखा दक्षा और इरा

शहर के सुंदर नगर के रहने वाले दंपति अजय वर्मा और मीनाक्षी वर्मा ट्विंस बेबी गर्ल्स के पैरेंट्स बने हैं। दंपति ने ट्विंस बेटियों का नाम दक्षा और इरा रखा है। दंपति ने बताया कि दक्षा नाम का अर्थ पृथ्वी व सती होता है, जबकि इरा नाम का अर्थ धरती होता है। इस तरह से दोनों बेटियों के नाम एक-दूसरे से मिलते जुलते अर्थ वाली प्रकृति से जुड़े रखे गए हैं। दोनों बेटियों का यह नाम हमें बहुत प्यारा लगा।

पंडित ने सुझाया बेटी का नाम का पहला अक्षर 'आ'

शहर के बोरियाखुर्द निवासी विवेक अग्रवाल और रीमा अग्रवाल दंपति अभी-अभी न्यू बेबी गर्ल्स के पैरेंट्स बने हैं। उन्होंने अपनी बेटी का नाम आरुषि रखा है। विवेक ने बताया कि बेटी के नामकरण के लिए पंडित जी ने जब पहला अक्षर 'आ' सुझाया तो उसी अक्षर के अनुरूप प्रकृति से जोड़ते हुए नाम सर्च किया तो आरुषि नाम सभी को पसंद आया। आरुषि नाम का अर्थ सूर्य की पहली किरण होता है। इस तरह हमारी बेटी फैमिली में पहली बेटी है तो उनका नाम घर की आंगन में आने वाली सूर्य की पहली किरण की तरह है।

ज्योतिष

मंगल ने बनाया केंद्र त्रिकोण राजयोग, इन राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन

वैदिक ज्योतिष शास्त्र में मंगल को ग्रहों का सेनापति माना जाता है। हाल में मंगल वृश्चिक राशि में प्रवेश किया है। अपनी स्वराशि में आने से मंगल ने पंचमहापुरुष में से एक रूचक राजयोग का निर्माण कर रहे हैं। इसके अलावा मंगल केंद्र त्रिकोण राजयोग का भी निर्माण कर रहे हैं। मंगल के इस योग का निर्माण करने से कुछ राशि के जातकों को विशेष लाभ मिल सकता है।

सिंह राशि : मंगल सिंह राशि के नवम भाव के स्वामी होकर चौथे भाव में यानी केंद्र के भाव में गोचर कर रहे हैं। ऐसे में इस राशि के जातकों को विशेष लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही रूचक राजयोग आपके जीवन में खुशियों की दस्तक कर सकता है। बॉस और वरिष्ठ अधिकारी आपके काम से प्रसन्न हो सकते हैं। उनका आपको पूरा सहयोग मिल सकता है। ऐसे में आप बड़े से बड़ा लक्ष्य पूरा कर पाने में सफल हो सकते हैं। आय के नए साधन खुल सकते हैं। ऐसे में आपकी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी हो सकती है। इसके अलावा कर्क राशि में विराजमान गुरु भी आपके लिए लाभकारी हो सकता है।

कर्क राशि

इस राशि में दशम भाव यानी केंद्र का भाव स्वामी होकर मंगल पंचम भाव में विराजमान है। इस राशि के जातकों को संतान की ओर से अच्छी खबर मिल सकती है। नौकरीपेशा जातकों को नई नौकरी के कई अवसर मिल सकते हैं। इसके साथ ही जीवन में खुशियां ही खुशियां आ सकती है। इस दौरान अच्छा खासा मुनाफा कमा पाने में सफल होंगे। शासन-प्रशासन या राजनीति के क्षेत्र से जुड़े हुए जातकों को भी काफी अच्छा लाभ हो सकता है।

मेष राशि : मेष राशि के अष्टम भाव में मंगल विराजमान है। मंगल की चौथी दृष्टि एकादश भाव पर पड़ रही है। अष्टम का जब एकादश से संबंध बनता है तो जातक को आकस्मिक धन लाभ हो सकता है। इस राशि के जातकों को गुप्त धन का प्राप्ति हो सकती है और डूबा हुआ पैसा भी वापस मिल सकता है। मानसिक तनाव से भी मुक्ति मिल सकती है। भगवान हनुमान की पूजा करने से विशेष फलों की प्राप्ति हो सकती है।

इन राशियों को 11 नवंबर से मिल सकता है किस्मत का साथ

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस समय गुरु बृहस्पति अतिचारी अवस्था में हैं यानी वे एक वर्ष में एक राशि से आगे बढ़ने के बजाय आने वाले सात वर्षों में सभी बारह राशियों में एक-एक बार प्रवेश करेंगे। बता दें कि गुरु 11 नवंबर से 5 दिसंबर 2025 तक कर्क राशि में वक्री रहेंगे। इसके बाद मिथुन राशि में वक्री हो जाएंगे और 11 मार्च को मार्गी हो जाएंगे। गुरु के वक्री होने से इन राशि के जातकों की किस्मत साथ देगी।

मकर राशि : इस राशि में गुरु सप्तम भाव में वक्री हो रहे हैं। उच्च होने के कारण गुरु वक्री होकर भी इस राशि के जातकों के जीवन में खुशियां लेकर आ सकते हैं। अविवाहितों को शादी का प्रस्ताव आ सकता है। इसके साथ ही दांपत्य जीवन में खुशियों की दस्तक हो सकती है। नौकरीपेशा जातकों को पदोन्नति के साथ धन लाभ के योग बन रहे हैं। गुरु की दृष्टि लग्न, एकादश और तीसरे भाव पर पड़ेगी। ऐसे में इस राशि के जातकों के आमदनी में तेजी से वृद्धि हो सकती है।

कन्या राशि : इस राशि में गुरु ग्यारहवें भाव में वक्री होंगे। ऐसे में इस राशि के जातकों की लंबे समय से रुकी हुई कई इच्छाएं पूरी हो सकती है। इस राशि के जातकों के जीवन में प्रगति के मार्ग खुलेंगे। गुरु का प्रभाव चौथे, पांचवें, छठे, सातवें और ग्यारहवें भावों पर रहेगा। लाभ भाव में वक्री होने से इस राशि के जातकों को घर, वाहन, प्रापर्टी आदि में लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी और कर्ज से भी मुक्ति मिलेगी।

वृषभ राशि : इस राशि में गुरु बृहस्पति तृतीय भाव में वक्री होंगे। गुरु अष्टम भाव के स्वामी है। इसके साथ ही वह नौवें भाव में दृष्टि डालेंगे। ऐसे में इस राशि के जातकों को किस्मत का पूरा साथ मिल सकता है। लंबे समय से जीवन में चली आ रही समस्याएं समाप्त हो सकती है। बाधाओं से भी राहत मिल सकती है। गुरु के प्रभाव से अध्यात्म की ओर आपका अच्छा खासा झुकाव हो सकता है। गुरु की दृष्टि सप्तम भाव में पड़ने से विवाह के योग बनेंगे। व्यापार के क्षेत्र में लाभ मिल सकता है। नए ऑर्डर मिलने के योग बन रहे हैं।

त्वचा फटने लगती है और खुजली व जलन भी बढ़ती

सर्दियों में शुष्क होकर फटने लगी है त्वचा इस तरह देखभाल करें नहीं होगी परेशानी

सर्दियां शुरू होते ही हम सबकी त्वचा डल और ज्यादा शुष्क हो जाती है। इस समय सबसे ज्यादा परेशानी शुष्क त्वचा वाले लोगों को झेलनी पड़ती है। हवा में नमी न होने की वजह से त्वचा फटने लगती है और खुजली व जलन भी बढ़ती है। ऐसे में सही तरीके से त्वचा की देखभाल करना और अच्छे उत्पाद इस्तेमाल करना फायदेमंद हो सकता है। आज के लेख में जानिए आप सर्दियों में शुष्क त्वचा से छुटकारा कैसे पा सकते हैं।

ग्लिसरीन और गुलाब जल मिलाकर लगाएं

सर्दियों के मौसम में आपको रोजाना ग्लिसरीन और गुलाब जल का टोनर इस्तेमाल करना चाहिए। इसे बनाने के लिए एक कटोरी में बराबर मात्रा में ग्लिसरीन और गुलाब जल मिलाएं। इसे स्प्रे बोतल में भरकर रखें और रोजाना 2 बार त्वचा पर छिड़कें। यह टोनर न केवल आपकी त्वचा को नमी प्रदान करेगा, बल्कि खुजली को भी शांत कर देगा। इसकी मदद से त्वचा हाइड्रेटेड रहेगी और एक प्राकृतिक चमक भी मिल जाएगी।

नारियल तेल का उपयोग करें

सर्दियों में त्वचा पर नारियल तेल लगाना सबसे बढ़िया निर्णय होगा, क्योंकि इसकी मदद से त्वचा हाइड्रेटेड रहती है। इसमें फैटी एसिड मौजूद होते हैं, जो त्वचा की नमी को बनाए रखने में सक्षम होते हैं। इसमें सूजनरोधी और जीवाणुरोधी गुण भी होते हैं, जो एक्जिमा और सोरायसिस जैसी स्थितियों का इलाज करने में सहायक होते हैं। त्वचा पर लगाने से पहले नारियल तेल को हल्का गुनगुना कर लें, ताकि ज्यादा फायदा हो।

एवोकाडो का फेस पैक इस्तेमाल करें

सर्दियों में रसायन युक्त फेस पैक इस्तेमाल करने से परहेज करना चाहिए, जो त्वचा को और शुष्क बनाते हैं। ऐसे में त्वचा विशेषज्ञ एवोकाडो से बना हर्बल फेस पैक लगाने की सलाह देते हैं। इस फल में स्वस्थ वसा, कई तरह के विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। इसके फैटी एसिड नमी को बनाए रखने में मदद करते हैं, जबकि विटामिन-सी और ई त्वचा को स्वस्थ रखते हैं।

ओट्स के पानी से नहाएं

सर्दियों में लोग गर्म पानी से नहाते हैं, जो त्वचा को और शुष्क बना देता है। इसकी जगह पर आपको ओट्स वाले गुनगुने पानी से नहाना चाहिए। ऐसा करने से खुजली से आराम मिलता है और नमी बनी रहती है। ओट्स में बीटा-ग्लूकेन्स होते हैं, जो जलन को शांत करते हैं और त्वचा को फटने नहीं देते। गुनगुने पानी में एक कप ओट्स डालें और उसे 20 मिनट भीगने दें। जब पानी का रंग बदल जाए तब उससे स्नान करें।

मलाई भी आएगी काम

भारत के ज्यादातर लोग त्वचा को हाइड्रेटेड रखने के लिए दूध की मलाई लगाते हैं। यह शुष्क त्वचा से छुटकारा पाने और खुजली व त्वचा के फटने की समस्या का इलाज करने में मदद करती है। मलाई में लैक्टिक एसिड पाया जाता है, जो मृत त्वचा को हटाने में सहायता करता है। इसकी वसा त्वचा में प्रवेश करके गहराई तक नमी प्रदान करती है। मलाई को 10 मिनट त्वचा पर लगाकर रखें और गुनगुने पानी से साफ कर लें।

सर्दियों में क्रॉप हुडी पहनकर आप दिखेंगी सुंदर इन तरीकों से की जा सकती है स्टाइल

सर्दी के मौसम ने दस्तक दे दी है, जो गर्म कपड़े निकालने का समय है। इस मौसम में महिलाएं स्वेटर, जैकेट और हुडी जैसे कपड़े पहनना पसंद करती हैं। हालांकि, पिछले कुछ सालों से क्रॉप हुडी महिलाओं की पसंदीदा बन गई हैं। ये छोटी हुडी होती हैं, जिनकी लंबाई पेट तक होती है। ये कपड़ा कई अलग-अलग डिजाइन और टेक्सचर में उपलब्ध रहता है। आज फैशन टिप्स में जानिए आप क्रॉप हुडी को किन तरीकों से स्टाइल कर सकती हैं।

वाइड लेग जींस के साथ पहनें- क्रॉप हुदी के साथ जो बॉटम वियर सबसे अच्छा लगेगा, वह है वाइड लेग जींस। ये जींस ढीली-ढाली, चौड़े पैर वाली और हाई वेस्ट वाली होती हैं। ये जींस इन दिनों सबसे ज्यादा वायरल हैं, जो कार्गो, पैंट और अन्य डिजाइन में उपलब्ध रहती हैं। ज्यादातर रंगों वाली क्रॉप हुडी के साथ नीली जींस बढ़िया लगती हैं। इस तरह के आउटफिट के साथ स्नीकर्स या क्रॉक्स पहनकर आप सबसे सुंदर दिखेंगी।

मिनी स्कर्ट के साथ पेयर करें- अगर आप सर्दियों में किसी डेट पर जा रही हैं तो क्रॉप हुडी के साथ मिनी स्कर्ट पहनकर देखें। अगर आप सही तरह से इसे स्टाइल करेंगी तो ठंड में भी यह बॉटम वियर पहना जा सकता है। सबसे पहले पैरों में फ्लीस लेगिंग पहनें, जो गर्माहट प्रदान करती हैं। इसके ऊपर स्कर्ट पहनें और लंबे बूट्स स्टाइल करें। इस तरह के लुक के साथ मैरून, नारंगी, लाल या काले रंग की क्रॉप हुडी सबसे अच्छी लगेंगी।

ट्रैक पैंट के साथ लगेगी सुंदर- अगर आप एक कैजुअल लुक पाना चाह रही हैं तो क्रॉप टॉप के साथ ट्रैक पैंट शानदार लगेंगी। ट्रैक पैंट हल्की एथलेटिक पैंट होती हैं, जिन्हें आम तौर पर जॉगिंग आदि के दौरान पहना जाता है। आप ग्रे रंग की ट्रैक पैंट के साथ ग्रे क्रॉप हुडी पहन सकती हैं। आपको इस बॉटम वियर के साथ चेन वाली हुडी पहननी चाहिए, जो हल्की ढीली हो। इसके साथ आप कोई भी कैजुअल चप्पल पेयर कर सकती हैं।

लेगिंग के साथ स्टाइल करें- क्रॉप हुडी को स्टाइल करने का एक और अच्छा तरीका है उसे लेगिंग के साथ पेयर करना। इस बॉटम वियर को टाइटस भी कहते हैं, जो पैरों से चिपका हुआ होता है। इसे पॉलिएस्टर, नायलॉन और स्पैंडेक्स जैसे कपड़ों से बनाया जाता है, ताकि ये खिचने योग्य हो। यह लुक इन दिनों सबसे ज्यादा ट्रेंड में है, जिसे अभिनेत्रियों ने वायरल किया है। इसके साथ ऊनी टोपी पहनें और बड़े जूते स्टाइल कर लें।

शॉर्ट्स या जोट्र्स के साथ पहनकर देखें- सर्दी होने के बावजूद भी आप क्रॉप हुडी के साथ शॉर्ट्स या जोट्र्स पहन सकती हैं। अगर आप हल्की ठंड वाले इलाके में रहती हैं तो ऐसे ही शॉर्ट्स और जोट्र्स स्टाइल कर लें। हालांकि, अगर आपके इलाके में ज्यादा ठंड है तो इन बॉटम वियर के नीचे फ्लीस लेगिंग पहन लें। इस लुक के साथ मोजे और स्नीकर्स पेयर करें और बैकपैक कैरी कर लें। इन तरीकों से क्रॉप हुडी पहनकर आप सबसे अलग और खास लगेंगी।

पारंपरिक परिधान के साथ पहनें स्टाइलिश व आरामदायक फुटवियर्स, मिलेगा अलग लुक

भारतीय महिलाएं पारंपरिक कपड़ों के साथ फुटवियर्स का मेल करना पसंद करती हैं क्योंकि ये न केवल आरामदायक होती हैं, बल्कि पारंपरिक कपड़ों के साथ भी अच्छी लगती हैं। चाहे वह लहंगा-चोली हो या साड़ी, जूतियां हर मौके पर एक अलग ही रौनक बिखेरती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे फुटवियर्स के बारे में बताएंगे, जो आपके पारंपरिक कपड़ों के साथ बहुत अच्छी लगेंगी और आपको एक खास लुक देंगी।

जूतियां- जूतियां एक पारंपरिक भारतीय जूता है, जो आमतौर पर काले या भूरे रंग में आती है। इनका डिजाइन साधारण होता है, लेकिन ये बहुत ही आरामदायक होती हैं। जूतियों को आप लहंगा-चोली के साथ पहन सकती हैं और यह आपके पूरे लुक को एक नया आयाम देती है। इनका उपयोग आप शादी या किसी बड़े समारोह में भी कर सकती हैं, जहां आपको लंबे समय तक खड़ा रहना पड़ता है।

मोजड़ी- मोजड़ी एक और पारंपरिक जूता है, जो अपने अनोखे डिजाइन और आरामदायक फीचर्स के कारण बहुत लोकप्रिय है। ये आमतौर पर चमड़े से बनी होती हैं और इन पर हाथ से कढ़ाई की जाती है, जिससे इनका लुक बेहद खास लगता है। मोजड़ी को आप किसी भी पारंपरिक पोशाक जैसे कुर्ती सेट या लहंगा-चोली के साथ पहन सकती हैं। यह आपके पूरे लुक को निखारता है और आपको एक शाही अंदाज देता है।

कोल्हापुरी चप्पल- कोल्हापुरी चप्पल महाराष्ट्र की एक खासियत है, जो अपने मजबूत निर्माण और सुंदर डिजाइन के लिए जानी जाती हैं। ये आमतौर पर चमड़े से बनाई जाती हैं और इन पर हाथ से कढ़ाई की जाती है। कोल्हापुरी चप्पल को आप किसी भी पारंपरिक कपड़ों जैसे कुर्ती सेट या साड़ी के साथ पहन सकती हैं। यह आपके पूरे लुक को एक नया आयाम देती है और आपको एक खास पहचान देती है।

ब्लॉक हील्स सैंडल्स- ब्लॉक हील्स सैंडल्स आधुनिक फैशन का हिस्सा बन गए हैं, जो पारंपरिक कपड़ों के साथ भी अच्छे लगते हैं। इनकी मोटी एड़ी इन्हें आरामदायक बनाती है, जबकि इनका डिजाइन इन्हें स्टाइलिश बनाता है। ब्लॉक हील्स सैंडल्स को आप किसी भी प्रकार की पारंपरिक कपड़ों जैसे लहंगा-चोली या साड़ी के साथ पहन सकती हैं।

यह आपके पूरे लुक को एक नया आयाम देती है और आपको एक खास पहचान देती है।

गर्माहट देने वाले इन व्यंजनों को सर्दियों में बनाएं डाइट का हिस्सा बीमारियों से रहेंगे सुरक्षित

सर्दियों के दौरान कुछ ऐसा खाने का दिल करता है, जो शरीर को गर्माहट दे सके। इस मौसम में सर्दी-जुखाम होने का खतरा रहता है, जिनसे सही डाइट लेकर सुरक्षित रहा जा सकता है। ऐसे में आपको इस दौरान ये गर्म व्यंजन खाने चाहिए। इनके सेवन से न केवल गर्माहट मेहसूस हो सकती है, बल्कि आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ सकती है। आइए इन सभी की रेसिपी पर नजर डालते हैं।

झोल मोमो

झोल मोमो बनाने के लिए सबसे पहले मैदे में नमक और थोड़ा-सा तेल मिलाकर मुलायम आटा गूंध लें। अब तैयार आटे को बेलें और उसकी छोटी-छोटी गोल पूड़ियां बनाएं। मोमो की स्टफिंग तैयार करने के लिए सब्जियों को कद्दूकस करके हल्का भून लें। इसके बाद पूड़ियां में स्टफिंग भर कर मोमो को आकार दें और स्टीम करें। झोल बनाने के लिए सफेद तिल, मूंगफली, टमाटर, जीरा और मसाले पीसें और इसमें मोमो डालकर खाएं।

आटे की पिन्नी

आटे की पिन्नी बनाने की शुरुआत मेवे काटने से होगी। अब एक पैन में घी गर्म करें और उसमें गोंद डालकर चिपचिपा होने तक पकाएं।

इसे ठंडा करने के बाद मिक्सी में पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब पैन में काटे हुए मेवों को डालें और धीमी आंच पर भून लें। इसी पैन में दोबारा घी डालें और गेहूं का आटा डालकर मिलाएं। अब चीनी समेत सभी अन्य सामग्रियों को मिलाएं और लड्डू बनाकर स्टोर करें।

लहसुन का अचार

सर्दियों में शरीर को गर्म रखने के लिए आप लहसुन का अचार खा सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले लहसुन को छीलकर साफ कर लें और उन्हें धूप में रखकर सुखा लें। एक दिन लहसुनों को सुखाने के बाद उन्हें तल लें। एक पैन में सरसों के बीज, जीरा, मेथी के दाने और धनिया डालकर भूनें और उन्हें पीसें। इसमें नमक, गर्म तेल और तले हुए लहसुन डालें और कांच की बरनी में भरकर धूप में सुखाएं।

ब्रोकली चेडर सूप

सर्दियों में अगर गर्मा-गर्म ब्रोकली चेडर सूप मिल जाए तो ठंड दूर भाग जाती है। इसे तैयार करने के लिए, प्याज,

लहसुन, गाजर, ब्रोकली और अपनी पसंद की सब्जियां काट लें। इन्हें मुलायम होने तक भून लें और एक चम्मच मैदा भी भून लें। इसमें सब्जियों का शोरबा शामिल करें और अपने मन चाहे मसाले मिला दें। इसके बाद इसमें ढेर सारी चेडर चीज मिलाएं, ताकि सूप गाढ़ा और ज्यादा लजीज बन जाए। ऊपर से क्रीम डालें और सेवन करें।

अखरोट का हलवा

अखरोट का हलवा एक पौष्टिक व्यंजन है, जो ठंड के मौसम में शरीर को गर्मी प्रदान करता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले अखरोट को बारीक पीस लें। अब घी में इसे भूनकर दूध डालें और धीमी आंच पर पकाएं। इसमें चीनी डालकर अच्छी तरह से मिलाएं और इलायची पाउडर डालकर स्वाद बढ़ाएं। यह हलवा न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड भी होता है, जो दिल की सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

जस्टिन बीबर के बेटे ने रिएक्रिएट किया पापा का 2010 का आइकॉनिक लुक

जस्टिन बीबर और हैली बीबर के बेटे जैक 14 महीने के हैं। उनकी एक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। फैंस उनकी तस्वीर पर दिल हार बैठे हैं, क्योंकि उन्होंने अपने पापा का 15 साल पुराना आइकॉनिक लुक रीक्रिएट किया है। उन्होंने हैलोवीन पर अपने बेटे को ऐसे लुक में तैयार किया था। कैनेडियन पॉप सिंगर जस्टिन बीबर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। इस बार वो अपने 14 महीने के बेटे जैक के कारण सुर्खियां बटोर रहे हैं। दरअसल, जस्टिन के बेटे जैक ने हैलोवीन पर अपने पापा का साल 2010 का आइकॉनिक लुक को रीक्रिएट किया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही फोटो पर फैंस दिल हार बैठे हैं। इस साल हैलोवीन पर जस्टिन बीबर के बेटे जैक ने साबित कर दिया है कि उनके अंदर पापा के म्यूजिक जीन विरासत में मिले हैं। वो अभी 14 महीने के ही हैं, लेकिन अपने लुक से सुर्खियां बटोर रहे हैं। उन्होंने अपने पापा के सबसे यादगार लुक्स में से एक 'माई वर्ल्ड टूर' के दौर को दोहराया है। जस्टिन के बेटे जैक की ये फोटो देखकर फैंस पुरानी यादों में खो गए हैं। जब जस्टिन ने 15 साल पहले व्हाइट कलर की जैकेट के साथ पर्पल कलर की हुडी पहनी थी। उस समय जस्टिन 14 साल के थे। हैली ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'जेबीबी की तरफ से हैप्पी हैलोवीन।' मालूम हो कि जस्टिन का जन्म साल 1994 में हुआ था। वो कनाडा के फेमस सिंगर हैं।

टॉलीवुड

बाहुबली: द एपिक से उड़ा दिया गया तमन्ना का लव सॉन्ग

एस. एस. राजामौली के निर्देशन में बनी 'बाहुबली: द एपिक' हाल ही में रिलीज हुई। ये फिल्म कोई नई कहानी नहीं बल्कि उनकी पुरानी दोनों ब्लॉकबस्टर फिल्मों ' बाहुबली: द बिगिनिंग ' और 'बाहुबली: द कन्क्लूजन' को ही काट छांट कर तैयार की गई है। एस. एस. राजामौलीने हाल ही में बताया कि उन्होंने तमन्ना भाटिया का एक रोमांटिक सॉन्ग इस फिल्म के नए वर्जन से क्यों हटा दिया। राजामौली ने कहा है कि जब उन्होंने 'बाहुबली: द बिगनिंग' और 'बाहुबली 2: द कन्क्लूजन' दोनों फिल्मों को जोड़कर एक ही फिल्म 'बाहुबली: द एपिक' के रूप में दिखाने का फैसला किया, तो इसकी लंबाई करीब 5 घंटे 27 मिनट की हो गई। चूंकि दर्शकों के लिए ये स्क्रीन टाइम काफी लंबी थी, इसलिए टीम को इसे लेकर कुछ फैसले लेने पड़े। राजामौली ने एक प्रमोशनल चैट के दौरान प्रभास और राणा दग्गुबाती के साथ बातचीत में कहा कि नई फिल्म के वर्जन में कई सीन शामिल नहीं किए गए हैं। इसके पीछे की वजह भी उन्होंने बताई। राजामौली ने कहा, 'हर सीन अपने आपमें खास था, लेकिन जब हमने दोनों फिल्मों को मिलाया तो कहानी बहुत लंबी और धीमी लगने लगी। हमें तय करना पड़ा कि क्या रखना है और क्या छोड़ना है। इसलिए हमने यह ध्यान रखा कि फिल्म सिर्फ कहानी पर केंद्रित रहे, न कि हर छोटे-छोटे रोमांटिक या गाने वाले हिस्सों पर।' इस काट-छांट में तमन्ना भाटिया और प्रभास के बीच का लव सॉन्ग 'पाचा बोट्टेसिना' और कुछ सीक्वेंस को हटाना पड़ा। राजामौली ने कहा कि यह फैसला आसान नहीं था, क्योंकि यह गाना उस वक्त काफी पसंद किया गया था लेकिन नई फिल्म का मकसद कहानी को सीधा और तेजी से आगे बढ़ाना था। उन्होंने बताया कि कुछ युद्ध वाले सीन और दूसरे गाने जैसे 'कन्नानिदुरिंचरा' और 'इरुकुपो' को भी हटाना पड़ा ताकि कहानी एक लय में चले।

भोजपुरी

मोनालिसा ने माइक्रो ड्रामा सीरीज में मारी है एंट्री

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपना एक रोमांटिक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। इस वीडियो में मोनालिसा 'सैयारा' के गाने पर एक्ट करती दिख रही हैं, जिसके बाद क्रू उनका वीडियो देख रहे हैं। सोशल मीडिया पर मोनालिया के इस वीडियो की तारीफ जमकर हो रही। अपनी एक्टिंग के लंबे सफर को तय करते हुए भोजपुरी एक्ट्रेस ने अब माइक्रो ड्रामा सीरीज में हाथ आजमाया है। मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर सीरीज की पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। मोनालिसा ने कैप्शन लिखा, 'मेरे प्यारे दर्शकों, मेरे नए प्रोजेक्ट को इतना सारा प्यार देने के लिए आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद। पहली पहल हमेशा खास होती है और यह मेरी पहली माइक्रो ड्रामा सीरीज है। सभी दर्शकों को यह इतनी पसंद आई। सच में बहुत अच्छा लग रहा है। मेरे को-एक्टर्स, प्रोड्यूसर, डायरेक्टर समेत पूरी टीम को धन्यवाद।' इस पोस्ट में पीछे 'सैयारा' का टाइटल ट्रैक सुनाई दे रहा है। इसी गाने पर मोनालिसा अपने शो के हीरो के साथ रोमांटिक पोज़ देती दिख रही हैं। लोगों ने उनके इस एक्ट की खूब तारीफ भी की है। बहुत से लोगों ने परफेक्ट जोड़ी कहा है। एक ने कहा- एक तरफ घर वाला और एक तरफ बाहर वाला, ये है बीवी नंबर 1। यूं तो हिंदी सिनेमा में मोनालिसा ने कई फिल्में कीं, लेकिन उन्हें असल पहचान भोजपुरी सिनेमा से मिली थी। उन्होंने 2008 में 'भोले शंकर' से भोजपुरी इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। मोनालिसा ने अपने फिल्मी सफर में 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। साथ ही साथ उन्होंने कई आइटम सॉन्ग्स में भी डांस किया है।

लाइफ स्टाइल

पलक गिरा गईं हुस्न की बिजलियां

25 की उम्र में ही अपने स्टाइल को लेकर अलग पहचान बनाने वाली पलक तिवारी यहां फैशन डिजाइनर प्रबल गुरुंग के स्टनिंग स्ट्रैपलेस गाउन में नजर आ रही हैं। जिसमें उन्हें हमेशा की तरह विक्टर और सोहेल ने स्टाइल किया। जिसमें पलक का सिजलिंग रूप देखते ही बना। जिसे उन्होंने कैरी भी बड़े ही ग्रेसफुल तरीके से किया। ब्लैक शीयर फैब्रिक से बनी रफल डीटेलिंग के साथ बनाया बो जैसा पैटर्न इसमें ग्लैमर का टच ले आया।

जींस खरीदना इतना आसान नहीं, खरीदने से पहले बहुत कुछ बातें समझना जरूरी

जींस एक ऐसा कपड़ा है, जो हर किसी की अलमारी में होता है। यह न केवल आरामदायक होता है, बल्कि स्टाइलिश भी दिखता है। हालांकि, सही जींस चुनना आसान नहीं होता, खासकर जब बात महिलाओं की हो। सही जींस चुनने के लिए सबसे पहले अपने शरीर के आकार को समझना जरूरी है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि किन बातों का ध्यान रखकर आप अपने लिए सही जींस चुन सकती हैं।

शरीर के आकार को समझें- सबसे पहले अपने शरीर के आकार को समझें। महिलाओं के शरीर के मुख्य तीन आकार (सेब, नाशपाती और सीधा) होते हैं। सेब आकार में कंधे और कमर चौड़े होते हैं, जबकि नाशपाती आकार में कंधे पतले होते हैं और सीधा आकार में कंधे, कमर सभी समान होते हैं। अपने शरीर के आकार को पहचानकर आप आसानी से यह तय कर सकती हैं कि कौन सी जींस आपके लिए सही होगी।

सही फिटिंग चुनें- जींस खरीदते समय फिटिंग पर खास ध्यान दें। सही फिटिंग वाली जींस न केवल आरामदायक होती हैं, बल्कि आपके शरीर के आकार को भी अच्छा दिखाती हैं। अगर आपकी जींस ढीली होगी तो वह आपके लुक को बेकार बना सकती है और अगर बहुत टाइट होगी तो पहनने में असुविधा होगी। इसलिए हमेशा अपनी माप लेकर ही जींस खरीदें ताकि वह सही से फिट हो और आपको आरामदायक महसूस हो।

रंग का चयन करें- जींस का रंग भी अहम होता है। अगर आप पहली बार जींस खरीद रही हैं तो गहरा नीला या काला रंग चुनें क्योंकि ये रंग हर किसी पर अच्छे लगते हैं और किसी भी तरह के टॉप के साथ मेल खा सकते हैं।

इसके अलावा ये रंग गंदगी नहीं दिखाते और लंबे समय तक नए जैसे रहते हैं। अगर आप थोड़ी अलग पसंद रखती हैं तो ग्रे या गहरा ग्रे भी आजमा सकती हैं।

कपड़े की गुणवत्ता देखें- जींस खरीदते समय उसके कपड़े की गुणवत्ता पर ध्यान दें। सूती कपड़ा सबसे अच्छा माना जाता है क्योंकि यह आरामदायक होता है और लंबे समय तक चलता है। इसके अलावा इसमें हवा भी गुजरती रहती है जिससे गर्मी नहीं लगती। पॉलिएस्टर मिश्रित कपड़े

स्टाइल पर ध्यान दें

अंतिम लेकिन जरूरी बात यह है कि जींस का स्टाइल भी मायने रखता है। बेल बॉटम, स्ट्रेट कट, स्किनी आदि

सभी स्टाइल अपने-अपने तरीके से अच्छे लगते हैं। लेकिन आपको कौन सा स्टाइल ज्यादा पसंद है, यह आपके व्यक्तिगत चयन पर निर्भर करता है। इसलिए जब भी आप नई जींस खरीदने जाएं तो इन सभी बातों का ध्यान जरूर रखें ताकि वह आपकी शारीरिक बनावट और पसंद के अनुसार सही से चुनी जा सके।

शर्ट ड्रेस को ऐसे करें स्टाइल लगे सबसे खूबसूरत और रहे आरामदायक

फैशन

आजकल शर्ट ड्रेस का चलन बहुत बढ़ गया है। यह न केवल आरामदायक होती है, बल्कि स्टाइलिश भी लगती है, खासकर ऑफिस के माहौल में, जहां पेशेवर और आरामदायक दिखना जरूरी होता है। शर्ट ड्रेस को सही तरीके से पहनने और स्टाइल करने से आप न केवल पेशेवर लग सकती हैं, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ा सकती हैं। आइए कुछ आसान और प्रभावी टिप्स जानते हैं, जिनसे आप शर्ट ड्रेस को ऑफिस के लिए खास बना सकती हैं।

सही फिटिंग का चयन करें

शर्ट ड्रेस खरीदते समय उसकी फिटिंग पर खास ध्यान दें। अगर ड्रेस ढीली होगी तो वह आपको असुंदर दिखा सकती है, जबकि बहुत टाइट ड्रेस पहनना भी आरामदायक नहीं होता। इसलिए हमेशा अपनी शारीरिक बनावट के अनुसार सही फिटिंग वाली ड्रेस चुनें। इससे न केवल आप आरामदायक महसूस करेंगी, बल्कि पेशेवर भी दिखेंगी। सही फिटिंग वाली शर्ट ड्रेस पहनने से आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करेंगी।

रंगों का चयन समझदारी से करें

ऑफिस के लिए शर्ट ड्रेस चुनते समय रंगों का चयन बहुत अहम होता है। हल्के रंग जैसे सफेद, नीला या हल्का गुलाबी हमेशा पेशेवर लगते हैं और इन्हें किसी भी प्रकार के जूते के साथ आसानी से मिलाया जा सकता है। इसके अलावा गहरे रंग जैसे काला या ग्रे भी अच्छे विकल्प हो सकते हैं, जो आपको एक गंभीर और पेशेवर लुक देंगे। रंगों का सही चयन आपके ऑफिस लुक को और भी खास बना सकता है।

एक्सेसरीज का सही उपयोग करें

शर्ट ड्रेस को स्टाइल करने के लिए सही एक्सेसरीज का चयन बहुत जरूरी है। छोटे-छोटे एक्सेसरीज जैसे कान की बालियां या एक साधारण हार आपके लुक को पूरा कर सकते हैं। इसके अलावा एक अच्छा बेल्ट आपकी कमर को हाइलाइट कर सकता है और आपको एक स्मार्ट लुक देगा। अगर आप चाहें तो एक छोटा-सा हैंडबैग भी ले सकती हैं, जो आपके लुक को और भी खास बनाएगा और आपको आत्मविश्वास से भरपूर महसूस कराएगा।

खांसी की समस्या से राहत दिलाने में सहायक हैं कुछ घरेलू नुस्खे, आजमाकर जरूर देखें

खांसी एक आम समस्या है, जो किसी भी मौसम में हो सकती है। यह समस्या ठंड, गले में खराश या एलर्जी के कारण होती है। खांसी होने पर गले में जलन होती है और बार-बार खांसी आने लगती है, जिससे आराम नहीं मिलता है। इस लेख में हम कुछ असरदार घरेलू नुस्खे बताएंगे, जिनसे आप खांसी से जल्दी राहत पा सकते हैं और अपने गले को शांत रख सकते हैं।

अदरक और तुलसी की चाय पिएं- अदरक और तुलसी की चाय खांसी के लिए बहुत फायदेमंद होती है। अदरक में ऐसे तत्व होते हैं, जो जलन को कम करते हैं। तुलसी में ऐसे तत्व होते हैं, जो संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं। एक कप पानी में कुछ टुकड़े अदरक के डालकर उबालें, फिर उसमें कुछ पत्तियां तुलसी की डालें और इसे 5 मिनट तक पकने दें। अब इसमें थोड़ी शक्कर डालकर पिएं।

नमक वाले पानी से गरारे करें- नमक वाले पानी से गरारे करने से गले की जलन कम होती है और राहत मिलती है। एक गिलास गर्म पानी में आधा चम्मच नमक मिलाकर इसका इस्तेमाल करें।

शहद का सेवन करें

शहद एक प्राकृतिक उपाय है, जो खांसी के इलाज में बहुत कारगर है। रात को सोने से पहले एक चम्मच शहद का सेवन करने से गले की जलन कम होती है और नींद भी अच्छी आती है। शहद में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर की सुरक्षा को मजबूत बनाते हैं और खांसी को दूर करते हैं। इसके अलावा शहद में ऐसे गुण होते हैं, जो संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं।

धुंध में बढ़ जाती हैं दुर्घटनाएं, गाड़ी चलाते समय सावधानी का रखें खास ध्यान, रहें सुरक्षित

धुंध के कारण सड़क पर देखने की क्षमता कम हो जाती है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए धुंध में गाड़ी चलाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतना जरूरी है। इसके लिए गाड़ी की लाइट्स का सही उपयोग करें, धीमी गति से चलें और अन्य वाहनों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। आइए जानते हैं कि धुंध में गाड़ी चलाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

धीमी गति से चलाएं गाड़ी- धुंध में गाड़ी चलाते समय हमेशा धीमी गति से चलें। इससे न केवल आपकी कार को नियंत्रित करना आसान होगा, बल्कि अन्य वाहन चालकों को भी आपको देखने और आपके साथ सुरक्षित दूरी बनाए रखने में मदद मिलेगी। तेज गति पर

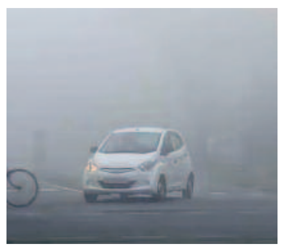

गाड़ी चलाने से आपको आगे क्या है, इसे देखना मुश्किल हो सकता है और इससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए हमेशा धुंध में गाड़ी चलाते समय धीमी गति का पालन करें।

हेडलाइट्स का करें सही इस्तेमाल- धुंध में गाड़ी चलाते समय अपने हेडलाइट्स का सही इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। अपनी गाड़ी की हेडलाइट्स को कम रोशनी पर सेट करें ताकि अन्य वाहन चालकों को आपकी कार स्पष्ट रूप से दिखाई दे सके। ज्यादा रोशनी का उपयोग करने से सामने चल रहे वाहनों पर तेज रोशनी पड़ती है, जिससे ड्राइवर अंधा हो सकता है और दुर्घटना हो सकती है। इसलिए हमेशा कम रोशनी का ही उपयोग करें।

पार्किंग लाइट्स का करें उपयोग- अगर धुंध बहुत ज्यादा हो रही हो तो अपनी गाड़ी को खड़ी करते समय पार्किंग लाइट्स का उपयोग करें। इससे अन्य वाहन चालकों को आपकी गाड़ी का पता लगाना आसान होगा और वे आपसे टकराने से बचेंगे। इसके अलावा यह भी सुनिश्चित करें कि आपकी गाड़ी किसी ऐसे स्थान पर न हो, जहां अन्य वाहनों को निकलने या रुकने में परेशानी हो।

कार्नर न्यूज

इन बातों का रखें खास ध्यान

सलीके से पहना जाए बिना स्लीव्स वाला ब्लाउज तो ही लगता है अच्छा

बिना स्लीव्स वाला ब्लाउज भारतीय परिधान का एक खास हिस्सा है। यह न केवल स्टाइलिश दिखता है, बल्कि पहनने में आरामदायक भी होता है। हालांकि, इसे पहनते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि आपका लुक बेहतरीन लगे और आप आत्मविश्वास महसूस करें। सही फिटिंग, कपड़े का चुनाव, गहनों का उपयोग और आत्मविश्वास बनाए रखना जैसे पहलू इस लुक को खास बनाते हैं।

सही फिटिंग का ध्यान रखें

बिना स्लीव्स वाले ब्लाउज की फिटिंग बहुत जरूरी है। अगर ब्लाउज ढीला होगा तो यह आपके पूरे लुक को खराब कर सकता है। सही फिटिंग वाला ब्लाउज पहनें ताकि यह आपकी छाती और कंधों पर अच्छी तरह से बैठ सके। इसके लिए आप अपने नाप के अनुसार ब्लाउज बनवा सकती हैं या फिर बाजार से सही नाप वाला ब्लाउज खरीद सकती हैं। सही फिटिंग से आपका लुक और भी निखर कर आएगा।

फैब्रिक का चुनाव करें

बिना स्लीव्स वाला ब्लाउज बनवाते समय फैब्रिक का चुनाव बहुत जरूरी है। सूती, रेशमी या जॉर्जेट जैसे हल्के और हवा लगने वाले फैब्रिक चुनें ताकि गर्मियों में भी आप आरामदायक महसूस करें। भारी फैब्रिक जैसे बनारसी या जरी की कारीगरी वाले कपड़े गर्मियों में असुविधाजनक हो सकते हैं। इसके अलावा हल्के फैब्रिक पहनने से आपका शरीर भी आरामदायक महसूस करेगा और पूरे दिन आप तरोताजा रहेंगी। सही फैब्रिक का चुनाव आपके लुक को और भी खास बना सकता है।

गहनों का उपयोग करें

बिना स्लीव्स वाले ब्लाउज के साथ सही गहने पहनना आपके पूरे लुक को खास बना सकता है। लंबे झुमके, चोकर हार या चूड़ियां जैसे गहने आपके लुक को और भी आकर्षक बना सकते हैं। हालांकि, गहनों का चयन करते समय संतुलन बनाए रखना जरूरी है ताकि आपका लुक ज्यादा बनावटी न लगे। इसके अलावा आप हल्के गहनों का चयन भी कर सकती हैं, जो आपके ब्लाउज के साथ अच्छे से मेल खाएं और आपको एक सुंदर लुक दें।

आत्मविश्वास बनाए रखें

आखिरकार, बिना स्लीव्स वाला ब्लाउज पहनते समय सबसे अहम चीज है आत्मविश्वास। चाहे आप कितना भी अच्छा कपड़ा और गहने क्यों न पहन लें, अगर आपका आत्मविश्वास कम होगा तो आपका पूरा लुक प्रभावित होगा। इसलिए जब भी आप बिना स्लीव्स वाला ब्लाउज पहनें, पूरे आत्मविश्वास के साथ उसे कैरी करें और खुद पर गर्व महसूस करें। इन सभी बातों का ध्यान रखकर आप बिना स्लीव्स वाला ब्लाउज पहनते समय हर मौके पर शानदार दिख सकती हैं।